जबलपुर रविवार 21 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी
वर्ष 31 अंक 352 मूल्य 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 40.6°C
न्यूनतम तापमान 28.4°C
सूर्योदय -5.26 | सूर्यास्त - 6.59

आयुष, योग, और अध्यात्म से आरोग्य की ओर ⏩ 4

वो दिल्ली में हैं और मैं, 'दिया और बाती हम' ⏩ 7

संघर्ष और दृढ़ संकल्प की मिसालः विदुषी ⏩ 9

ऋषिकेश में गंगा स्नान करते समय 4 लोगों की मौत

ऋषिकेश। ऋषिकेश में 4 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई है। ये सभी लोग अलग-अलग जगहों से गंगा स्नान करने आए थे। एसडीआरएफ ने सभी के शव बरामद कर उनकी पहचान कर ली है। इनमें से तीन के शव पशुलोक बैराज के चैनल से निकाले गए। मृतकों की पहचान दिल्ली से आए कपल मनीष आर्य (30) और उनकी पत्नी जानकी (28), मध्य प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले शैलेंद्र गुर्जर (30), और यूपी के गौतम बुद्ध नगर के रहने वाले शौर्य नागर (20) के तौर पर हुई है।

टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। जहांगीर खान को पुलिस ने 8 जून को भारत से भागने के दौरान नेपाल बॉर्डर के पास से गिरफ्तार किया था।

नीटः आज 22.79 लाख स्टूडेंट्स देंगे एग्जाम

परीक्षा से पहले तैयारियों की परीक्षा

नई दिल्ली

21 जून को होने वाली नीट-यूजी री-एग्जाम से पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शनिवार को देशभर में मॉक ड्रिल किया है। एग्जाम को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन और सेंटरीय एजेंसियों के साथ मिलकर मल्टी लेयर सिक्योरिटी तैयार की गई है। 21 जून को होने वाली एग्जाम में 22.79 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए भारत के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5000 से ज्यादा एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। एनटीए के मुताबिक एग्जाम कंडक्ट कराने में 2 लाख से अधिक कर्मी, 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर लगाए गए हैं। एनटीए के अनुसार, एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक पेन-एंड-पेपर मोड में होगी। पीडब्ल्यूडी और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देते हुए शाम 6.20 बजे तक एग्जाम लिखने की अनुमति होगी। दरअसल, 3 मई 2026 को नीट-यूजी परीक्षा देशभर में आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया।

अभ्यर्थी इन बातों का रखें ध्यान

एनटीए ने कहा है कि गर्मी और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को ध्यान में रखते हुए सभी एग्जाम सेंटरों पर बिजली बैकअप, पर्याप्त रोशनी, पंखे, दीवार घड़ियां, पीने का पानी, शौचालय और मेडिकल सहायता की व्यवस्था की गई है। एनटीए के मुताबिक अभ्यर्थी पारदर्शी पानी की बोतल साथ ला सकेंगे। डायबिटिक अभ्यर्थियों को शुगर टैबलेट और केला, सेब या संतरा जैसे फल लाने की अनुमति होगी। वहीं, धार्मिक या पारंपरिक पोषाक पहनने वाले तथा फुल स्लीव या ऊनी कपड़े पहनने वाले अभ्यर्थियों को जांच प्रक्रिया के लिए और पहले पहुंचने की सलाह दी गई है।

राहुल गांधी का सोशल मीडिया पर तीखा हमला

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक विस्तृत पोस्ट साझा कर पीड़ित छात्र का दर्द बयां किया। उन्होंने लिखा कि नागपुर का एक होनहार बच्चा बीते एक महीने से दिन-रात नीट दोबारा परीक्षा की मुस्तैदी से तैयारी कर रहा था, लेकिन कल परीक्षा से ठीक एक दिन पहले जब उसने अपना नया प्रवेश पत्र डाउनलोड किया, तो परीक्षा स्थल के रूप में अबूधाबी का नाम देखकर उसके होश उड़ गए। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि जब उस छात्र के पास न तो वैध पासपोर्ट है, न ही उसके मध्यमवर्गीय परिवार के पास उसे रातों-रात हवाई जहाज से विदेश भेजने के पैसे हैं, और न ही अब समय बचा है, तो वह परीक्षा कैसे देगा? उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि वह मासूम बच्चा रातभर रोता रहा और मानसिक अवसाद के कारण परीक्षा में शामिल होने से ही मना कर रहा है, जो देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक अत्यंत शर्मनाक स्थिति है।

नागपुर के छात्र का सेंटर अबू धाबी

देशभर में नीट-यूजी री-एग्जाम से एक दिन पहले एग्जाम सेंटर के अलॉटमेंट में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं। नागपुर के एक छात्र अब्दुल्लाह मोहम्मद तालिब ने अबू धाबी (यूएई) स्थित एक भारतीय स्कूल में सेंटर मिलने की शिकायत की। छात्र ने 19 जून को एडमिट कार्ड डाउनलोड किया, तब यह गड़बड़ी देखी। छात्र के पास पासपोर्ट नहीं है। ऐसे में उसका विदेश जाकर परीक्षा देना संभव नहीं था। एडमिट कार्ड का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने सफाई दी। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा शहर में बदलाव छात्र के रजिस्टर्ड लॉगिन से किया गया था। हालांकि, छात्र के अनुरोध पर बाद में सेंटर नागपुर कर दिया गया। इसी तरह भुवनेश्वर की एक छात्रा को 2300 किमी दूर देहरादून में सेंटर मिला, जिसे बाद में सुधार दिया गया। मेडिकल प्रवेश परीक्षा (हृश्वश्वञ्ज-2026) की पुनर्परीक्षा से ठीक पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (हृञ्ज) द्वारा नागपुर के एक छात्र का परीक्षा केंद्र सात समंदर पार संयुक्त अरब अमीरात (९श्व) के अबूधाबी में आवंटित करने का मामला अब पूरी तरह गरमा गया है। इस गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और तकनीकी ब्लंडर पर अब राजनीति भी तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस पूरे घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार और एनटीए को कटघरे में खड़ा किया है। छात्र के पास पासपोर्ट न होने और परिवार की आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए उन्होंने देश की संपूर्ण परीक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर, विवाद बढ़ने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने भी इस संवेदनशील मुद्दे पर अपनी आधिकारिक सफाई पेश की है।

मंदिर की छत गिरने से 7 की मौत, 25 घायल

परभणी। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराया

चेन्नई । भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने क्लीन स्वीप करते हुए सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अफगानिस्तान ने भारत को 219 रन का टारगेट दिया। जवाब में भारत ने 28.4 ओवर में एक विकेट खोकर 224 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। यशस्वी जायसवाल ने दूसरा वनडे शतक जमाते हुए नाबाद 110 रन बनाए। पारी में 14 चौके और 3 छक्के भी लगाए। रोहित शर्मा ने 79 रन की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जमाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 170 रन जोड़कर जीत की नींव रखी। श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रदेश की भावांतर भुगतान योजना को मिला प्रतिष्ठित 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड'

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश शासन की किसान हितैषी एवं नवाचार आधारित भावांतर भुगतान योजना-2025 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 20 जून 2026 को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व और किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना के मार्गदर्शन में भावांतर योजना-2025 तथा ई-मंडी योजना को एकीकृत डिजिटल ढांचे के अंतर्गत सफलतापूर्वक लागू किया गया है। यह पहल किसानों को मूल्य संरक्षण, त्वरित भुगतान और पारदर्शी कृषि विपणन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भावांतर योजना-2025 के अंतर्गत सोयाबीन की खरीदी पूर्णतः ई-मंडी एप्लीकेशन के माध्यम से की गई। यह देश में पहली बार लागू की गई एक अभिनव व्यवस्था है जिसका उद्देश्य किसानों को बाजार भाव में गिरावट से सुरक्षा प्रदान करना है। योजना में न्यूनतम समर्थन मूल्य और वास्तविक बिक्री दर/मॉडल रेट के बीच के अंतर की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित हो सके। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भोपाल की ओर से यह सम्मान प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में सहायक संचालक योगेश नागले, गोविंद शर्मा एवं निरंजन सिंह द्वारा ग्रहण किया गया। दोनों एप्लीकेशन एन.आई.सी. भोपाल द्वारा विकसित की गई हैं।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद किया

लेबनान पर इजराइली हमलों में 16 लोगों की मौत के बाद फैसला

तेल अवीव। ईरान ने फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। ईरान की जॉइंट मिलिट्री कमांड ने सरकारी टीवी पर ऐलान करते हुए कहा कि इसकी वजह लेबनान में हो रहे इजराइली हमले हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून की रात शांति समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें होर्मुज को खोलने और लेबनान में हमले बंद करने की शर्तें थीं। पीस डील पर साइन के बाद भी इजराइल ने लेबनान में हमले जारी रखे थे। इसके बाद ट्रम्प की पहल पर 19 जून की रात इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ था। हालांकि सीजफायर के ऐलान के 8 घंटे बाद ही इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष शुरू हो गया। अल जजीरा के मुताबिक, इजराइली सेना ने ड्रोन और तोपों से नबाहितए इलाके में हमला किया जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इजराइल गाजा और लेबनान में अपने सैन्य अभियान जारी रखेगा। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकई ने कहा कि ईरान ने अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी की हैं, लेकिन अमेरिका, इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने के लिए मजबूर करने में फेल रहा है।

राम मंदिर चढ़ावे पर सेंधमारी एसआईटी का 'एक्शन' जारी

ट्रस्ट पदाधिकारियों के बाहर जाने पर रोक, एसआईटी ने तैयार की रिपोर्ट

अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के बीच विशेष जांच दल (एसआईटी) के सदस्यों ने श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों को बिना अनुमति जिले से बाहर जाने से रोक दिया है। उन संदिग्ध कर्मियों को भी जिला छोड़ने पर अनुमति लेने की हिदायत दी है, जिनके नाम गबन प्रकरण में सामने आए हैं। एसआईटी ने दानपात्रों की धनराशि के उपयोग और अनावश्यक खर्चों की जांच करने के लिए ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा के पहले से अब तक की भूमि खरीद से संबंधित सभी मामलों की पड़ताल भी शुरू की है। इस दौरान वर्ष 2021 तक के पुराने रिकॉर्ड और इनसे जुड़े लोगों से पूछताछ की गई। उन बैंक अधिकारियों को भी बुलाया, जिनमें धनराशि का लेन-देन हुआ था। एसआईटी ने छह दिनों की जांच के निष्कर्ष तय कर लिए हैं। टीम रविवार को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप सकती है। एसआईटी ने शनिवार को छठे दिन की पड़ताल जमीन खरीद से शुरू की है। सूत्रों ने बताया कि टीम के सदस्यों ने ट्रस्ट की भूमि का निरीक्षण भी किया। सुबह 11 बजे उत्तरी दिशा के जगद्गुरु रामानुजाचार्य द्वार से परिसर में प्रवेश कर ग्रीन हाउस में ही कैंप कार्यालय बनाया। यहीं ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र व व्यवस्थापक गोपाल राव से पूछताछ हुई, फिर इनके बयानों के सत्यापन के लिए मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू, गणना प्रभारी रिटायर्ड बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव, आभूषणों की देखरेख करने वाले कृष्णदेव तिवारी सहित अन्य संदिग्ध कर्मियों से भी पूछताछ की। भूमि खरीद को लेकर व्यवस्थापक गोपाल राव व महासचिव चंपतराय से सवाल किए। भूमि खरीद प्रक्रिया में इन्हीं दोनों पदाधिकारियों के शामिल रहने से एसआईटी इन्हीं पर केंद्रित रही। पता चला कि ट्रस्ट ने वर्ष 2021 से अब तक लगभग 44 एकड़ जमीन खरीदी है, जिनमें से कई भूखंडों की कीमत काफी अधिक दी गई। एसआईटी ने इसकी आवश्यकता को लेकर सवाल किए।

जोखिम वाली 16 दवा कॉम्बिनेशन पर रोक

स्किन और कॉस्मेटिक प्रोडक्ट भी शामिल

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश दवाएं बनाने, वितरण, बिक्री और सप्लाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इन दवाओं से फायदे की अपेक्षा जोखिम ज्यादा हैं। इन दवाओं में इलाज के लिहाज से कुछ नहीं मिला। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने और दवाओं के सही इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है, ताकि केवल वैज्ञानिक रूप से सही और असरदार दवाएं ही बाजार में उपलब्ध रहें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश दवाओं की समीक्षा के आधार पर लिया गया।

इसके लिए ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने विशेषज्ञ समिति बनाई थी। समिति ने कई दवा कॉम्बिनेशन की जांच की और कुछ को अवैज्ञानिक, इलाज के लिहाज से गैर-जरूरी और मरीजों के लिए संभावित रूप से नुकसानदायक पाया। फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश यानी ऐसी दवाएं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फॉर्माम्युटिकल इनग्रेडिएंट्स तय अनुपात में मिलाए जाते हैं। मंत्रालय ने यह प्रतिबंध ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत जारी अधिसूचनाओं के जरिए लगाया है।

राज्यों को दिए गए सख्त निर्देश

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इससे पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई गैर-तर्कसंगत फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश दवाओं पर रोक लगाई जा चुकी है। सभी राज्यों के ड्रग कंट्रोलर, नियामक संस्थाओं और प्रवर्तन एजेंसियों को इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दवा निर्माता, आयातक, वितरक और अन्य संबंधित पक्षों को कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाने के लिए कहा गया है।

इन दवाओं पर रोक लगी

- एसीटाइल सैलिसिलिक एसिड के साथ एथोहेप्टाजीन
- डाइसाइक्लोमीन के साथ पैरासिटामोल और क्लिडिनियम ब्रोमाइड का कॉम्बिनेशन
- डाइसाइक्लोमीन, पैरासिटामोल, क्लिडिनियम ब्रोमाइड, क्लोरडायजेपॉक्साइड का कॉम्बिनेशन
- ग्लिक्लाजाइड के साथ क्रोमियम पिकोलिनेट का कॉम्बिनेशन
- पैरासिटामोल के साथ लिनोकेन का कॉम्बिनेशन
- एमॉक्सिसिलिन के साथ सेराटियोपेप्टिडेजएमॉक्सिसि लिन, सेराटियोपेप्टिडेज, लैक्टोबैसिलस स्पोरोजेन्स का कॉम्बिनेशन
- एमॉक्सिसिलिन, क्लॉक्सासिलिन, क्टिक एसिड बैसिलस, का कॉम्बिनेशन
- सेराटियोपेप्टिडेज के साथ सेफाड्रॉक्सिल, प्रोबेनेसिड, से फ्यूरॉक्सिम, सेराटियोपेप्टिडेज का कॉम्बिनेशन
- एलोवेरा/एलो एक्सट्रैक्ट वाले कई स्किन और स्किनकेयर कॉम्बिनेशन
- विटामिन ई, जोजोबा ऑयल, ऑरेंज ऑयल, व्हीट जर्म ऑयल, टी ट्री ऑयल, एलैंटोइन और डी-पैंथेनॉल वाले प्रोडक्ट

राष्ट्रपति की उपस्थिति में आज मनाया जाएगा 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

3 हजार से ज्यादा विद्यार्थी होंगे सम्मिलित, गैरिसन ग्राउंड में होगा आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

डुमना एयरपोर्ट पर शनिवार को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नगर आगमन हुआ। इस दौरान राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मंत्री राकेश सिंह, मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को उनका विमानतल पर स्वागम किया गया। उल्लेखनीय है कि 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम रविवार 21 जून को जबलपुर में आयोजित किया जायेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में स्वस्थ्य आयु के लिए योग की थीम पर आयोजित किये जा रहे सामूहिक योग के इस कार्यक्रम में लगभग 5 हजार नागरिकों की सहभागिता होगी, इसमें 31 स्कूलों के लगभग 3 हजार 400 छात्र छात्राएं भी शामिल रहेंगे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के प्रति नागरिकों का अभूतपूर्व उत्साह दिखाई दे रहा है। सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड

में आयोजित किये जा रहे इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार मप्र शासन के मंत्री भी शामिल होंगे। विद्यालय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज के प्रबुद्धजन के साथ योग दिवस पर यह कार्यक्रम सुबह 6 बजे से गैरीसन ग्राउंड सदर में होगा।

240 स्वर्ण पदकों का होगा वितरण

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का 36वां दीक्षांत समारोह 21 जून को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रही है। कायक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए सुरक्षाए प्रोटोकॉल, मंच सज्जा, बैठक व्यवस्था, यातायात, आतिथ्य एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 141 मेधावी विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चयनित 20 स्वर्ण पदक धारकों को मंच से अपने करकमलों द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति के प्रस्थान के बाद शेष स्वर्ण पदक एवं उपाधियां उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के हाथों प्रदान की जाएंगी। समारोह में 182 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त तीन विद्वानों को डी लिट, एक को डीएससी तथा एक विशिष्ट व्यक्तित्व को मानद उपाधि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। विभिन्न संकायों के पात्र विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां भी प्रदान की जाएंगी।

पूरी लगन और मेहनत से करें अध्ययन ताकि देश का नाम रोशन कर सकें बेटियां

भगिनी निवेदिता बालिका छात्रावास पहुंचे राज्यपाल, छात्राओं से किया वार्तालाप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शनिवार को शास्त्री ब्रिज स्थित नरसिंह मंदिर परिसर में संचालित भगिनी निवेदिता बालिका छात्रावास पहुंचकर आदिवासी छात्राओं से आत्मीय भेंट की और परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, इंजीनियर और डॉक्टर बनकर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल श्री पटेल के आगमन पर छात्राओं तथा विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा एवं प्रादेशिक सचिव डॉ सुधीर अग्रवाल ने शाल एवं पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया। इसके बाद राज्यपाल ने छात्रावास के कमरों का भ्रमण किया तथा बालिकाओं से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं से उनके परिवार और पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी आत्मीयता से जानकारी ली।

व्यवस्थाओं की ली जानकारी

छात्राओं से बातचीत के दौरान राज्यपाल ने कहा कि उनकी भी तीन बेटियां हैं और उनकी नातिन कंप्यूटर इंजीनियर है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आप सभी इंजीनियरिंग की छात्राएं हैं, इसलिए पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन करें, डॉक्टर और इंजीनियर बनें तथा देश का नाम रोशन करें। उन्होंने यह भी कहा कि विद्या भारती जैसे संस्थान में पढ़ना सौभाग्य की बात है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने शिक्षकों से भी मुलाकात कर छात्राओं की पढ़ाई और छात्रावास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अखिल भारतीय बालिका शिक्षा प्रमुख रेखा चूड़ासमा के कार्यों की सराहना भी की। कार्यक्रम में आयुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा, प्रादेशिक सचिव डॉ सुधीर अग्रवाल, संगठन मंत्री अमित दवे आदि उपस्थित रहे।

प्रबंध संचालक ने किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिंहस्थ महाकुम्भ की तैयारियों को लेकर पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा पारेषण अधोसंरचना विकास कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने उज्जैन पहुंचकर निर्माणाधीन विद्युत सबस्टेशनों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान एमडी सुनील तिवारी ने 132 केवी सबस्टेशन चिंतामन और उज्जैन के प्रथम 132 केवी जीआईएस सबस्टेशन त्रिवेणी विहार के निर्माण कार्यों का बारीक अवलोकन किया। कंपनी के आकलनों के अनुसार, सिंहस्थ-2028 के दौरान उज्जैन में बिजली की अनुमानित अधिकतम मांग लगभग 750 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। इस भारी-भरकम मांग की निर्बाध आपूर्ति के लिए एमपी ट्रांसको द्वारा क्षेत्र के विभिन्न सबस्टेशनों का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इसी योजना के तहत शहर में दो नए एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) विद्युत सबस्टेशनों का निर्माण कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ स्काउट्स एवं गाइड्स समर कैंप का समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

उमंग रेल सामुदायिक भवन में शनिवार को समर कैम्प के सफलता पूर्वक समापन समारोह का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, जिला आयुक्त स्काउट वरुण चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य एवं सहायक कार्मिक अधिकारी, सहायक जिला आयुक्त शची पति नंदन के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। आयोजन में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुति दी। बच्चों द्वारा हैंडीक्राफ्ट एवं मॉडल की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका अवलोकन भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राज्य मुख्यालय से राज्य संगठन

आयुक्त रंजन कुमार सिंह उपस्थित थे। जिला कार्यकारिणी से जिला सचिव अनिल कुमार चौबे, संयुक्त सचिव संजीव कुमार तिवारी, जिला संगठन आयुक्त विमलेश कुमार तिवारी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त आशीष कुमार सोनकर, सांस्कृतिक सचिव रजनीश कुमार यादव का योगदान रहा । कार्यक्रम का संचालन अब्दुल वाजिद मंसूरी ने किया। कायक्रम को सफल बनाने में जिला संगठन के सभी लीडर्स सीनियर रोवर्स रेंजर्स का भरपूर सहयोग रहा । बच्चों के इस कार्यक्रम में उनके अभिभावकों में पधार कर उनका उत्साहवर्धन किया ।

शिव स्मृति भवन में किया गया राजयोग

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में नेपियर टाउन, भंवरताल गार्डन स्थित शिव स्मृति भवन में योग एवं राजयोग मेडिटेशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भावना ने उपस्थित भाई-बहनों को संबोधित करते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। राजयोग के नियमित अभ्यास से हम अपने मन को शांत, तन को स्वस्थ और आत्मा को सशक्त बना सकते हैं। वर्तमान समय के तनावपूर्ण माहौल में योग ही मानसिक शांति का एकमात्र साधन है। इसके बाद वर्षा ने विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस कार्यक्रम में भावना, वर्षा, साधना और रजनी, संदीप ,वीरेंद्र , अनिल, राजेश, परेश, संतोष उपस्थित रहे।

फिर बढ़ने लगी तपिश, धूप की चुभन कर रही हलाकान

मानसून की दस्तक में देरी, तापमान में हुई बढोत्तरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । मौसम के मिजाज में लगातार बदलाव देखा जा रहा है । शनिवार को सुबह थोड़ी देर रहने के बाद बादल दिनभर के लिए नदारद हो गए , जिसके चलते तेज धूप और उमस ने लोगों को जमकर छकाया। बीते कुछ दिनों की हल्की राहत के बाद तापमान में फिर से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे शहरवासी भीषण गर्मी और तीखी धूप से हलाकान नजर आए। शनिवार को अधिकतम तापमान 40.6 तो वहीँ न्यूनतम तापमान 28.4 दर्ज किया गया। जबलपुर सहित पूरे मध्य प्रदेश में मानसून के आगमन में उम्मीद से थोड़ा अधिक समय लग रहा है। जून के मध्य

तक जिस मानसून की फुहारों का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उसकी रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। हवाओं के रुख में बदलाव और वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में मजबूत वेदर सिस्टम न बनने के कारण मानसून की गाड़ी आगे नहीं बढ़ पा रही है।

कुछ विशिष्ट भौगोलिक और मौसमी कारणों से मानसून को मध्य प्रदेश पहुंचने में देरी हो रही है। इस समय बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी वाली हवाएं कमजोर पड़ी हैं, जिससे प्रदेश के मध्य हिस्सों में पर्याप्त मानसूनी बादल नहीं बन पा रहे हैं। जब तक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय नहीं होता, तब तक राहत की बौछारों के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

झमाझम बारिश के लिए करना होगा इंतजार

आने वाले दिनों को लेकर मौसम विज्ञान केंद्र का अनुमान है कि जब तक मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं होता, तब तक तापमान में आंशिक बढ़ोतरी और उमस का दौर जारी रह सकता है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन झमाझम बारिश के लिए जबलपुर वासियों को कुछ दिन रुकना पड़ सकता ।

चोरों ने पार की निर्माणाधीन सामग्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

गोराबाजार थाने में 37 वर्षीय मोहम्मद कलीम निवासी बंगला नं.05 कंटगा क्रासिंग थाना केन्ट ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह मकान तोडने का ठेका लेता है, उसे कुशल अग्रवाल द्वारा मकान तोडने का ठेका दिया गया था जिसका मकान बिलहरी मे है।

27 अप्रैल से मकान तोडने का काम चल रहा था मकान तोडने के लिये 2 हेमर मशीन, 1 ग्लाईडर मशीन, 3 जोडी बिजली वायर, 3 बडे घन, 3 छोटे हथोडी, 2 छोटी छैनी, 2 बडी छैनी एवं लोहा रखे थे, जिन्हे 26 मई के बीच घर में घुस कर व ताला तोड कर किसी अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया।

मोक्ष संस्थान ने विधि विधान से किया 2 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति के संयोजक आशीष ठाकुर को रेलवे पुलिस द्वारा दो लावारिस शवों की सूचना मिलने पर समिति के सदस्यों ने 20 जून को तिलवारा घाट पर दोनों शवों का पूरे सम्मान एवं विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार कराया। इस अवसर पर योगेश, प्रशांत, अमर, सतीश एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर संस्थान के सहयोगियों द्वारा तीन बीमार निराश्रित व्यक्तियों को मोक्ष आश्रय में लाकर उनकी देखभाल एवं उपचार की व्यवस्था की गई। मोक्ष सेवा संस्थान शहर में पिछले 26 वर्षों से निराश्रित, असहाय एवं लावारिस व्यक्तियों की सेवा में निरंतर कार्यरत एक स्वयंसेवी संस्था है।

सितंबर के बाद होंगे चुनाव, सदस्यता अभियान को मिलेगी रफ्तार

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में एल्युम्नाई समिति की बैठक डॉ. अरुणा पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुई, बैठक में समिति की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए यह निर्णय लिया गया कि संगठन के नवीन चुनाव सितंबर के बाद संपन्न कराए जाएंगे, ताकि एक नई और ऊर्जावान टीम को जिम्मेदारी सौंपी जा सके। इसके साथ ही समिति के सभी पुराने सदस्यों को बैठक और आगामी गतिविधियों की सूचना भेजी जाएगी। आजीवन सदस्यों के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पूर्व सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे अन्य लोगों को प्रेरित करने का कार्य करेंगे।

तकनीक और बीज पाकर खिले किसानों के चेहरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय ने अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत सह कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सराहनीय पहल से क्षेत्र के कुल 120 अनुसूचित जाति के किसान सीधे तौर पर लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में डॉ. जेएस मिश्रा ने कृषि तकनीक के प्रसार, क्षमता निर्माण और समय पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री की उपलब्धता को किसानों की आय बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे जमीनी प्रयासों से अनुसूचित जाति के किसानों का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण संभव है। इस दौरान प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पीके. सिंह ,डॉ. योगिता घरडे ने उपस्थित किसानों को उन्नत फसल उत्पादन, पोषक तत्व व खरपतवार प्रबंधन और पौध सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तौर-तरीके सिखाए। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को हाइब्रिड मक्का और धान के उन्नत बीज वितरित किए गए। साथ ही, 'खेत बचाओ अभियान' के तहत मिट्टी की सेहत सुधारने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए सभी 120 लाभार्थियों को जैविक खाद भी दी गई। डॉ. दीपक पवार ,डॉ. सहदेव कुवरदादारा व घनश्याम विश्वकर्मा उपस्थित रहे ।

ई-रिक्शा हुआ गायब

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । लार्डगंज थाने में 29 वर्षीय अंकित कुमार प्रजापति निवासी शिवनगर गढ़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह फ्लेक्श का काम करता है 18 जून की शाम अपना आटो क्रमांक एमपी 20 जेड के 8242 उसकी दुकान शिव प्रिंटर रानीताल के सामने खड़ी करके दुकान पर काम करने चला गया था तभी ई रिक्शा चोरी हो गया।

बिजली विभाग और किसान संघ की बैठक संपन्न

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारतीय किसान संघ, महाकौशल प्रांत के ऊर्जा आयाम द्वारा सिहोरा तहसील के अंतर्गत गोसलपुर बिजली आफिस में शनिवार के दिन बिजली कंपनी के अधिकारियों एवं किसान संघ के पदाधिकारी के बीच हुई बैठक में बिजली समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से प्रहलाद सिंह पटेल, नंदकिशोर परोह, रामदास पटेल, सुरेश पटेल, शैलेंद्र पटेल, सुभाष पटेल, मेवालाल पटेल, धर्मेन्द पटेल, रमेश कुमार सिन्हा उपस्थित रहे।

बैठक में पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्र केवल बिगड़े ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने झूलती विद्युत केबल को सही करने ओवरलोड ट्रांसफार्मर का लोड कम करने घरेलू एवं कृषि बिजली की सतत आपूर्ति विद्युत सब स्टेशनों के बिगड़े उपकरणों को शीघ्र बदलने जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

बदले नियम: बिना टिकिट ट्रेन में यात्रा करने पर पड़ेगी जुर्माने की दोहरी मार

लागू हुए नए प्रावधान, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने की यात्रियों से अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रेल यात्रियों की सुविधा, रेलवे परिसरों में अनुशासन बनाए रखने तथा रेल सेवाओं के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेल अधिनियम, 1989 की विभिन्न धाराओं में संशोधित दंड एवं जुर्माना प्रावधान 19 जून 2026 से प्रभावी हो गए हैं। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) अधिनियम, 2026 के अंतर्गत रेल अधिनियम से संबंधित संशोधित प्रावधान लागू कर दिए गए हैं।

बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना उद्देश्य

जबलपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि संशोधित प्रावधानों का उद्देश्य यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा रेलवे परिसरों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना है। संशोधित प्रावधानों के तहत धारा 137 के अंतर्गत बिना टिकट यात्रा अथवा यात्रा का प्रयास करने वाले मामलों में देय न्यूनतम अतिरिक्त प्रभार 250 से बढ़ाकर 500 कर दिया गया है। इसी प्रकार धारा 138 के अंतर्गत अनियमित यात्रा से संबंधित मामलों में भी न्यूनतम अतिरिक्त प्रभार 250 के स्थान पर 500 निर्धारित किया गया है।

इसके अतिरिक्त रेलवे परिसर में अनधिकृत प्रवेश, अवैध फेरी, महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश, रेलवे कर्मचारियों के निर्देशों की अवहेलना तथा अन्य विभिन्न उल्लंघनों से संबंधित दंड प्रावधानों एवं जुर्माना राशि में भी संशोधन किया गया है। डॉ. मधुर वर्मा ने यात्रियों से टिकिट लेकर ही ट्रेनों में यात्रा करने की अपील की है।

तकनीक बनाम शिक्षा: आधुनिक युग में दोनों की भूमिका

आज के आधुनिक युग में तकनीक और शिक्षा दोनों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। तकनीक ने जहाँ मानव जीवन को सरल, तेज और सुविधाजनक बनाया है, वहीं शिक्षा मनुष्य के ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व विकास की आधारशिला है। अक्सर यह प्रश्न उठता है कि तकनीक अधिक महत्वपूर्ण है या शिक्षा, लेकिन वास्तविकता यह है कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और समाज के संतुलित विकास के लिए दोनों का समान महत्व है।

शिक्षा का महत्व

शिक्षा मनुष्य को सही और गलत में अंतर करना सिखाती है। यह व्यक्ति के बौद्धिक, सामाजिक और नैतिक विकास में सहायता करती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने ज्ञान, अनुभव और विवेक के आधार पर जीवन में सही निर्णय ले सकता है। शिक्षा न केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र निर्माण और सोचने-समझने की क्षमता को भी विकसित करती है। बिना शिक्षा के किसी भी समाज की प्रगति संभव नहीं है, इसलिए इसे मानव विकास की नींव माना जाता है।

तकनीक के लाभ

तकनीक के माध्यम से शिक्षा अधिक तेज, सरल और सुलभ हो गई है। इससे समय और संसाधनों की बचत होती है। विद्यार्थी किसी भी समय और कहीं भी अध्ययन कर सकते हैं। यह शिक्षा को वैश्विक स्तर तक पहुँचाने में सहायक है और विद्यार्थियों को नए कौशल सीखने के अवसर प्रदान करती है।

तकनीक के दुष्प्रभाव

हालाँकि तकनीक के अनेक लाभ हैं, लेकिन इसके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं। इसका अत्यधिक उपयोग विद्यार्थियों को मोबाइल और सोशल मीडिया की लत लगा सकता है, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई से भटक सकता है। गलत जानकारी, साइबर अपराध और गोपनीयता से जुड़ी समस्याएँ भी तकनीकी के दुरुपयोग के कारण उत्पन्न होती हैं।

प्रियंका तिवारी
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी
गोविंदगंज, जबलपुर

तकनीक का शिक्षा में योगदान

तकनीकी ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया है। पहले विद्यार्थियों को जानकारी प्राप्त करने के लिए केवल पुस्तकों और शिक्षकों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन आज इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म के माध्यम से ज्ञान आसानी से उपलब्ध है। विद्यार्थी घर बैठे दुनिया के किसी भी विषय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकालय, ई-लर्निंग ऐप्स और वीडियो लेक्चर ने सीखने की प्रक्रिया को अधिक सरल, प्रभावी और रोचक बना दिया है।

डिजिटल मार्केटिंग कम निवेश में बड़ा करियर अवसर

आज के डिजिटल युग में डिजिटल मार्केटिंग युवाओं के लिए सबसे तेजी से बढ़ता हुआ करियर विकल्प बन गया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कम निवेश के साथ बड़ा करियर और आय के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने हर व्यवसाय को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपनी पहचान बनाने के लिए मजबूर कर दिया है, जिससे डिजिटल मार्केटिंग की मांग लगातार बढ़ रही है।

डिजिटल मार्केटिंग में कई क्षेत्र शामिल होते हैं जैसे एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन), सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग और गूगल ऐड्स। इन सभी स्किल्स को सीखकर युवा आसानी से नौकरी, इंटर्नशिप या फ्रीलांसिंग कर सकते हैं। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे शुरू करने के लिए किसी बड़े निवेश की आवश्यकता नहीं होती, केवल इंटरनेट और सही स्किल्स की जरूरत होती है। कई युवा घर बैठे ऑनलाइन कोर्स और प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स के माध्यम से इसे सीखकर अच्छी कमाई कर रहे हैं। डिजिटल मार्केटिंग न केवल रोजगार का साधन है, बल्कि यह आत्मनिर्भर बनने का भी अवसर प्रदान करती है। स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों के बढ़ने के कारण इस क्षेत्र में भविष्य और भी उज्ज्वल है। कह सकते हैं:, डिजिटल मार्केटिंग युवाओं के लिए कम निवेश में बड़ा करियर अवसर है, जो उन्हें आधुनिक समय में सफल और आत्मनिर्भर बनने का मार्ग प्रदान करता है।

लहरों से करियर तक: 12 वीं के बाद मरीन इंजीनियरिंग में सुनहरा भविष्य

समुद्र की अथाह गहराइयों में विशाल जहाजों का सुरक्षित संचालन केवल कप्तान की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि उसके पीछे मरीन इंजीनियरों की तकनीकी दक्षता भी होती है। आज जब वैश्विक व्यापार का अधिकांश हिस्सा समुद्री मार्गों से होता है, तब मरीन इंजीनियरिंग युवाओं के लिए तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प बन चुकी है। यदि आपने 12वीं में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों से पढ़ाई की है और तकनीक के साथ रोमांच से भरा जीवन जीने का सपना देखते हैं, तो मरीन इंजीनियरिंग आपके लिए सुनहरा भविष्य साबित हो सकती है। मरीन इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग की वह शाखा है, जिसमें जहाजों, पनडुब्बियों और अन्य समुद्री वाहनों की मशीनों, इंजन, बॉयलर, प्रोपेलर, विद्युत प्रणाली तथा सुरक्षा उपकरणों के डिजाइन, संचालन और रखरखाव का अध्ययन कराया जाता है। मरीन इंजीनियर यह सुनिश्चित करते हैं कि जहाज समुद्र में सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित हो। मरीन इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (पीसीएम) विषयों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

स्वस्थ शरीर और शांत मन की ओर एक कदम

योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य और शांति का प्रतीक बन चुका है। योगश्चित्तवृत्तिनिरोध अर्थात मन की वृत्तियों को नियंत्रित करना ही योग है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक दिव्य प्रक्रिया है। हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को योग के महत्व से अवगत कराना और इसे जीवन का हिस्सा बनाना है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से हुई। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का प्रस्ताव रखा, जिसे 21 जून 2014 को स्वीकार किया गया। 21 जून को इसलिए चुना गया क्योंकि यह वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

योग की उत्पत्ति और महत्व

योग की उत्पत्ति प्राचीन भारत में ऋषि-मुनियों द्वारा हुई थी। उन्होंने इसे केवल शारीरिक साधना के रूप में नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन विज्ञान के रूप में विकसित किया। आज के समय में जब मनुष्य तनाव, भागदौड़ और असंतुलित जीवनशैली से जूझ रहा है, तब योग एक प्राकृतिक उपचार के रूप में सामने आता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है।

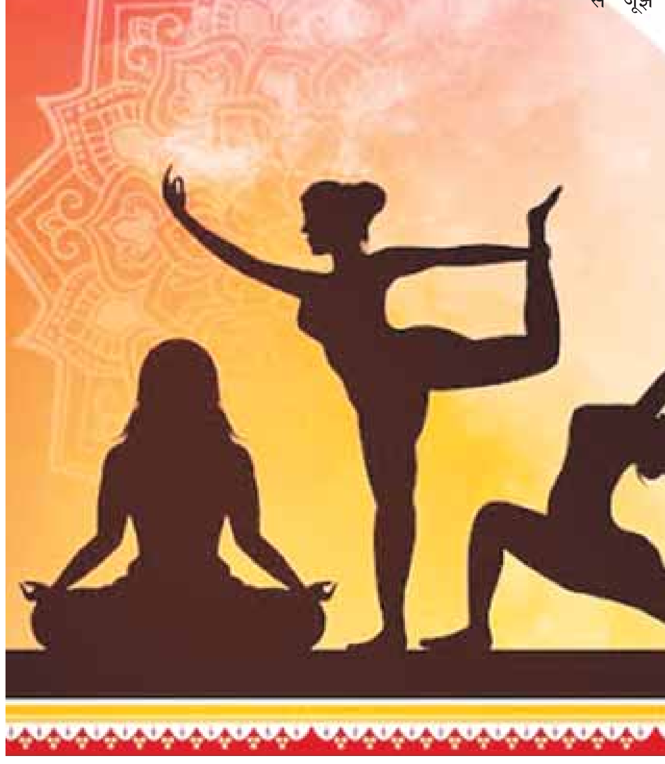

योग के प्रमुख लाभ

योग करने से शरीर मजबूत, लचीला और ऊर्जावान बनता है। यह रक्त संचार को सुधारता है और मांसपेशियों को सक्रिय रखता है। प्राणायाम और ध्यान मानसिक शांति प्रदान करते हैं, जिससे तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। नियमित योग अभ्यास शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रहता है। इसके साथ ही योग एकाग्रता और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है, जो विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

निष्कर्ष

करो योग, रहो निरोग का संदेश हमें यह सिखाता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम योग को केवल एक दिन का उत्सव न मानें, बल्कि इसे अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाएं। यदि हर व्यक्ति प्रतिदिन योग करे, तो एक स्वस्थ, शांत और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

पुष्पा मिश्रा
एलडीसी
विद्या परिषद,
हितकारिणी सभा

योग का दैनिक जीवन में महत्व

आज की आधुनिक जीवनशैली में योग का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि व्यक्ति के विचारों को सकारात्मक दिशा भी देता है। यदि योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जाए तो जीवन अधिक अनुशासित, शांत और संतुलित बन सकता है। योग किसी धर्म या सीमा में बंधा नहीं है, यह संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है।

पापा मेरे सपनों के असली हीरो

मैंने पूछा रात को चाँद से,
पापा थकते क्यों नहीं?
चाँद हँसा और बोला,
बेटा, वो तेरे लिए जीते हैं।

सुबह की पहली किरण से
पहले,
पापा घर से निकल जाते हैं।
जेब में बस सौ का नोट,
पर सपनों में मेरा स्कूल भर लाते हैं।

मेरी फटी किताब देखकर,
अपना कुर्ता सिलवा लेते हैं।
मैं कहता हूँ नई साइकिल,
वो बस स्टैंड तक पैदल चल देते हैं।

कभी बुखार में तपा होता हूँ जब,
सारी रात जागते हैं पापा।
माथे पर हाथ रखकर कहते हैं,
डर मत बेटा, मैं हूँ ना।

लोग कहते हैं पापा रोते नहीं,
मैंने छुपकर देखा है एक बार।
मेरी रिपोर्ट कार्ड सीने से लगाकर,
आँखें नम थीं उस दिन बेशुमार।

पापा, आप भगवान नहीं हो,
पर भगवान से कम भी नहीं हो।
आपकी उँगली छोड़ दूँ जिस दिन,
उस दिन सच में यतीम हो जाऊँगा मैं।

इस फादर्स डे पर बस इतना कहना है,
आपकी उम्र मेरी उम्र से जुड़ जाए।
आपका हर दुख मेरा हो जाए,
और मेरी हर खुशी आपको मिल जाए।

- अलीशा मोनिका
शिक्षक
एचसीए, डुमना, जबलपुर

जीवन में पिता का महत्व, त्याग, प्रेम और शक्ति का आधार

जीवन में यदि माँ ममता की मूर्ति है, तो पिता शक्ति, सुरक्षा और सहारे का दूसरा नाम हैं। पिता केवल परिवार के मुखिया ही नहीं होते, बल्कि वे अपने बच्चों के पहले शिक्षक, मार्गदर्शक और सच्चे प्रेरणास्रोत भी होते हैं। उनका व्यक्तित्व एक ऐसे विशाल वृक्ष के समान होता है, जिसकी छाया में पूरा परिवार सुरक्षित और निश्चिंत होकर जीवन व्यतीत करता है। पिता का प्रेम अक्सर शब्दों में व्यक्त नहीं होता, लेकिन वह उनके हर कार्य, हर संघर्ष और हर त्याग में स्पष्ट दिखाई देता है। वे स्वयं कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं, परंतु अपने बच्चों को हर कठिनाई से दूर रखने का प्रयास करते हैं। बच्चों की शिक्षा, पालन-पोषण, भविष्य और खुशियों के लिए वे दिन-रात मेहनत करते हैं। कई बार बच्चे उनके त्याग को तुरंत नहीं समझ पाते, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट हो जाता है कि पिता ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कितना बड़ा योगदान दिया है।

पिता का मार्गदर्शन और जीवन में भूमिका

पिता बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं, जो उन्हें जीवन की वास्तविकताओं से परिचित कराते हैं। वे सिखाते हैं कि सफलता केवल सपने देखने से नहीं, बल्कि मेहनत, अनुशासन और धैर्य से प्राप्त होती है। एक शिक्षक के रूप में मैं यह अनुभव करती हूँ कि जिन बच्चों को पिता का सही मार्गदर्शन मिलता है, वे अधिक आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनते हैं। पिता अपने आचरण से बच्चों को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और संघर्ष का महत्व समझाते हैं।

परिवार में पिता की भूमिका

पिता परिवार की नींव होते हैं। उनकी उपस्थिति घर में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनाती है। जब भी कोई समस्या आती है, पूरा परिवार सबसे पहले पिता की ओर देखता है क्योंकि सभी को विश्वास होता है कि वे हर समस्या का समाधान निकाल लेंगे। वे अपने कंधों पर परिवार की जिम्मेदारियों का भार उठाते हैं, फिर भी अपने चेहरे पर मुस्कान बनाए रखते हैं ताकि परिवार के सदस्य कभी निराश न हों।

आधुनिक युग में पिता की बदलती भूमिका

आज के आधुनिक युग में पिता की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। अब वे केवल आर्थिक जिम्मेदारियाँ ही नहीं निभाते, बल्कि बच्चों के मित्र, सलाहकार और प्रेरक भी बनते जा रहे हैं। वे बच्चों के सपनों को समझते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करते हैं। उनका उद्देश्य केवल पालन-पोषण नहीं, बल्कि बच्चों को एक सफल और सशक्त व्यक्ति बनाना होता है।

पिता का अनुशासन और सीख

कई बार पिता की डाँट और अनुशासन बच्चों को कठोर लग सकता है, लेकिन उसके पीछे उनका गहरा प्रेम और चिंता छिपी होती है। वे बच्चों को गलत रास्ते से बचाने और सही दिशा दिखाने के लिए सख्ती करते हैं। समय के साथ यही सीख जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है और सफलता की राह आसान कर देती है।

निष्कर्ष

पिता जीवन का वह आधार हैं, जिनके बिना परिवार की कल्पना अधूरी है। वे अपने सपनों को पीछे रखकर बच्चों के सपनों को साकार करने का प्रयास करते हैं। उनका त्याग, प्रेम और समर्पण अनमोल है। वास्तव में, पिता केवल एक रिश्ता नहीं, बल्कि वह शक्ति हैं जो हमें हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का साहस देती है। उनके आशीर्वाद और मार्गदर्शन से ही जीवन की राह सरल और सफल बनती है।

अनीता पुरोहित
शिक्षक
एचसीए, डुमना, जबलपुर

सपनों को मिले नई उड़ान: मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) स्कॉलरशिप योजना

हर प्रतिभाशाली विद्यार्थी का सपना होता है कि वह अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन में सफलता हासिल करे, लेकिन कई बार आर्थिक परिस्थितियां इस राह में बाधा बन जाती हैं। ऐसे विद्यार्थियों की मदद के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना शुरू की है। यह योजना विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है। योजना उन विद्यार्थियों के लिए वरदान है, जिनके माता-पिता श्रमिक हैं और जो आर्थिक तंगी के बावजूद आगे पढ़ना चाहते हैं।

योजना का उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य श्रमिक परिवारों के बच्चों को आर्थिक सहयोग देकर उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी योग्य विद्यार्थी केवल आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई न छोड़े।

पात्रता

- आवेदक मध्यप्रदेश का स्थायी निवासी हो।
- विद्यार्थी के माता-पिता मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अथवा अन्य पात्र - श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हों।
- विद्यार्थी ने मान्यता प्राप्त संस्थान में प्रवेश लिया हो।

योजना के लाभ

इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, फार्मेसी, पॉलीटेक्निक, आईटीआई, स्नातक और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की ट्यूशन फीस का भुगतान सरकार द्वारा किया जाता है। कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क और अन्य शैक्षणिक शुल्क का भी लाभ मिलता है। इससे गरीब एवं श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

आवश्यक दस्तावेज

- आधार कार्ड
- समग्र आईडी
- निवास प्रमाण पत्र
- 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची
- कॉलेज में प्रवेश का प्रमाण
- श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र
- बैंक खाते की जानकारी
- पासपोर्ट आकार का फोटो

यह है आवेदन प्रक्रिया

- ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करें।
- आवश्यक जानकारी भरकर दस्तावेज अपलोड करें।
- संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन किया जाता है।
- पात्र पाए जाने पर योजना का लाभ सीधे विद्यार्थी को प्रदान किया जाता है।

साढ़े 8 घंटे 250 गांवों में रहा शटडाउन

इनवर्टर ने भी तोड़ा दम, गर्मी से बेहाल हुए बच्चे और बुजुर्ग

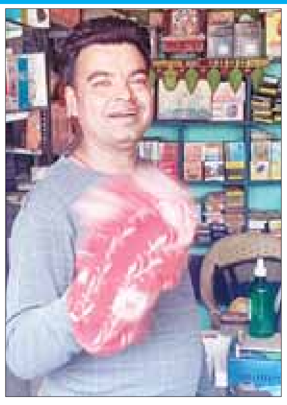

बिजली गुल होने से काम बंद

वर्कशाप में खाली बैठे कर्मचारी

कटंगी ।संवाददाता.

म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा 132/33 केवी उपकेंद्र खमरिया में जरूरी सुधार कार्य के चलते शनिवार 20 जून को कटंगी सहित अन्य क्षेत्र के करीब 250 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप रही। सुबह 10 बजे से शुरू हुआ शटडाउन शाम साढ़े 06 बजे तक यानी करीब साढ़े 08 घंटे जारी रहा। विभाग ने पूर्व में ही इस संबंध में जानकारी दे दी थी। शटडाउन से घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर सरकारी दफ्तर, दुकानें और कृषि पंप सब प्रभावित हुए है। गर्मी और उमस के बीच बिजली गुल होने से लोगों का हाल बेहाल हो गया था। उपकेंद्र खमरिया में मेन बस-बार और जम्फर का सुधार कार्य किये जाने की वजह से खमरिया से निकलने वाले कटंगी, तिरोड़ी, वारासिवनी, अरी, कटेघरा और बोनकट्टा सभी 33 केवी फीडर बंद कर दिए गए थे। शटडाउन का असर कटंगी नगर के साथ-साथ तिरोड़ी, वारासिवनी, सुकड़ीघाट, लखनवाड़ा, कोचेवाही, महकेपार समेत इन फीडरों से जुड़े 250 से अधिक गांवों पर पड़ा। सुबह 10 बजे अचानक बिजली गुल होते ही पूरे इलाके में हाहाकार मच गया है। वही विभाग ने शाम 05 बजे तक कटौती होगी ऐसा कहा जिस कारण जैसे ही घड़ी में शाम के 05 बजे सभी लोग अपने-अपने घरों में लाईट, कूलर, पंखों की तरफ देखने लगे किंतु बिजली विभाग के निर्धारित बताए समय से डेढ़ घंटा देरी से शुरू हुई और फिर लोगों ने राहत की सांस ली। बिजली कटौती से शनिवार को कटंगी मुख्यालय के सभी सरकारी कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा। तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत, नगर परिषद, बिजली दफ्तर, बीआरसी, कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग समेत सभी दफ्तरों में बिजली नहीं होने से कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। कंप्यूटर, प्रिंटर, फोटो कॉपी मशीनें बंद पड़ी रहीं। ऑनलाइन सेंटर के बाहर ताले लटके मिले। प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी जैसे कामों के लिए पहुंचे लोगों को बैरंग लौटना पड़ा। बिजली गुल होने का सीधा असर बाजार पर भी दिखा। फोटो कॉपी, सीएससी सेंटर, ऑनलाइन फॉर्म भरने वाली दुकानें सुबह से ही बंद रहीं। वेल्डिंग वर्क शॉप, आरा मशीन, आटा चक्की का संचालन भी पूरी तरह ठप रहा। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल रिपेयरिंग और कम्प्यूटर दुकानों पर ग्राहक आए तो जरूर, लेकिन बिजली नहीं होने से दुकानदारों ने हाथ खड़े कर दिए। कोल्ड ड्रिंक और आइसक्रीम पार्लरों में रखा सामान पर भी असर देखा गया है। दुकानदारों ने बताया कि सुबह 10 बजे से लाइट नहीं है। फ्रिज और डीप फ्रीजर बंद हैं। जिन घरों और दुकानों में इनवर्टर लगे थे, वहां भी दोपहर 12 बजते-बजते बैटरी जवाब दे गई। लगातार 2 घंटे से ज्यादा लोड न चलने के कारण इनवर्टर बंद हो गए। इसके बाद पंखे, कूलर, एलईडी सब बंद हो गए। जून के महीने में तापमान 42 डिग्री के आसपास चल रहा है। ऊपर से उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। बिजली नहीं होने से पंखे, कूलर, एसी सब शोपीस बनकर रह गए। घरों में महिलाएं हाथ के पंखे से हवा करती दिखीं। बुजुर्ग और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। कई घरों में बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। छोटे बच्चे गर्मी से व्याकुल होकर रोते रहे। लोगों ने छतों और पेड़ों की छांव में बैठकर समय काटा।

शटडाउन का असर कृषि कार्य पर भी पड़ा। खरीफ सीजन की तैयारी चल रही है। कई किसान खेतों में पानी देने के लिए मोटर चला रहे थे, लेकिन बिजली गुल होने से पंप बंद हो गए। धान की नर्सरी लगाने वाले किसान चिंतित दिखे। आटा चक्की बंद होने से लोगों को आटा पिसवाने में दिक्कत हुई। ग्रामीण क्षेत्रों से आटा पिसवाने आए लोग मायूस होकर लौट गए। आरा मशीन बंद होने से फर्नीचर और निर्माण काम भी प्रभावित हुए।

गश्त के दौरान मिला भालू का शव

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शनिवार 20 जून को जिले के विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में भालू का शव मिला है। पनपथा बफर परिक्षेत्र के बीट जगुआ में नियमित गश्ती के दौरान पार्क अमले को मादा भाल के शव मिला जिसकी सूचनी वरिष्ठ अधिकारियों को दी जाकर तत्काल घटना स्थल को चारों तरफ से सुरक्षित कर आसपास के क्षेत्र में सघन सर्च किया गया, शनिवार को क्षेत्र संचालक बांधवगढ की उपस्थिति में डॉ अभय सेंगर, वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, संजय टाइगर रिजर्व, सीधी द्वारा भाल के शव का शव विच्छेदन एवं परीक्षण किया गया तथा प्रयोगशाला परीक्षण हेतु आवश्यक सैंपल सुरक्षित एकत्र किए गए, मृत मादा भाल की आयु लगभग 8 से 9 वर्ष बताई गई है, पीएम के बाद शवदाह किया गया। कार्यवाही के दौरान क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाइगर रिजर्व, सहायक संचालक पनपथा, परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा कोर, तहसीलदार बरही, सरपंच ग्राम पंचायत हरवाही एवं अन्य वन अमला मौके पर उपस्थित रहा। मृत्यु का कारण प्रथम दृष्टया प्राकृतिक मौत होना पाया गया, घटना की अग्रिम विवेचना जारी है।

लाखों खर्च फिर भी प्यासे बने हुए हैं कंठ

2 साल से बंद पड़ी जल जीवन मिशन की टंकी

हर घर नल तो लगा, पर टोटी से नहीं टपका पानी

कटंगी। संवाददाता.

सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना कटंगी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत आगरवाड़ा में फेल होती नजर आ रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने यहां लाखों रुपये खर्च कर हर घर नल जल कनेक्शन लगाए और पानी की टंकी का निर्माण किया। यह काम 2 साल पहले ही पूरा हो चुका है। इसके बावजूद गांव के लोग आज भी पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीणों को एक किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ रहा है। योजना सिर्फ कागजों में संचालित हो रही है और जमीन पर ग्रामीण बूंद-बूंद को मोहताज हैं। ग्रामीणों के मुताबिक आगरवाड़ा में जल जीवन मिशन के तहत 2024 में ही काम पूरा कर लिया गया था। गांव में ऊंची पानी की टंकी बनाई गई। पाइप लाइन बिछाकर हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाए गए। ग्रामीणों को लगा कि अब पानी की समस्या खत्म हो जाएगी। लेकिन 2 साल बीत जाने के बाद भी न तो टंकी में पानी भरा गया और न ही किसी घर के नल से पानी निकला। जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना का आगरवाड़ा में फेल होना सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी अगर ग्रामीणों को पानी न मिले तो यह गंभीर लापरवाही है। जरूरत है कि जिला प्रशासन इस मामले में तुरंत संज्ञान ले और दोषियों पर कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराए। वरना हर घर जल का सपना सिर्फ नारे तक ही सीमित रह जाएगा। गांव की पूर्व महिला जनपद सदस्य रत्नमाला रामटेके ने बताया कि शासन ने बहुत अच्छी योजना बनाई। हम सबको लगा कि अब महिलाओं को हैंडपंप और कुएं के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। लेकिन हुआ उल्टा। टंकी बनकर तैयार है, नल लगे हैं, पर पानी नहीं है। ग्रामीण डोलचंद रामटेके कहते हैं, 2 साल से टंकी बनी खड़ी है। हमने सोचा था चलो अब घर में ही पानी मिलेगा। लेकिन साहब, नल से तो हवा भी नहीं निकलती। सुबह 4 बजे उठकर महिलाएं और बच्चे डिब्बे लेकर निकल जाते हैं। एक-एक बाल्टी पानी के लिए घंटों लाइन लगती है। गांव के युवा कमल किशोर राउत का आरोप है कि जल जीवन मिशन आगरवाड़ा में सिर्फ कागजों पर चल रही है। उन्होंने कहा, ठेकेदार ने टंकी बना दी, पाइप डाल दिए, नल लगा दिए। शायद विभाग ने बिना चालू किए ही इसे पूर्ण बता दिया। अब हम लोग पानी के लिए भटक रहे हैं। पानी की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान गांव की महिलाएं हैं। उन्हें घर का काम छोड़कर रोज 2 से 3 घंटे पानी लाने में लगाने पड़ते हैं।

गर्मी में तो हालत और खराब हो जाती है। गांव की एक महिला सुनीता बाई ने बताया, पहले सोचते थे कि नल लगेगा तो सुबह की भागदौड़ कम होगी। बच्चों को समय पर स्कूल भेज पाएंगे। पर अब तो और दिक्कत हो गई। पहले गांव के हैंडपंप से ही काम चल जाता था। अब वो भी सूख गया है। दूर से पानी लाने में पूरा दिन निकल जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाया, लेकिन अफसरों का रवैया बेहद असंतोषजनक रहा। दरअसल, जल जीवन मिशन का उद्देश्य 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल से जल पहुंचाना था। योजना के तहत प्रत्येक घर को प्रतिदिन पानी देने का प्रावधान है। इसके लिए गांव में पानी की टंकी, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन और स्रोत का विकास किया जाता है। काम पूरा होने के बाद ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को इसका संचालन सौंपा जाता है। लेकिन आगरवाड़ा में न तो समिति को हैंडओवर हुआ और न ही ट्रायल किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने आधा-अधूरा काम करके भुगतान ले लिया और विभाग ने मिलीभगत से उसे पास कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि योजना में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। टंकी की क्षमता के मान से मोटर नहीं लगाई गई। पाइप लाइन भी जगह-जगह से लीकेज है। बोरवेल का जलस्तर भी नहीं देखा गया। बिना टेस्टिंग के ही काम को ओके कर दिया गया। ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से मांग की है कि आगरवाड़ा की जल जीवन मिशन योजना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। दोषी ठेकेदार और अधिकारियों पर कार्रवाई हो। साथ ही 15 दिन के भीतर पानी की सप्लाई शुरू कराई जाए।

भीषण सड़क हादसा, बाइक और कार की भीषण टक्कर में तीन युवकों की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत) – शनिवार 20 जून को जिले के मानपुर थाना अंतर्गत मानपुर से जयसिंहनगर सड़क मार्ग में खुटार में फार्म हाउस के पास दिन में एक भीषण और रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा हुआ है। जहां बाइक और कार की जोरदार भिड़ंत हुई है जिससे इस दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है।

वही एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर से निजी वाहन में मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है।बताया जाता है की मानपुर के गोवर्दे के खैरभान टोला निवासी तीन युवक अपने रिश्तेदारी में गए थे जहां आज सुबह वापस अपने घर लौट रहे थे, घर पहुंचने से करीब डेढ़ दो किलोमीटर पहले ही सड़क हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीनों युवक बुरी तरह चोटिल जो गए। इस घटना मे रामकेश केवट पिता रामभजन केवट निवासी गोवर्दे की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं प्रदीप केवट पिता मुन्ना केवट उम्र करीब 30 वर्ष ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। घटना में घायल हिमांशु केवट पिता. उम्मेश केवट उम्र लगभग 26 वर्ष को हायरट्रीट के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर से 108 एम्बुलेंस न मिलने से निजी वाहन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है।मानपुर थाना प्रभारी मुकेश मर्सकोले ने बताया कि कार क्रमांक एमपी 21 सीबी 2966 के चालक धीरेन्द्र महोबिया पिता लक्ष्मण महोबिया निवासी ग्राम खुटार लापरवाही पूर्वक चलाते हुए बाइक क्रमांक एमपी 54 एमडी 3177 में सवार तीन युवकों को जोरदार ठोकर मार दिया जिसमें एक युवक रामकेश केवट की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वहीं दूसरे युवक प्रदीप केवट की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर पहुंचते के पूर्व ही मौत हो गई एवं तीसरे युवक हिमांशु केवट को शहडोल मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया था उसकी भी मौत ग्राम चोरी के आसपास हो गई है, जिसका पोस्टमार्टम शहडोल में करवाया जा रहा है। कार चालक धीरेन्द्र महोबिया को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है, वहीं दोनों युवकों के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया है एव तीसरे युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, एवं आगे की कार्रवाई जारी है।

बकेली में हुए घटिया निर्माण कार्यों की कब होगी जांच..?

मानपुर (स्वतंत्रमत) – जिले के जनपद पंचायत मानपुर क्षेत्र में निर्माण कार्य बड़ी ही तेजी से हो रहा है, जिससे क्षेत्र में खुशी के सांथ साथ निराशा की झलक भी देखने को मिल रही है, क्योंकि डबल इंजन की सरकार क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज कर रखी है जिससे खुशी मिलती है, और यदि उसी विकास कार्यों में मिलीभगत के ताकत से यदि भृष्टाचार रूपी ग्रहण लगे दिखने लगे तो निराश होना तो कोई नई बात नहीं है..! इसी तरह मानपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बकेली की दशा है, जहां के नागरिकों की सुने तो यहां कुछ माह पहले दो पुलिया बनवाये गये हैं जो उपयोगिता और गुणवत्ता में कई प्रकार के प्रश्न चिन्ह खड़े कर रखे हैं। इसी तरह एक सीसी कंक्रीट की सडक पिछले कई महीनों से निर्माणाधीन है जिसके गुणवत्ता के मालिक मिली भगत के सिवाय कुछ नहीं दिख रहा.! वहीं ग्रामीणों का मानना है कि पंचायत एजेंशी द्वार ग्राम पंचायत के अंदर किसी निर्माण कार्यों के उपयोगिता और स्थान को चयनित करने का प्रावधान ग्राम सभा को है, जबकि यहां निर्माण कार्य चालू अथवा पूरा हे जाने के बाद ही ग्रावासियों को पता चलता है कि कहां क्या निर्माण कार्य हुये हैं.! वहीं गुणवत्ता विहीन के उजागर होने के भय से निर्माण कार्य स्थलों में कभी कोई बोर्ड तक नहीं लगवाया जाता है, और किस निर्माण कार्य के स्टीमेट क्या हैं, और कितने बजट से निर्माण कार्य हे रहा है ? पंचायत अथवा कार्य स्थल पर किसी उपयंत्री, एसडीओ अथवा सीईओ का आगमन कब हुआ, मुल्यांकन पंचायत में अथवा अधिकारियों के बंगले मे ही हो गया। इसकी जानकारी ग्रामीणों के सांथ कई पंचों तक को नहीं हो पाया है, इसीलिये यहां पंचायती निर्माण कार्यों की उम्र दो या तीन वर्ष से ज्यादा नहीं होती हैं..! वहीं क्षेत्रवासियों की माने तो समय रहते यदि यहां के निर्माण कर्यों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्यवाही न हो पाई तो यहां गुणवत्ता पूर्वक निर्माण कार्यों का होना इस पंचवर्सी में असम्भव होगा..!

योग दिवस पर कार्यक्रम आज

उमरिया (स्वतंत्रमत)। राज्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए जिलेवार होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथि की सूची जारी की है साथ ही प्रमुख पर्यटन स्थलो पर वृहद आयोजन करने के निर्देश जारी किए गए है। निर्देश के परिपालन में अंतर्राष्ट्रीय 12वें योग दिवस के अवसर पर विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह के मुख्य आतिथ्य में जैव विविधता केंद्र ताला में योग कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया गया है। आयुष विभाग एवं अन्यय विभागों के संयोजन से आयोजित किया जा रहा है। जैव विविधता केंद्र ताला में आयोजित कार्यक्रम में प्रातः 6 बजे से पूर्व सभी प्रतिभागियो की उपस्थिति, अतिथियों का आगमन, प्रातः 6 बजे से 6.30 बजे तक अतिथियों का उदबोधन होगा।

विश्व सिकल सेल दिवस पर 530 लोगों की स्क्रीनिंग एवं जांच

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय उमरिया में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल की अध्यक्षता तथा सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी के निर्देशन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता, स्क्रीनिंग, जांच, उपचार, सिकल सेल कार्ड वितरण एवं हाइड्रॉक्सी यूरिया दवा वितरण की गतिविधियां संचालित की गई ।इस अवसर पर राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में एनीमिया एवं सिकल सेल की स्क्रीनिंग, जांच, उपचार प्रबंधन, काउंसलिंग तथा रोकथाम संबंधी कार्ययोजना की जानकारी दी गई। जिले में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर लगभग 530 लोगों की स्क्रीनिंग एवं जांच की गई ।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल ने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में सिकल सेल की जांच एवं उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने नागरिकों से समय-समय पर जांच कराकर इस बीमारी की रोकथाम एवं उपचार का लाभ लेने की अपील की ।कार्यक्रम में आरएमओ डॉ. संदीप सिंह, सिकल सेल नोडल अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, विशेषज्ञ चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ तथा वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

आज बनेगा विश्व रिकार्ड, पूरी दुनिया के साथ उमरिया (बांधवगढ़) भी तैयार

उमरिया (स्वतंत्रमत) – 21 जून अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के दिर्नेशन मे जिला प्रशासन,आयुष विभाग,शिक्षा विभाग व अन्य विभाग सामाजिक संस्थाऐं शारदा योग प्राकृतिक शोध संस्थान शायोप्रस ईनोवेशन व अन्य समाजिक संस्थाऐं जो कि 14 जून से योग मित्र बनाकर योगाभ्यास कर रही थी और दूसरों को प्रेरित कर रहीं थी वे सभी निश्चित समय सुबह 6 बजे से आठ बजे तक योग के विभीन्न आयामों का अभ्यास करेंगी ।आयुष अधिकारी विनोद सिंह ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम जैव विविधता केन्द्र ताला बांधवगढ़ जिला उमरिया में मुख्य अतिथि सुश्री मीना सिंह माननीय विधायिका मानपुर क्षेत्र एवं पूर्व केबिनेट मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति व श्री इंदर सिंह परमार जी आयुष मंत्री मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन में सम्पन्न होगा। आयुष अधिकारी विनोद सिंह ने बताया कि आयुषमान आरोग्य मन्दिर बल्हौड़,रोहनिया,कोड़िया ,रायपुर ,चेचरिया,चिल्हारी,रहठा,अखड़ार व नौरोजाबाद पाली,चंदिया,मानपुर की ग्राम पंचायतो ग्रामीणों नागरिकों ने 14 जून से योगाभ्यास किया तथा टोल फ्री नम्बर पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। शायोप्रस के विजय कुमार जोशी ने बताया कि शायोप्रस व एएएफ मुम्बई,डब्लूएचओ के स्वयंसेवक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व आयुष मंत्रालय,कोल मंत्रालय भारत सरकार ,माननीय मुख्यमंत्री डा0मोहन यादव ,एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन,जोहिला क्षेत्र के महाप्रबंन्धक श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के आव्हान पर कालरी कर्मचारियों,युवाओं,खिलाड़ियों,आम नागरिकों को उच्चतम शारिरीक व मानसिक स्वास्थ्य के लिये योग की महत्वता बताते हुऐ उन्हे प्रेरित कर रहे है तथा प्रिंट,ईलेक्ट्रानिक मीडिया शोसल मिडिया के माध्यम से भी अवगत करा रहे है ।सभी नागरिक ताला बांधावगढ में आये विदेशी देशी पर्यटक आज फिर से देश के विश्व रिकार्ड बनने पर साक्षी होंगे ।एसईसीएल के हरीश दुहन जी को योग से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर गिनेश बूक आफ वर्ल्ड रिकार्ड का प्रमाण अभी मिला है ।शायोप्रस के विजय कुमार जोशी ने कहा कि मोदी जी के आव्हान पर यूरोप,खाड़ी देश एशिया महाद्वीप में सत्तर प्रतिशत लोग योग कर रहे है जबकि हमारे यहां मात्र पच्चीस प्रतिशत लोग योग कर रहे है ।जबकि आयुष,योग और अध्यात्म से आरोग्य की दिशामें राज योग हठ योग,मुद्रा योग ,क्रिया योग,प्राणायाम ध्यान,शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाकर इम्यूनिटि सिस्टम,मेटाबोलिज्म सिस्टम को मजबूत करते है जीवन को अनुशासित करूणावान,दयावान बनाते है। एलौपेथिक, हौम्योपैथिक, आयुर्वेद रोग होने पर काम करते है लेकिन जीवनचर्या में योग को शामिल करने से रोग होता ही नहीं है। मुख्य कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति में कलकत्ता मे होगा जिसका सीधा प्रसारण देखकर भी आप धर धर योगा की थीम पर योग कर सकते है ,इस वर्ष की थीम योगा फार हेल्दी एजिंग स्वस्थ्य उम्र बढने के लिये योग रखी गयी है।

इनका कहना है

इस वर्ष भोपाल के आदेशानुसार पर्यटन स्थल पर मुख्य कार्यक्रम विश्व योगा दिवस के आयोजन के लिये कहा गया था इसलिये ही ताला में सभी विभागों के अधिकारियों स्टाफ के सहयोग से होगा ।आम नागरिक अपने घर पर या सामूहिक रूप से योग कर सकते है।

कलेक्टर
श्रीमती राखी सहाय

नर्मदा नदी में नालों के गंदे पानी पर रोक लगाने की मांग
कांग्रेस ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, दिया सात दिन का समय

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के धर्म एवं मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मां नर्मदा के संरक्षण संवर्धन एवं स्वच्छता को लेकर विभिन्न मांगें उठाए ज्ञापन के माध्यम से मंडला नगर के लगभग 16 बड़े नालों से सीधे मां नर्मदा में प्रवाहित हो रहे प्रदूषित जल को तत्काल बंद करने तथा लंबित सीवरेज एवं एसटीपी परियोजनाओं की स्थिति सार्वजनिक करने मांग की गई मध्यप्रदेश कांग्रेस धर्म एवं मंदिर पुजारी प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष विदुषी ऋचा गोस्वामी तथा जिला कांग्रेस कमेटी मंडला अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि मां नर्मदा करोड़ों लोगों की आस्था, संस्कृति और जीवन का आधार है लेकिन नगर के कई बड़े नालों का गंदा एवं प्रदूषित पानी सीधे नदी में मिल रहा है जिससे न केवल जल प्रदूषित हो रहा है बल्कि श्रृद्धालुओं स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों की धार्मिक भावनाएं भी प्रभावित हो रही हैं ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि विगत वर्षों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी की स्थापना पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे लेकिन वर्तमान में नगर का अपशिष्ट जल बिना समुचित शोधन के ही मां नर्मदा में प्रवाहित हो रहा है। महिष्मती घाट सहित कई प्रमुख घाटों पर दुर्गंध की स्थिति निर्मित हो रही है जो गंभीर चिंता का विषय है। संगठन ने कहा कि नर्मदा की निर्मलता और अविरलता बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है ज्ञापन में मांग की गई कि मां नर्मदा के सभी घाटों पर स्थायी सूचना पटल लगाए जाएं जिनमें स्पष्ट उल्लेख हो कि नदी में साबुन, सोडा अथवा अन्य रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने पर दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा किसी भी घर आश्रम धर्मशाला, होटल, दुकान अथवा अन्य प्रतिष्ठानों का गंदा पानी सीधे मां नर्मदा में न मिलने दिया जाए और प्रभावी सीवरेज व्यवस्था के माध्यम से सभी अपशिष्ट जल का उपचार सुनिश्चित किया जाए संगठन ने महिष्मती घाट सहित सभी प्रमुख नर्मदा घाटों पर नियमित एवं प्रभावी सफाई व्यवस्था लागू करने तथा इसके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने की भी मांग की। साथ ही नागरिकों श्रृद्धालुओ व्यापारिक प्रतिष्ठानों आश्रमों एवं सामाजिक संगठनों को नदी संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरण अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया ज्ञापन में यह भी कहा गया कि नगर में एसटीपी एवं सीवरेज से जुड़े कार्य वर्षों से लंबित हैं जिसके कारण आज भी प्रदूषित जल सीधे मां नर्मदा में पहुंच रहा है। प्रशासन से इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति तथा कार्य पूर्ण होने की समय-सीमा सार्वजनिक करने की मांग करते हुए पूछा गया कि मां नर्मदा में गंदे पानी का प्रवाह पूरी तरह कब तक बंद किया जाएगा कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से सात दिनों के भीतर ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित अवधि में उचित कदम नहीं उठाए गए तो मां नर्मदा प्रदूषण मुक्ति जनजागृति आंदोलन के बैनर तले लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण जनआंदोलन प्रारंभ किया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। बता दें कि एनजीटी में प्रदूषण निवारण मंडल ने नर्मदा में मिल रहे सीवेज को लेकर एक रिपोर्ट पेश की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया कि राज्य में नर्मदा में रोज 162 लीटर से अधिक सीवेज मिल रहा है। नगर के 15 से 20 छोटे-बड़े नालों का गंदा पानी नर्मदा में पहुंच रहा है। रेवा भक्तों से लेकर सरकार तक धूमधाम से नर्मदा जयंती भी मनाते हैं लेकिन क्या प्रदूषण में कमी लाने के ठोस प्रयास हो रहे हैं। सरकारी स्तर पर तमाम योजनाएं तो बनी हैं परंतु अमल बहुत कम हो रहा है। इतना कम कि त्यौहारों पर लाखों श्रृद्धालुओं को गंदे पानी में ही श्रृद्धा की डुबकी लगानी पड़ती है। भक्ति का प्रदर्शन तो राजनीतिक भी होता है लेकिन नर्मदा मैया के स्वास्थ्य की चिंता करने वाले हैं। गंदगी के आंकड़े तो गंभीर चिंता का विषय हैं ही स्थानीय प्रशासन और सरकार की लापरवाही उससे अधिक गंभीर है। नर्मदा जयंती हर वर्ष मनाई जा रही है और पूजा-अर्चना से लेकर तमाम आयोजन किए जाते हैं लेकिन यह भी जरूरी है इससे अधिक आवश्यक यह है कि हम आज मां नर्मदा को स्वच्छ करने का संकल्प लें। केवल बयानी संकल्प नहीं उस पर अमल का मन भी बनाएं। नर्मदा जयंती का सही अर्थ तभी रहेगा जब हम नर्मदा मैया को प्रदूषण मुक्त करने में अपनी सहभागिता की शपथ लें लेकिन ऐसा होता दिखाई नही दे रहा है। नर्मदा घाटों में आज भी नर्मदा जयंती की गंदगी दिखाई देती है। आखिर दोष किसका है और इन दोषियों पर किसका संरक्षण है।

जरूरतमंदों को एक सप्ताह में बांटी एक हजार भोजन थाली

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अन्नदान को शास्त्रों में महादान कहा गया है। भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है क्योंकि अन्न ही जीवन का आधार है। इसी भावना को साकार कर रहे हैं मंडला के समाजसेवी युवा जिन्होंने कोई भूखा न सोए का संकल्प लिया है। युवाओं की अनूठी पहल अन्नदान संगठन ने एक सप्ताह में बांटी 1000 से अधिक भोजन थाली मंत्री संपतिया उईके और साध्वी ऋचा गोस्वामी ने की सराहना जिले के सोशल मीडिया क्रिएटर्स और समाजसेवी युवाओं ने एक मिसाल पेश करते हुए अन्नदान संगठन की स्थापना की है। संगठन का एकमात्र उद्देश्य है कोई भी जरूरतमंद रात को भूखा न सोए। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिदिन जरूरतमंद असहाय और राहगीरों को निःशुल्क भोजन की थाली वितरित की जाती है। इस पुनीत कार्य में नगर के कई समाजसेवी भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। सहयोग देने वाले दानदाताओं के नाम से ही भोजन थाली का वितरण किया जाता है जिससे पूरी पारदर्शिता बनी रहे। संगठन द्वारा बताया गया कि मात्र एक सप्ताह के अंदर लगभग एक हजार से अधिक भोजन थाली जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि युवाओं द्वारा शुरू की गई यह पहल अत्यंत सराहनीय है और सभी को इनका सहयोग करना चाहिए ताकि यह मुहिम और आगे बढ़े। वहीं मंडला प्रवास पर आईं सुप्रसिद्ध कथावाचिका साध्वी ऋचा गोस्वामी दीदी जी भी महिष्मती घाट पर पंचकोशी महा आरती में सम्मिलित हुईं। उनकी नजर अन्नदान संगठन के युवाओं पर पड़ी जो असहाय और जरूरतमंदों को भोजन करा रहे थे। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा कर जमकर सराहना की और आशीर्वाद दिया। साध्वी जी ने युवाओं से आग्रह किया कि अन्नदान के साथ-साथ मां नर्मदा तट पर हो रहे प्रदूषण को लेकर भी लोगों को जागरूक करें और घाटों को स्वच्छ रखने में सहयोग दें। संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वे दानदाताओं से कोई आर्थिक सहयोग नहीं लेते। यदि कोई व्यक्ति भोजन थाली के लिए संपर्क करता है तो उनसे कहा जाता है कि वे स्वयं आकर थाली जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। संगठन की टीम उनके साथ रहेगी। या फिर दानदाता घर से तैयार भोजन किसी अन्य साधन से भेज सकते हैं। बताया गया कि एक सप्ताह पूर्व कुछ सोशल मीडिया क्रिएटर महिष्मती घाट पर बैठे थे तभी एक असहाय व्यक्ति उनके पास पहुंचा। वह संभवतः दो दिनों से भूखा था। युवाओं ने उसे भोजन कराया और उसी समय संकल्प लिया कि अब यह पुनीत कार्य संगठन के माध्यम से प्रतिदिन करेंगे। शुरुआत में अन्नदान संगठन में कुछ ही युवा शामिल थे, लेकिन अब इस पहल से लगभग आधा सैकड़ा युवा और मातृशक्ति भी जुड़ चुकी हैं।

जनजागरूकता अभियान निर्देश

मण्डला। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार जिले में 17 जून से 26 जून तक नशा मुक्त भारत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों शैक्षणिक संस्थानों, नगरीय निकायों एवं सामाजिक संगठनों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

खेल मैदान निर्माण में आ रही घपले की बू

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विकासखंड नारायणगंज स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने खेल मैदान का समतलीकरण कार्य पंचायत ने तो करा दिया गया लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा मैदान में केवल पीली मिट्टी डालकर कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यह मैदान कीचड़ से भरी होगी जिससे बच्चों को खेलकूद और विद्यालय आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है जानकारी के अनुसार विद्यालय के सामने स्थित खेल मैदान का समतलीकरण इस उद्देश्य से कराया गया था कि छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित खेल सुविधा उपलब्ध हो सके साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी इसी

मैदान से होकर विद्यालय पहुंचते हैं स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि मैदान में केवल पीली मिट्टी डालकर समतलीकरण कर दिया गया है जबकि कार्य के दौरान निर्माण एजेंसी ने आश्वासन दिया था कि मिट्टी डालने के बाद मैदान में मुरूम एवं डस्ट बिछाकर रोलर से दबाया जाएगा जिससे मैदान मजबूत और उपयोगी बन सके क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि समतलीकरण कार्य को कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक मैदान में न तो मुरूम डाली गई है और न ही डस्ट बिछाकर रोलर चलाया गया है। ऐसे में बारिश शुरू होते ही मैदान में कीचड़ होने की पूरी संभावना है जिससे बच्चों के फिसलकर घायल होने का खतरा बढ़ जाएगा स्थानीय नागरिकों एवं अभिभावकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल मैदान में मुरूम एवं डस्ट डलवाकर रोलर से समतलीकरण का कार्य पूर्ण कराया जाए ।

प्राकृतिक खेती अंतर्गत किसान संगोष्ठी का आयोजन

बंजर जमीन को सुरक्षित रखने किसानों को किया जागरूक

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

जनपद पंचायत नैनपुर में कृषक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और भूमि को बंजर होने से बचाने से जुड़ा था। इस संबध में किसानों को जागरूक करने के लिए कृषक संगोष्ठी बुलाई गई । प्राकृतिक खेती अपनाना और अपनी माटी की उर्वरा शक्ति एवं पुरानी प्रकृतिक खेती सभ्यता को वापस लौटने कृषकों को जगरूक किया गया। इस कृषि संगोष्टी कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नैनपुर श्रीमती कृष्णा पंजवानी , भाजपा जिला महामंत्री नरेश चन्द्रोल, भाजपा नैनपुर ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष प्रजय जैन,भाजपा किसान मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष उमेश शुक्ला, भाजपा किसान मोर्चा जिला महामंत्री वीरेंद्र धर द्विवेदी , देवेंद्र मिश्रा,भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सुनील जंघेला एवं संजय सिसोदिया, जिला सह संयोजक भाजपा सोशल मीडिया विभाग दीपक नामदेव,भाजपा किसान मोर्चा नैनपुर ग्रामीण अध्यक्ष विनोद साहू, भाजपा किसान मोर्चा नैनपुर नगर असद अहमद कुरैशी, जनभागीदारी अध्यक्ष महाविद्यालय नैनपुर दामोदर झारिया,भाजपा युवा मोर्चा से अमित श्रीवास मंचासीन रहे । कृषि विभाग के पदाधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से आये कृषको की भी उपस्थिति रही।

बूथों पर पिलाई जाएगी खुराक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में 28 से 30 जून तक पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। पहले दिन रविवार 28 जून को बूथों पर 0-5 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। छूटे हुए बच्चों को 29-30 जून को घर-घर जाकर दवा दी जाएगी। कलेक्टर ने जिला योजना भवन में हुई जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए यह जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग को पंचायत महिला-बाल विकास शिक्षा जनजातीय कार्य, नगरीय प्रशासन आयुष और खेल विभाग के साथ बेहतर समन्वय बनाना होगा।

छत से झरता कंक्रीट, नीचे बैठा बचपन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

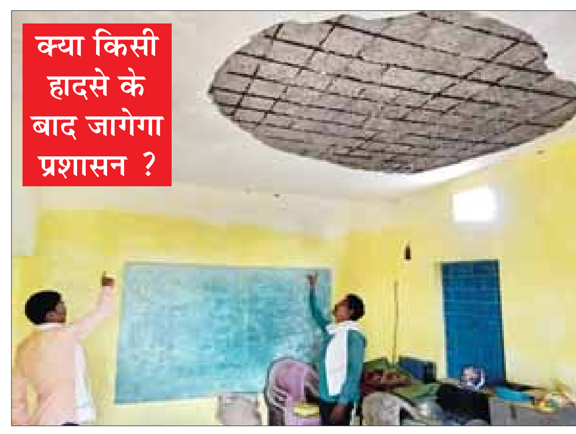

नैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भरभेली के पोषक ग्राम गारकाटोला स्थित उन्नयन प्राथमिक शाला इन दिनों अपनी बदहाली से व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। विद्यालय भवन की जर्जर हालत ऐसी है कि यहां पढ़ने आने वाले मासूम बच्चों की सुरक्षा हर पल खतरे में नजर आती है। छत से लगातार कंक्रीट झड़ रहा है, दीवारों में दरारें साफ दिखाई दे रही हैं और बरसात से पहले ही भवन किसी बड़े हादसे का संकेत दे रहा है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इन खतरनाक हालात के बावजूद बच्चे इसी भवन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। अभिभावकों के मन में हर दिन एक डर बना रहता है-कहीं पढ़ाई के दौरान कोई अनहोनी न हो जाए। बड़ा सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार विभाग किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है?

ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति कोई नई समस्या नहीं है। कई बार इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों और शिक्षा विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो भवन को अनुपयोगी घोषित किया गया और न ही बच्चों के लिए कोई वैकल्पिक सुरक्षित व्यवस्था की गई। बरसात के दिनों में हालात और भयावह हो जाते हैं-छत से पानी टपकता है और कंक्रीट गिरने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

सरकार भले ही शिक्षा और बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन गारकाटोला की यह हकीकत उन दावों की पोल खोलती नजर आती है। यहां बच्चों का भविष्य और जीवन दोनों जोखिम में हैं, और जिम्मेदार तंत्र की चुप्पी सवालों के घेरे में है।

अब ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि जर्जर भवन को तुरंत अनुपयोगी घोषित किया जाए, बच्चों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और नए विद्यालय भवन के निर्माण को शीघ्र स्वीकृति दी जाए।

यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह लापरवाही किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है।

पशुपालकों को मिलेगा आर्थिक संबल

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पशुपालकों एवं किसान भाइयों के लिए संचालित आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को गौपालन एवं डेयरी इकाइयों की स्थापना के लिए बैंक ऋण तथा अनुदान का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

योजना के तहत न्यूनतम 5 पशुओं के पालन के लिए 1 एकड़ भूमि रखने वाले हितग्राही पात्र होंगे। परियोजना लागत का 75 प्रतिशत तक बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा जिस पर मात्र 5 प्रतिशत ब्याज दर लागू होगी। प्राप्त ऋण के ब्याज का भुगतान विभाग द्वारा 7 वर्षों तक किया जाएगा, जिससे पशुपालकों पर आर्थिक बोझ कम होगा। योजना में सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक मार्जिन मनी सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध होगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जिले के किसानों और पशुपालकों से योजना का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की है।

फील्ड टेस्ट किट का वितरण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जल गुणवत्ता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागखंड द्वारा विकासखंड मवई के जनपद सभागार में जल परीक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मरकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

रेलवे समपार में ओव्हर ब्रिज की मांग को आप पार्टी ने बनाया मुद्दा

रेल मंत्री और प्रदेश सरकार के नाम सौंपा ज्ञापन

मांग पूरी नही होने पर होगा आंदोलन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर रेलवे समपार में ओव्हर ब्रिज बनाने की मांग को अब आम आदमी पार्टी नर मुद्दा बनाया है। मंडला - सिवनी मार्ग पर नैनपुर स्थित रेल्वे फाटक पर ओवरब्रिज की मांग को लेकर रेलमंत्री और महाप्रबंधक के नाम अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर और स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में मांग की गई है कि लंबे समय से अनेक समाज सेवियों और नैनपुर की जनता के द्वारा मांग की जा रही है कि रेलवे समपार में ओवरब्रिज बनाया जाए। लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते नगर की इस प्रमुख मांग को नजरअंदाज किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी मंडला के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि सिविल अस्पताल जाने के समय में भी अनेक ट्रेनों जिसमें माल गाड़ी और सवारी दोनों ट्रेनों के कारण एम्बुलेंस को रेलवे फाटक के कारण इंतजार करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में मरीज को देर से इलाज मिलने की स्थिति में जनहानि होने की अत्यधिक संभावना रहती है। साथ ही भीषण ,गर्मी और बरसात के समय में भी राहगीरों को खड़े होकर फाटक खुलने का इंतजार करना पड़ता है,जिससे उनके समय और स्वास्थ्य दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ऐसी किसी भी अप्रिय घटना अगर घटती है तो इसका जबाबदेह आखिर कौन होगा। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि हमारे जनप्रिनिधियों की इक्षा शक्ति कमजोर है वे जनता के लिए कार्य करना ही नहीं चाहते हैं।

ज्ञापन कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के समस्त कार्यकर्ता विश्राम भवम चौराहे से अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर तक पैदल रैली के माध्यम से पहुंचे। उसके पश्चात नैनपुर से रेलवे स्टेशन तक पहुंच कर स्टेशन मास्टर को भी ज्ञापन दिया गया। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि एक माह के अंदर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया ,तो एक माह पश्चात सिवनी फाटक पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा और अगर इसके बाद भी राज्य सरकार और रेलवे विभाग की आंखें नहीं खुली तो रेल रोको आंदोलन किया जाएगा इसकी संपूर्ण जवाबदारी रेलवे प्रशासन और राज्य सरकार की होगी । इस दौरान जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा रामादेवी धुर्वे, जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी , जिला संगठन मंत्री (एस. सी. प्रकोष्ठ) नितिन झरिया, जिला मीडिया प्रभारी आशीष वैष्णव, जिला कार्यालय प्रभारी राजेश महोबिया, महेंद्र हट्टेल, मनोज ठाकुर, राजा सोनी, शुभम सोनी, प्रभात झरिया, सी. एल. सरोते, जितेंद्र साहू, अभिषेक ठाकुर ,बिज्जू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपस्थिति सुनिश्चित करने निर्देश

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा विकासखंड अंतर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बिनैका एवं नव निर्माणाधीन प्रयोगशाला कक्षों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाई गई जिस पर संस्था प्राचार्य को विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए गृह संपर्क अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन, अपार आईडी निर्माण, छात्रवृत्ति स्वीकृति, बेसलाइन टेस्ट एवं ब्रिज कोर्स के संचालन की प्रगति की जानकारी ली गई।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शेख असफाक मंसूरी SHEIK ASFAK MANSURI वार्ड क्रमांक 19 जवाहर वार्ड थाना तहसील व जिला मण्डला का निवासी हूं। शाला आदर्श हिन्दी अंग्रेजी विद्यालय में अपने पुत्र मो. अयान मंसूरी के प्रवेश के समय अपने स्वयं का नाम त्रुटिवश SHEKH ASFAK MANSOORI लिखा था जिसके तहत प्रवेश अभिलेखों में यही दर्ज हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक नाम SHEIK ASFAK MANSURI मेरे सभी दस्तावेजो जैसे आधार कार्ड, पेनकार्ड, वोटर आईडी कार्ड एवं अन्य अभिलेखो में दर्ज अंकित हैं। अतः मैं यह घोषणा करता हूं कि शेख असफाक मंसूरी SHEIK ASFAK MANSURI एवं SHEKH ASFAK MANSOORI एक ही व्यक्ति के नाम हैं दोनो नाम मेरे ही हैं लेकिन मेरा सही नाम शेख असफाक मंसूरी SHEIK ASFAK MANSURI है मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है। इस बात की मैं शपथ करता हूं।

शपथकर्ता
शेख असफाक मंसूरी
SHEIK ASFAK MANSURI
निवासी :- वार्ड क्रमांक 19 जवाहर वार्ड जिला मण्डला

होटल की लिफ्ट में फंसे सात बच्चे

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़ाव स्थित श्रीजी इन होटल में शनिवार देर रात उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब होटल की लिफ्ट में सात बच्चे अचानक फंस गए घटना के दौरान बच्चे करीब 15 से 20 मिनट तक लिफ्ट के भीतर बंद रहे जिससे वे घबराहट और घुटन का शिकार हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बच्चे घर लौटने की तैयारी कर रहे थे इसी दौरान सभी बच्चे लिफ्ट में सवार हुए लेकिन लिफ्ट अचानक बीच में बंद हो गई लिफ्ट रुकते ही बच्चों ने बाहर निकलने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन मौके पर पहुंच गए बंद लिफ्ट में गर्मी और ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की हालत बिगड़ने लगी जिससे परिजनों की चिंता बढ़ गई काफी प्रयासों के बाद परिजनों ने लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला घटना के दौरान होटल प्रबंधन और बच्चों के परिजनों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित हो गई परिजनों का आरोप था कि होटल प्रबंधन बच्चों की सुरक्षा से अधिक लिफ्ट को हुए नुकसान को लेकर चिंतित नजर आया जिससे मौके पर हंगामा खड़ा हो गया सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश देकर स्थिति को नियंत्रित किया सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है घटना के बाद होटल की लिफ्ट के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला (म.प्र.)

क./न0प0 / लो.नि. / 2026 / 234 — बम्हनी बंजर दि0 19/06/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_516689_1 दिनांक - 19/06/2026	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु वार्टर एकाउटेट के कार्य।	12 माह लागत राशि 500000/-	2,000/- रुपये ईएमडी 5000/- रुपये	6/7/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन की स्थिति मे ऑन लाईन की वेबसाइट पर ही किया जावेगा समाचार पत्रो मे प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

ललित गर्ग

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है। अर्थात् मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही विश्वगुरु भारत की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात् गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

सुपरहीरो की केप अब किचन तक पहुंची, डांट के साथ दुलार भी बढ़ा

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'

एक पिता खुद फकीरों की तरह रहता है और अपने पुत्र को युवराज जैसा जीवन देता है, लेकिन दुर्भाग्य से अधिकांश पुत्र अपने पिता को बुढ़ापे में शहंशाह की तरह जीवन तो नही जीने देते, मगर बेहद अफसोस के साथ लिखना पड़ रहा है उन्हें बहादुर शाह ज़फ़र की तरह निर्वासित ज़रूर कर देते हैं हममें से अधिकांश लोगों के लिए, हमारे पिता ही हमारे पहले शिक्षक थे। उन्होंने हमें छोटी छोटी बातों से हमे संघर्ष करना सिखाया, फिर वो साइकिल चलाना हो या हमे पढ़ाई के लिए बाहर भेजना हो। और अपने हक के लिए खड़े होना और बिना शिकायत किए कड़ी मेहनत करना सिखाया। उन्होंने हमें ज़िम्मेदारी लेना, भरोसेमंद होना और अपने परिवार की ज़रूरतों को अपनी ज़रूरतों से ऊपर रखना सिखाया। ये ऐसे उपहार हैं जो जीवन भर साथ रहते हैं।

शोध से लगातार यह पता चलता है कि जिन बच्चों का पालन-पोषण ऐसे पिता के साथ होता है जो उनके साथ समय बिताते हैं और उनका जीवन में सक्रिय योगदान देते हैं, उनमें अधिक आत्मविश्वास, मजबूत मूल्य और बेहतर आत्म-सम्मान विकसित होता है। लेकिन किसी भी अध्ययन से जो मापा जा सकता है, उससे परे, हममें से अधिकांश लोग अपने अनुभव से इसे सच मानते हैं। पिता का प्रभाव चुपचाप इस बात को आकार देता है कि हम दुनिया को कैसे देखते हैं, दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और जीवन में कैसे आगे बढ़ते हैं।

पिता का महत्व शब्दों से परे है क्योंकि वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। ऐसे सभी पिताओं और पिता तुल्य व्यक्तियों के योगदान को सम्मान देने और पिता-पुत्र के बंधन का जश्न मनाने के लिए हर साल एक विशेष दिन को फादर्स डे के रूप में मनाया जाता है। बदलते समय में बदल रही पिता की भूमिका। पिता के महत्व को किसी भी तरह से नजरअंदाज या उपेक्षित नहीं किया जा सकता। वे एक सुपरहीरो की तरह होते हैं जो अपने बच्चों के लिए हर दिन की परेशानियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। पहले के पिता VS आज के पिता समय बदला तो पिता का रूप भी बदला-

पहले के पिता- घर की छत, सख्त अनुशासन, कम बोलो ज्यादा काम करो वाले। प्यार था पर जताते नहीं थे। उनकी डांट ही सुरक्षा कवच थी।

आज के पिता- छत भी हैं और दोस्त भी। ऑफिस की मीटिंग के बाद बेटी के डांस प्रैक्टिस में तालियां बजाते हैं। बेटे का प्रोजेक्ट खुद लैपटॉप पर बनाते हैं। सख्ती के साथ सेंसिटिविटी भी।

बदलते समय में पिता की 5 नई भूमिकाएं

दोस्त वाली भूमिका- बेटी ,बेटे को इमोशन बताना। अब पिता मम्मी से पूछो नहीं कहते, खुद समझाते हैं।

किचन वाली भूमिका- पराठा बेलना, लंच बॉक्स पैक करना, रात को दूध गर्म करना। सुपरहीरो की केप अब एप्रन तक पहुंच गई है।

मेंटल हेल्थ वाली भूमिका- मर्द रोते नहीं वाली लाइन टूट रही है। आज के पिता बेटे से पूछते हैं- बेटा स्ट्रेस है क्या? बात करें?

टेक वाली भूमिका- ऑनलाइन क्लास का लिंक, गेम का पासवर्ड, फोन का लॉक। पिता अब सिर्फ घड़ी नहीं बांधते, WiFi भी कनेक्ट करते हैं।

सपनों वाली भूमिका- पहले पिता कहते थे डॉक्टर या इंजीनियर बनो। अब कहते हैं बेटा जो करना है करो, बस ईमानदार रहो। मैं साथ हूं।

पिता का महत्व

पहला शिक्षक- मां बोलना सिखाती है, पिता दुनिया से लड़ना सिखाता है। साइकिल चलाना, गिरकर उठना, सब उसी से सीखा।

पहला बैंक- बचपन में 10 रुपए मांगो तो 50 दे देते थे। अपनी जरूरत काटकर हमारी फीस भरते थे। श्रद्धा उनकी हंसी पर थी।

पहला रक्षक- रात 12 बजे बुखार आए तो कंधे पर हॉस्पिटल। आंधी आए तो हम पर छतरी। अपनी परवाह बाद में, हमारी पहले।

पहला रोल मॉडल- हम जैसा बनना चाहते हैं, वो हमारे पिता जैसे होते हैं। मेहनती, जिम्मेदार, बिना शिकायत काम करने वाले।

फादर्स डे-सिर्फ 1 दिन नहीं, हर दिन पिता का दिन

जून का तीसरा रविवार फादर्स डे है। पर पिता को 365 दिन चाहिए।

इस दिन 3 काम जरूर करो-

कुछ समय दो- फोन साइड रखकर 3 मिनट सिर्फ उनकी आंखों में देखो। पापा थैंक यू बोल दो। वो 3 साल जवान हो जाएंगे।

काम करो- उनका पैर दबा दो, चाय बना दो, या बाइक साफ कर दो। वो गिफ्ट नहीं मांगते, इज्जत मांगते हैं।

पुरानी फोटो देखो- अल्बम खोलो। वो फोटो जिसमें पिता तुम्हें कंधे पर बैठाए हैं। उस फोटो को आज रीक्रिएट करो। सर्कल पूरा हो जाएगा।

पिता तुल्य भी पिता हैं

पिता सिर्फ बायोलॉजिकल नहीं होते। मामा, चाचा, दादा, गुरु, कोच... जो भी बिना खून के रिश्ते के तुम्हें पिता जैसा प्यार दे, वो पिता तुल्य है। फादर्स डे उन सबका है।

पिता का प्यार महंगा नहीं होता,
बस बेशकीमती होता है।
वो सूरज की तरह है,
खुद जलता है पर हमें रोशनी देता है।

हमारे पिता बिना केप के हमारे सुपरहीरो हैं। पिता परिवार के संरक्षक, बच्चों के सबसे बड़े मार्गदर्शक और निस्वार्थ प्रेम की मूरत होते हैं। वे बच्चों के उवल भविष्य के लिए अपनी खुशियों का त्याग करते हैं. उनके इस अमूल्य योगदान पर पिता को समर्पित भावपूर्ण पंक्तियाँ:

पिता ढाल बनकर हर मुसीबत सह लेते हैं,
अपने बच्चों को हर मुसीबत
से बचाकर रखते हैं ।
पिता जताते नहीं कि वो
कितना प्यार करते हैं,
उनकी खामोशी में भी
बच्चों की फिक्र साफ झलकती है.
पिता छोटे परिंदे के लिए
बड़ा सा आसमान होते हैं.
उंगली पकड़कर चलना सिखाने वाले,
जीवन की हर मुश्किल राह
का हौसला होते हैं।

पापा कभी नहीं बताते, लेकिन सहते बहुत हैं

शिवानी अवस्थी

पिता सिर्फ परिवार के मुखिया नहीं होते, बल्कि वे उस मजबूत नींव की तरह होते हैं जिस पर पूरे घर की खुशियां टिकी होती हैं। एक पिता अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात मेहनत करता है, लेकिन अक्सर उसके त्याग और संघर्ष चर्चा का विषय नहीं बनते। जहां मां का प्यार खुलकर दिखाई देता है, वहीं पिता का स्नेह जिम्मेदारियों और खामोशियों के पीछे छिपा रहता है। फादर्स डे 2026 के मौके पर यह समझना जरूरी है कि हर पिता अपने परिवार के लिए कई ऐसे त्याग करता है, जिनका जिक्र वह कभी नहीं करता। वह अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़कर बच्चों की जरूरतों को प्राथमिकता देता है। कभी अपने सपनों से समझौता करता है, तो कभी आर्थिक दबाव के बावजूद परिवार की खुशियों में कमी नहीं आने देता।

पिता का प्रेम शब्दों से कम और कर्मों से अधिक दिखाई देता है। उनकी मेहनत, संघर्ष और समर्पण ही बच्चों के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बनते हैं। इस फादर्स डे पर आइए जानते हैं उन 7 त्यागों के बारे में, जो लगभग हर पिता करता है, लेकिन शायद ही कभी उनके बारे में खुलकर बात करता हो।

अपने सपनों को पीछे छोड़ देते हैं

हर पिता के अपने भी कुछ सपने होते हैं। कोई अपना बिजनेस शुरू करना चाहता था, तो कोई दुनिया घूमना चाहता था। लेकिन बच्चों की पढ़ाई, परिवार की जिम्मेदारियों और भविष्य की सुरक्षा के लिए वह अक्सर अपने सपनों को पीछे छोड़ देता है। परिवार की सफलता ही उसका सबसे बड़ा सपना बन जाती है।

अपनी जरूरतों पर खर्च कम करते हैं

अक्सर देखा जाता है कि पिता अपने लिए नई चीजें खरीदने से बचते हैं। लेकिन बच्चों की छोटी-बड़ी इच्छाएं पूरी करने में कभी पीछे नहीं हटते। कई बार वे वर्षों तक एक ही फोन, घड़ी या कपड़े इस्तेमाल करते रहते हैं ताकि परिवार की जरूरतें पूरी हो सकें।

आर्थिक दबाव अकेले झेलते हैं

घर का बजट, बच्चों की फीस, मेडिकल खर्च और भविष्य की बचत, इन सबका दबाव अक्सर पिता अकेले झेलते हैं। वे अपनी परेशानियां परिवार के सामने जाहिर नहीं करते क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनके बच्चे या जीवनसाथी तनाव में रहें।

थकान के बावजूद परिवार के लिए उपलब्ध रहते हैं

दिनभर काम करने के बाद भी पिता बच्चों के साथ समय बिताने की कोशिश करते हैं। चाहे कितनी भी थकान हो, वे परिवार की जरूरत पड़ने पर हमेशा तैयार रहते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी और खुशी होती है।

भावनाओं को छिपा लेते हैं

समाज अक्सर पुरुषों को अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त करने की अनुमति नहीं देता। इसलिए पिता कई बार दुख, चिंता और डर को अपने अंदर ही दबाकर रखते हैं। वे मजबूत बने रहते हैं ताकि परिवार को सुरक्षा और भरोसा महसूस हो।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं

हर पिता चाहता है कि उसके बच्चों को वे अवसर मिलें जो उसे नहीं मिल पाए। इसी सोच के साथ वह अतिरिक्त मेहनत करता है, बचत करता है। कई बार अपनी सुविधाओं का त्याग कर देता है ताकि बच्चों का भविष्य सुरक्षित बन सके।

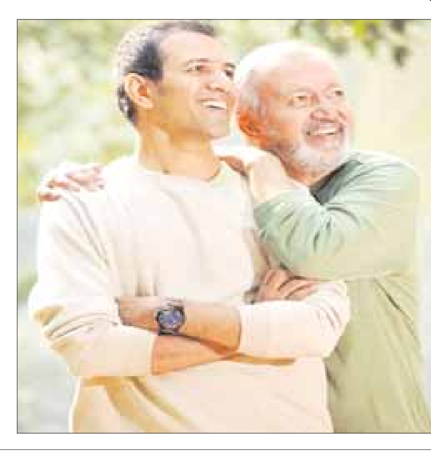

उम्र बढ़ने के साथ भी जिम्मेदारियां निभाते रहते हैं

रिटायरमेंट के बाद भी अधिकांश पिता परिवार की चिंता करना नहीं छोड़ते। बच्चों की नौकरी, शादी और जीवन की स्थिरता को लेकर वे लगातार सोचते रहते हैं।

उनकी जिम्मेदारियां उम्र के साथ खत्म नहीं होतीं, बल्कि नए रूप में जारी रहती हैं।

इन चार राशि वाले बनते हैं सबसे अच्छे पिता, बच्चों के लिए होते हैं रोल मॉडल

ज्योति मेहरा

फादर्स डे इस साल 21 जून, रविवार को मनाया जाएगा। हर वर्ष जून के तीसरे रविवार को मनाया जाने वाला यह दिन पिता के सम्मान और उनके योगदान को समर्पित होता है। इस खास मौके पर बच्चे अपने पिता को विशेष महसूस कराने की कोशिश करते हैं, क्योंकि पिता ही वह शख्स होते हैं जो पालन-पोषण, सुरक्षा, मार्गदर्शन और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। ज्योतिष के अनुसार, सभी राशियों के लोग अपने-अपने तरीके से अच्छे पिता की भूमिका निभाते हैं, लेकिन 12 राशियों में से 4 ऐसी राशियां मानी जाती हैं, जिनके पुरुष जातकों में स्वाभाविक रूप से एक आदर्श पिता के गुण अधिक देखने को मिलते हैं। ये अपने बच्चों को प्यार, सुरक्षा, अनुभव और सफलता की सीख देने में आगे रहते हैं।

कर्क- कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा होते हैं, इसलिए इस राशि के लोग बेहद भावुक और संवेदनशील होते हैं। ये अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक रिश्ता बनाते हैं और उनकी हर छोटी-बड़ी जरूरत का ध्यान रखते हैं। खास बात यह है कि ये बिना बोले ही बच्चों के मन की बात समझ लेते हैं। यही वजह है कि कई बार इन्हें 'मां जैसा पिता' भी कहा जाता है। ये हर परिस्थिति में बच्चों का साथ निभाते हैं, चाहे समय अच्छा हो या चुनौतीपूर्ण। यदि कभी डांट भी दें, तो बाद में प्यार से समझाकर स्थिति संभाल लेते हैं। परिवार के साथ समय बिताना इन्हें बेहद पसंद होता है और ये अपने प्रियजनों के प्रति काफी सुरक्षात्मक रहते हैं।

वृषभ- वृषभ राशि के जातक धैर्यवान और शांत स्वभाव के होते हैं, जो उन्हें एक जिम्मेदार पिता बनाता है। ये अपने बच्चों को जीवन में स्थिरता और सुरक्षा का एहसास कराते हैं। बिना वजह गुस्सा करना इनके स्वभाव में नहीं होता, बल्कि ये बच्चों को समझदारी से समझाते हैं। बच्चों की गलतियों पर संयम से प्रतिक्रिया देना और उन्हें सही राह दिखाना इनकी खासियत होती है। यही कारण है कि बच्चे भी इनके करीब महसूस करते हैं। ये अपने बच्चों की भावनात्मक जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं और हर संभव तरीके से उनका सहयोग करते हैं।

सिंह- सिंह राशि के पिता अपने बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ये उन्हें हमेशा प्रोत्साहित करते हैं कि वे अपनी क्षमता पर विश्वास रखें और आगे बढ़ें। ये अपने बच्चों के साथ दोस्ताना रिश्ता रखना पसंद करते हैं, जिससे बच्चे खुलकर अपनी बातें साझा कर पाते हैं। इनके साथ समय बिताना, हंसी-मजाक करना और यादगार पल बनाना बच्चों को बेहद पसंद आता है। सिंह राशि के पिता अपने बच्चों को खुद की पहचान बनाने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, साथ ही जरूरत पड़ने पर उनकी ढाल बनकर भी खड़े रहते हैं।

मकर- मकर राशि के जातक जिम्मेदार और व्यावहारिक सोच वाले होते हैं। ये अपने कर्तव्यों को गंभीरता से निभाते हैं और बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। अनुशासन इनके जीवन का अहम हिस्सा होता है, जिसे ये अपने बच्चों में भी विकसित करना चाहते हैं। ये उन्हें मेहनत, संघर्ष और अनुभव से सीखने की प्रेरणा देते हैं। मकर राशि के पिता अक्सर अपने बच्चों के लिए रोल मॉडल बन जाते हैं। भले ही कभी-कभी सख्ती दिखाएं, लेकिन उनके मन में बच्चों के लिए गहरा स्नेह होता है। उनका मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्मनिर्भर और सफल बनाना होता है।

इन चार राशियों में एक अच्छे पिता बनने के कई स्वाभाविक गुण देखे जाते हैं। हालांकि, इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि बाकी राशियों के लोग अच्छे पिता नहीं बन सकते। हर व्यक्ति अपने प्रयास और प्रेम से एक बेहतरीन पिता साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो बम धमाके, 7 लोगों की मौत और 3 घायल

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो बम धमाकों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस आत्मघाती कृत्य की जिम्मेदारी नहीं ली है और सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहला आईईडी (ढ्ढश्वष्ठ) विस्फोट एक यात्री वैन को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके तुरंत बाद, उसी स्थान पर राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों को निशाना बनाकर दूसरा धमाका किया गया, जिसमें दो और लोगों की जान चली गई।

यह धमाका बन्नू जिले के मार्का बेरा इलाके में हुआ। बन्नू जिला पुलिस अधिकारी यासिर अफरीदी के अनुसार, पहला धमाका तब हुआ जब सड़क किनारे लगाया गया एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस फट गया, जिससे एक यात्री वैन इसकी चपेट में आ गई और पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि इसके कुछ ही देर बाद उसी जगह पर दूसरा धमाका हुआ, जिसमें बचाव कार्य में लगे लोगों को निशाना बनाया गया। दूसरे धमाके में दो लोगों की मौत हो गई और एक गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। डीओपी ने बताया कि घायलों और मृतकों के शवों को पास के अस्पताल ले जाया गया और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, जिस यात्री वैन को निशाना बनाया गया, वह हाथी खेल गांव से बन्नू शहर जा रही थी, तभी वह धमाके की चपेट में आ गई। सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और धमाके वाली जगह से सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने की हमले की निंदा

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और पुलिस अधिकारियों को इस पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने धमाकों से जुड़ी परिस्थितियों की गहन जांच के आदेश भी दिए।

सोहेल अफरीदी ने इसे बेहद दुखद और दिल दहला देने वाला बताते हुए उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रांतीय सरकार इस मुश्किल समय में हर संभव मदद देगी। रकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ेगी।

ईरान डील को बर्बाद कर सकता है इजरायल ट्रंप ने नेतन्याहू को बता दिया योद्धा : रिपोर्ट

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शनिवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तारीफ करते हुए उन्हें योद्धा पीएम कहा है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबनान में इजरायली सैन्य अभियानों को लेकर दोनों नेताओं के बीच गंभीर मतभेद और तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। वाशिंगटन के पास कतर द्वारा उपहार में दिए गए एक नए एयर फोर्स वन विमान का अनावरण करने के बाद बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ बहुत अच्छी तरह से लड़ाई लड़ी। वह 28 फरवरी को शुरू हुए उस युद्ध का जिक्र कर रहे थे जिसे दोनों देशों ने मिलकर शुरू किया था। ट्रंप ने कहा कि जाहिर है कि हमने इजरायल के साथ मिलकर बहुत अच्छी लड़ाई लड़ी और इजरायल के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। हम बहुत मजबूत थे। और बीबी नेतन्याहू एक योद्धा प्रधानमंत्री हैं, और उन्हें इसी रूप में पहचाना जाना चाहिए। उन्हें इसका पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब इजरायली प्रधानमंत्री पर लेबनान में युद्ध जारी रखने के लिए भारी राजनीतिक दबाव बना हुआ है। एक्सिओस

न्यूज आउटलेट के अनुसार, एक अलग साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि नेतन्याहू के साथ उनके मजबूत लेकिन बेहद नियंत्रित संबंध हैं। उन्होंने को बताया कि यह अच्छा है, लेकिन हमें उन्हें थोड़ा संतुलित रखना पड़ता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस क्षेत्र में इजरायली सैन्य कार्रवाइयों, विशेष रूप से लेबनान पर संभावित हमलों को प्रभावित कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि वह ऐसे निर्णयों पर नियंत्रण रखने में पूरी तरह सक्षम होंगे। ट्रंप ने कहा कि हां, मैं ऐसा कर सकूंगा। मेरा मतलब है, वे मेरा बहुत सम्मान करते हैं, और वे वही करते हैं जो मैं कहता हूं।

इससे पहले ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के समझौते के बावजूद, लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल के अभियान पर गहरी निराशा व्यक्त की थी। इस महीने की शुरुआत में एक फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू पर जमकर भड़ास भी निकाली थी। एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून को जब इजरायल के लेबनान पर हमलों के कारण ईरान ने कथित तौर पर शांति वार्ता रोक दी थी, तब ट्रंप ने फोन पर नेतन्याहू पर चिल्लाते हुए कहा था कि तुम बिल्कुल पागल हो गए हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। मैं तुम्हें बचा रहा हूं। अब हर कोई तुमसे नफरत करता है। इस वजह से हर कोई इजरायल से नफरत कर रहा है।

द वाशिंगटन पोस्ट ने मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप प्रशासन को चेतावनी दी है कि बेंजामिन नेतन्याहू ऐसे कदम उठा सकते हैं जिससे ईरान के साथ हुआ शांति समझौता कमजोर हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि इजरायल हिजबुल्लाह के खिलाफ अपना सैन्य अभियान जारी रखने का इरादा रखता है। नई खुफिया जानकारी से परिचित एक अमेरिकी अधिकारी का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल के अंत में इजरायल में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों के कारण नेतन्याहू की राजनीतिक नैया इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपनी घरेलू जनता को यह दिखाएं कि वह लेबनान से सेना वापस नहीं बुलाएंगे और हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई तेज करने का इरादा रखते हैं। रिपोर्ट में ट्रंप के शांति ज्ञापन की शर्तों पर इजरायल की हताशा का भी वर्णन किया गया है।

लगा जैसे कोई आतंकी धमाका हो, लंदन ट्रेन हादसे में किसी के पैर टूटे तो कोई अब भी सदमे में

लंदन। शुक्रवार को लंदन के उत्तर में स्थित बेडफोर्ड के पास दो यात्री ट्रेनों की टक्कर के बाद मची दहशत और तबाही का मंजर देखकर लोग सिहर उठे। इस भीषण हादसे में ट्रेन ड्राइवर की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए।टक्कर स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5ः15 बजे बेडफोर्ड और ल्यूटन के बीच हुई। दोनों ट्रेनें दक्षिण की ओर लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन जा रही थीं। हादसे के बाद कई डिब्बे पटरी से उतर गए,

जिसके बाद एयर एम्बुलेंस और विशेषज्ञ बचाव दलों सहित आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंच गईं। आपातकालीन अधिकारियों के अनुसार, इस दुर्घटना में कुल 89 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 11 लोगों को बेहद गंभीर चोटें आई हैं, 22 गंभीर रूप से घायल हैं और 56 अन्य का मामूली चोटों के लिए इलाज किया गया। हादसे के बाद के खौफनाक पलों को याद करते हुए, यात्री डॉ. पीट नैप ने प्रेस एसोसिएशन को बताया कि एक पल ऐसा लगा जैसे हम सामने वाली कुर्सी पर जा गिरे हों, और फिर मैंने धुआं देखा। लोग रो रहे थे, चिल्ला रहे थे। लोग बहुत डरे हुए और भ्रमित थे।

उन्होंने बताया कि टक्कर से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई थी। डॉ. नैप ने कहा, मैं उठा और देखा कि कई लोग बोल नहीं पा रहे थे, उनके पैर टूट गए थे। मैं ट्रेन से बाहर निकलने में कामयाब रहा क्योंकि मैं काफी दुबला हूं, इसलिए दरवाजों के बीच की जगह से बाहर निकलने में सफल रहा।

उन्होंने कहा कि उनका पहला विचार किसी संभावित विस्फोट के चलते वहां से भागने का था। मुझे लगा कि अगर यह कोई आतंकी धमाका है, तो ट्रेन से उतरना ही ज्यादा सुरक्षित रहेगा। बीबीसी से बात करते हुए उन्होंने इस दृश्य की तुलना बम धमाके से की।

जब मैं उठा, तो मैंने देखा कि कुर्सियां हर तरफ बिखरी पड़ी हैं, मुझे लगा जैसे मैं किसी बम धमाके का शिकार हो गया हूं। लोगों के चेहरे खून से सने थे और उनके पैर टूटे हुए लग रहे थे। हर तरफ धुआं था।

बीबीसी के अनुसार, एक अन्य यात्री शोला मेने ने बताया कि एक जोरदार धमाका हुआ और फिर लोग अपनी सीटों से उछलकर दूर जा गिरे। कोई व्यक्ति उड़ता हुआ आया और मेरे पति के चेहरे पर जा लगा। वहां बहुत खून था और कई लोगों के चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक बयान में कहा कि मेरी संवेदनाएं उस व्यक्ति के परिवार के साथ हैं जिसने दुखद रूप से अपनी जान गंवा दी है, और उन सभी के साथ भी जो गंभीर रूप से घायल हुए हैं।सोशल मीडिया पर घटनास्थल के फुटेज में क्षतिग्रस्त डिब्बों के अंदर घायल यात्री नजर आ रहे हैं, जबकि निकाले गए कुछ अन्य यात्री पटरियों के किनारे पट्टियां बांधे बैठे देखे गए। नेशनल यूनियन ऑफ रेल, मैरीटाइम एंड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के महासचिव एड्डी डेम्पसी ने पुष्टि की कि हादसे में मारा गया व्यक्ति एक ट्रेन ड्राइवर था और ऋरूञ्ज का पूर्व प्रतिनिधि भी रह चुका था। ट्रेन ड्राइवर्स यूनियन,ह्यद्यद्गद्ध के महासचिव डेव काल्फ ने भी पीड़ित को श्रद्धांजलि दी।

राज ठाकरे ने लगाया ध्यान भटकाने वाली राजनीति का आरोप

मुंबई, (वार्ता)

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार पर बेरोजगारी, कृषि संकट और किसानों की आत्महत्या जैसे गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए जानबूझकर बनावटी राजनीतिक विवाद पैदा करने का आरोप लगाया और राज्य में आर्थिक और राजनीतिक ताकत के कुछ ही हाथों में सिमटने पर चिंता जताई। मुंबई के रंगशारदा सभागार में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए श्री ठाकरे ने वर्तमान राजनीतिक माहौल की नैतिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जहाँ एक तरफ आम जनता परेशान है, वहीं दूसरी तरफ विधायकों को कथित तौर पर करोड़ों रुपये में खरीदा और बेचा

जा रहा है। मनसे प्रमुख ने राज्य के बिजली क्षेत्र को लेकर भी सचेत किया। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड(महावितरण) के शेयर बाजार में उतारने की तैयारी की जा रही है, जो नुकसानदेह साबित हो सकती है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्टों का हवाला देते हुए श्री ठाकरे ने दावा किया कि महाराष्ट्र की बिजली वितरण प्रणाली को 100 में से केवल 1.5 अंक मिले हैं। उन्होंने आरोप लगाया, अगर कंपनी की हालत इतनी खराब है, तो इसमें कौन निवेश करेगा? श्री ठाकरे ने स्पष्ट किया कि वे विकास या निजी निवेश के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वे सीमेंट, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में एक ही व्यापारिक समूह के बढ़ते एकाधिकार के खिलाफ हैं।

ऑपरेशन टाइगर के तहत शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के पाला बदलने की संभावना पर टिप्पणी करते हुए श्री ठाकरे ने वैचारिक मतभेदों की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाक्रम साल 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तैयार की जा रही एक बड़ी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने संकेत दिया कि महाराष्ट्र में वर्तमान राजनीतिक उथल-पुथल आने वाले वर्षों में राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर बड़े बदलावों का संकेत हो सकती है।

योगमय होगा उत्तर प्रदेश, 1.42 करोड़ स्कूली बच्चे करेंगे सामूहिक योगाभ्यास

लखनऊ, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को नया कीर्तिमान बनाने को तैयार है। इस बार 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों के करीब 1.42 करोड़ छात्र-छात्राएं और 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की 78 हजार से अधिक छात्राएं सामूहिक योगाभ्यास करेंगी। सरकार की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया है कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जन आंदोलन बनाने के लिए छात्रों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और अभिभावकों की भागीदारी तय की है। बयान के मुताबिक गांव से लेकर शहर तक सभी विद्यालय परिसर योगमय माहौल के साक्षी बनेंगे। कार्यक्रमों के समन्वय के लिए शिक्षा निदेशक बेसिक अनिल भूषण चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। शिक्षा विभाग के निर्देश पर 21 जून को सभी स्कूलों में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम और योग के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम होंगे।

पानी दिलवा दो...यूएनएससी में जाकर भारत का नाम लेकर रोया पाकिस्तान

इस्लामाबाद

पाकिस्तान दुनिया भर को बड़ी-बड़ी ज्ञान बांट रहा है। खुद भारत ने जब उसकी हवा टाइट की तो पाकिस्तान पानीपानी चिल्ला रहा है। सिंधु जलसिंधी का मुद्दा पाकिस्तान यूएनएससी में लेकर पहुंच गया है। क्योंकि भारत के दिखाए हुए ठेंगे ने पाकिस्तान को परेशान कर दिया है। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री ईशाक डार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से सिंधु जल संधि के कथित उल्लंघन के मामले में भारत के खिलाफ संज्ञान लेने की अपील की है। भारत ने तो साफ कर दिया है कि एक बूंद भी नहीं जाने देंगे और पूरी कोशिश करेंगे कि जो पानी पाकिस्तान को जाता हो उसका इस्तेमाल भारत सकुशल तरीके से कर ले क्योंकि भारत के नागरिकों का खून और भारत का पानी एक साथ नहीं बहेगा। साफ तौर पर पाकिस्तान छटपटाया हुआ है और

अब यूएनएससी के दरवाजे पर है। पाकिस्तान के स्थाई प्रतिनिधि असीम इफ्तखार अहमद ने बताया कि उन्होंने इशाक डार का पत्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष लियोनूर जालावाटा टोरेस को सौंपा है। पत्र में भारत द्वारा चिनाब नदी से जुड़ी दो बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर पाकिस्तान की चिंताओं को रेखांकित करने की बात की जा रही है। आसिफ इफ्तखार ने सोशल मीडिया पर बताया है कि इस पत्र के माध्यम से सुरक्षा परिषद का ध्यान तत्काल इस मुद्दे की ओर आकर्षित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया है कि दक्षिण एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर यूएनएससी अध्यक्ष को जानकारी दी गई है। विश्व बैंक की मध्यता से साल 1960 में हुई सिंधु जलसंधि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली और उनकी सहायक नदियों में जल बंटवारे को नियंत्रित करती रही है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की मौत के बाद भारत ने इस संधि को निलंबित कर दिया। इसके पहले भी अप्रैल में इशाकदार ने इसी मुद्दे को लेकर यूएनएससी अध्यक्ष को पत्र लिखकर पाकिस्तान की चिंताओं से अवगत कराया था। इसके अलावा भी वक्त-वक्त पर पाकिस्तान की तरफ से भारत को धमकी दी जाती रही है कि अगर पानी नहीं मिलेगा तो वह भारत में तबाही ला देंगे। हालांकि यह सपने हैं और सपने देखने पर कोई टैक्स नहीं है। इसलिए पाकिस्तान सपने देख सकता है क्योंकि उसके आर्थिक हालात इतने अच्छे नहीं है कि सपने देखने पर टैक्स लगता तो वो सपने देख पाता।

बोलीविया : देशभर में विरोध प्रदर्शनों के बाद राष्ट्रपति ने लगाया आपातकाल

ला पाज (बोलीविया), (वार्ता)। बोलीविया के राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज ने शनिवार को देश भर में आपातकाल की घोषणा कर दी। राष्ट्रपति ने यह फैसला बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के खिलाफ पिछले 50 दिनों से जारी देशव्यापी विरोध-प्रदर्शनों और सड़कों की नाकेबंदी के बाद लिया। वामपंथी पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस के समर्थकों, किसान और मजदूर संगठनों के नेतृत्व में हो रहे इन प्रदर्शनों में राष्ट्रपति पाज के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लगातार जारी नाकेबंदी से देश में भोजन, ईंधन और दवाओं जैसी जरूरी चीजों की भारी किल्लत हो गयी है अर्थव्यवस्था ठप पड़ गयी है। देश के नाम अपने संबोधन में राष्टपति ने कहा कि संवाद के सारे रास्ते आजमाने, जायज मांगों पर सहमति बनने के बाद भी कुछ हिंसक समूह देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, सड़कों को खाली कराने और व्यवस्था बहाल करने के लिए सेना और पुलिस को अधिकार देते हुए यह आपातकाल लागू किया गया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'फर्स्ट कॉपी' के एक साल पूरे, मुनव्वर फारुकी ने जताया दर्शकों का आभार

कॉमेडियन, शायर और अभिनेता मुनव्वर फारुकी की एक्टिंग डेब्यू वेब सीरीज 'फर्स्ट कॉपी' ने अपनी रिलीज़ के एक साल पूरे कर लिए हैं। 20 जून 2025 को रिलीज़ हुई इस क्राइम थ्रिलर ने मुनव्वर को अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई थी। 90 के दशक की मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित इस शो में वीडियो पाइरेसी और वीएचएस संस्कृति की अनदेखी दुनिया को दिखाया गया था। मुनव्वर ने इसमें आरिफ नामक किरदार निभाया, जो एक महत्वाकांक्षी युवक है और अपनी जिंदगी बदलने के लिए संघर्ष करता है। एक स्ट्रीट सेलर से शुरू होकर उसका सफर उसे अपराध, शक्ति और अस्तित्व की जटिल दुनिया तक ले जाता है। शो की पहली वर्षगांठ पर मुनव्वर ने कहा, यकीन नहीं होता कि 'फर्स्ट कॉपी' को रिलीज़ हुए एक साल हो गया है। आरिफ का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद खास था क्योंकि यह मेरा पहला अभिनय प्रोजेक्ट था। रिलीज़ से पहले मैं काफी नर्वस था, लेकिन दर्शकों के प्यार और समर्थन ने सब कुछ सार्थक बना दिया। दोनों सीज़न को मिला शानदार रिस्पॉन्स मेरे लिए बेहद खास है और मैं इसके लिए सभी का आभारी हूं। दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल करने के साथ-साथ शो को व्यावसायिक सफलता भी मिली, जिसके बाद उसी वर्ष इसका दूसरा सीज़न भी रिलीज़ किया गया। एक वर्ष पूरा होने के साथ 'फर्स्ट कॉपी' मुनव्वर फारुकी के करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव बन चुकी है, जिसने उन्हें एक सफल कॉमेडियन के साथ-साथ एक अभिनेता के रूप में भी स्थापित किया है। मुनव्वर इन दिनों महेश मांजरेकर की आगामी परियोजना 'अंगाडिया' की तैयारी में जुटे हैं। इसके अलावा वह अपने स्टैंड-अप शोज़ और अन्य नए प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं।

रहूं मैं तेरे रूबरू का नया पोस्टर हुआ रिलीज़

फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' के निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जो दर्शकों को एक ऐसी दिलचस्प दुनिया की झलक देता है जहां प्यार और रहस्य का अनोखा संगम देखने को मिलेगा।इस आकर्षक पोस्टर में दो रोमांटिक जोड़ियों के बीच एक रहस्यमयी नकाबपोश शख्स दिखाई देता है, जो कहानी में छिपे राज़, धोखे और भावनात्मक संघर्ष की ओर इशारा करता है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में नए कलाकार आर्या कुमार, नीथा शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके साथ एक मजबूत सहायक कलाकारों की टीम भी है, जो इस सस्पेंस से भरपूर कहानी में अहम भूमिका निभाएगी।

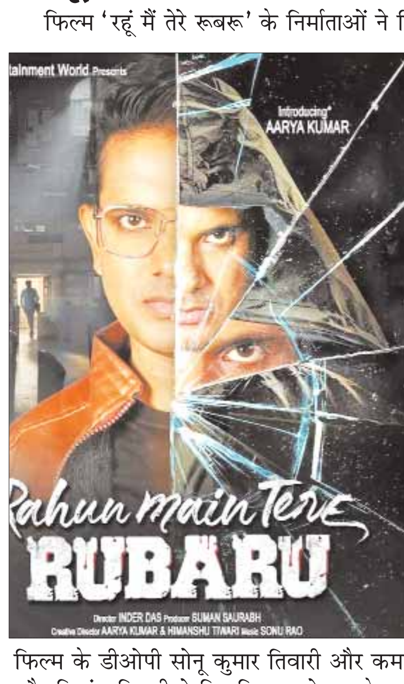

फिल्म का निर्देशन इंदर दास ने किया है, जबकि इसकी पटकथा आर्या कुमार द्वारा लिखी गई है। फिल्म के डीओपी सोनू कुमार तिवारी और कमल एस. चौपाल हैं। वहीं आर्या कुमार और हिमांशु तिवारी ने क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में अपनी रचनात्मक दृष्टि से फिल्म को आकार दिया है। फिल्म का निर्माण सुमन सौरभ ने किया है।फिल्म का संगीत सोनू राव ने तैयार किया है, जबकि गीत शब्बीर सुर्वे ने लिखे हैं। फिल्म का संपादन हिमांशु तिवारी ने किया है और बैकग्राउंड स्कोर शैलेश राव द्वारा तैयार किया गया है।

अपने दिलचस्प पोस्टर के साथ 'रहूं मैं तेरे रूबरू' ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। यह रोमांटिक सस्पेंस-थ्रिलर दर्शकों को अंत तक बांधे रखने और हर मोड़ पर नए रहस्यों से चौंकाने का वादा करती है।

द पैराडाइज में राघव जुयाल की धमाकेदार एंट्री, निभाएंगे विक्रम मलिक का किरदार

अभिनेता राघव जुयाल आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म द पैराडाइज में विक्रम मलिक के दमदार किरदार में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष कैरेक्टर रिवील वीडियो जारी कर उनके किरदार से पर्दा उठाया है।

नैचुरल स्टार नानी अभिनीत और निर्देशक श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही द पैराडाइज को वर्ष 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में माना जा रहा है। फिल्म दसरा की सफलता के बाद नानी और श्रीकांत ओडेला का यह दूसरा बड़ा सहयोग है, जिसे लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

जारी वीडियो में राघव जुयाल का अब तक का सबसे अलग और प्रभावशाली अवतार देखने को मिला है। विक्रम मलिक के रूप में उनका किरदार ताकत, आक्रोश और प्रभावशाली व्यक्तित्व से भरपूर नजर आता है। वीडियो में उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और ऊर्जावान प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। वहीं, नानी के साथ उनकी मौजूदगी ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।

एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले निर्मित द पैराडाइज 21 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, अंग्रेजी और स्पेनिश समेत आठ भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुतीकरण को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्टों के अनुसार, निर्माताओं ने हॉलीवुड अभिनेता रयान रेनॉल्ड्स से अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिल्म को प्रस्तुत करने के लिए संपर्क किया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। भव्य पैमाने, दमदार कलाकारों और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ द पैराडाइज से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं।

पत्रकारिता समाज का दर्पण है: कैलाश सोनी

तस्वीरें बोलती हैं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिन्दी अकादमी एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा दीप्ति कुशवाह (पुणे) द्वारा संकल्पित और निर्मित पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कैलाश सोनी पूर्व राज्यसभा सांसद के मुख्य आतिथ्य, पं. मैथिलीशरण तिवारी, वरिष्ठ समाज सेवी की अध्यक्षता, समाजसेवी सुनील कोठारी, डॉ. सुधीर सिंघई वरिष्ठ साहित्यकार के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ. अशोक कुमार गर्ग, प्राचार्य एम. आई. एम. टी. कॉलेज तथा साहित्यकार अजय तुलसी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कैलाश सोनी ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है तथा पत्रकारिता ने समाज को सूचना एवं चेतना देने का काम किया है।

आपने सतयुग से लेकर वर्तमान तक पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी ने पत्रकारिता को साहस, निष्पक्षता, समाजसेवा का पर्याय बताते हुए युवा पीढ़ी को सीख लेने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि सुनील कोठारी ने पत्रकारिता को समाजहित में उपयोगी निरूपित करते हुए सजगता का प्रहरी बताया। अतिथि सुधीर सिंघई ने पत्रकारिता को संविधान एवं समाज की श्वास बताते हुए समाज के उत्थान की बात कही। दीप्ति कुशवाह ने प्रदर्शनी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नरसिंहपुर उनका मायका है और यह प्रदर्शनी उनके लिए अपनी जन्मभूमि को आभार कहने का भावुक अवसर है। दीप्ति कुशवाह इस प्रदर्शनी का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली और नागपुर में भी कर चुकी हैं। वे नरसिंहपुर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. जे. एल. पटेल की पुत्री हैं।

अतिथियों ने पोस्टर प्रदर्शनी का जिज्ञासापूर्वक अवलोकन किया। कार्यक्रम में रूद्रेष तिवारी, दर्शिका पटेल, ज्योति पटेल, पुनीत त्रिवेदी, जगदीश नेमा, सुबोध शर्मा, संध्या कोठारी समता सोनी, रचित तिवारी, शरद उमरे, संदीप पटेल, जी.एस. पटेल, डॉ. एस.एन. राव, अनीता रघुवंषी. दीपिका शर्मा, जी.डी. उमरे सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

अग्रवाल महिला मंडल ने किया नोका बिहार का आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

अग्रवाल महिला मंडल के तत्वाधान में श्री देव बांके बिहारी जी मंदिर में नोका बिहार का आयोजन किया गया समाज की महिलाओं ने सुबह से ही मंदिर को फूलों से बहुत ही सुन्दर ढंग से सजाया गया तथा मंदिर में ही तालाब बनाकर तैयार किया गया।

शाम के समय भगवान लड्डू गोपाल तथा श्री कृष्ण भगवान को सजाया गया उसके बाद भगवान को नाव में बैठकर नोका बिहार कराया गया।जिसमें समाज की महिलाओं की उपस्थिति सराहनीय रही उसके बाद महिलाओं ने भजन गायन का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम की सभी महिलाओं के द्वारा सराहना की गई।

कार्यक्रम में अग्रवाल महिला मंडल की समस्त पदाधिकारी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मृदुला अग्रवाल, उपाध्यक्ष कल्पना बंसल, अनुराधा खजांची, सचिव साधना अग्रवाल, सहसचिव प्रीति अग्रवाल, रचना अग्रवाल, संपदा अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्वेता अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया । अग्रवाल समाज की सचिव साधना अग्रवाल ने समाज की सभी महिलाओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

यक्षदीप अग्रवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी डिग्री की प्राप्त

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रतिष्ठित बंसल परिवार के सदस्य यक्षदीप अग्रवाल (वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप कुमार अग्रवाल के सुपुत्र एवं श्री विष्णु प्रसाद अग्रवाल के पौत्र) ने अपने कठिन परिश्रम, अथक प्रयासों और भगवान की असीम कृपा से चार्टर्ड अकाउंटेंसी (ष्ट) की प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण कर ष्ट की उपाधि प्राप्त कर ली है। आपकी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से न केवल आपका परिवार, बल्कि समस्त अग्रवाल समाज भी गौरवान्वित हुआ है। इस उल्लेखनीय सफलता पर सभी मित्रों ने यक्षदीप अग्रवाल एवं उनके समस्त परिवार को हार्दिक बधाई तथा उज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ दी

जिले के सड़क मार्गों से कोयला, खनिज वाहक भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने आदेश जारी

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने जारी किया आदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में सड़क मार्गों से कोयला, फ्लाई ऐश, खनिज वाहक एवं अन्य भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने के उद्देश्य से आदेश जारी किया है। जारी आदेश के मुताबिक जिले में कोयला, फ्लाई ऐश तथा अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले सभी भारी वाहनों का संचालन केवल वैध परमिट/ बिल्टी/ ईटीसी प्राप्त करने के उपरांत ही किया जाएगा। जिले में कोयले एवं फ्लाई ऐश का परिवहन केवल तिरपाल से पूरी तरह ढके हुए बंद वाहनों से ही किया जाएगा। परिवहनकर्ता द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य होगा कि वह परिवहन के दौरान लोड किया गया फ्लाई ऐश, कोयला, कोयले की डस्ट या स्टोन डस्ट किसी भी दशा में सड़क पर न गिरे और ना ही वातावरण में फैले। इसके अतिरिक्त फ्लाई ऐश या कोयला डस्ट खाली करके लौटते समय भी वाहनों से बचे हुए अवशेष मटेरियल के उड़ने की प्रबल संभावना रहती है। अतः अनिवार्य रूप से खाली वाहनों के भीतर पानी का प्रभावी छिड़काव करने एवं उन्हें पुनः तिरपाल से अच्छी तरह से ढंकने के उपरांत ही वाहन गंतव्य के लिए वापस लौटेंगे। फ्लाई ऐश, कोयला, कोयले की डस्ट या स्टोन डस्ट एवं अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों की अधिकतम सीमा 30 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं होगी। कोयला एवं राखड़ (फ्लाई ऐश) का परिवहन करने वाले वाहनों के पास सम्पूर्ण वैधानिक दस्तावेज तथा संबंधित वाहन चालक के पास भारी वाहन चलाने का वैध (जीवित) ड्राइविंग लायसेंस होना अनिवार्य है। जारी आदेश के अनुसार जिला अंतर्गत विभिन्न मार्गों से होकर कोयला, राखड़ (फ्लाई ऐश), खनिज रेत, गिट्टी एवं अन्य भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन विनियमित करने के लिए प्रवेश निषेध का समय निर्धारित किया गया है। गाडरवारा शहरी क्षेत्र एवं गाडरवारा से सांईखेड़ा मार्ग के तहत समस्त नगरीय सीमा के मुख्य मार्ग, मुख्य बाजार क्षेत्र एवं गाडरवारा-सांईखेड़ा मुख्य मार्ग के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक, तेंदूखेड़ा शहरी क्षेत्र एवं तेंदूखेड़ा-गाडरवारा मार्ग के तहत समस्त नगरीय सीमा के मुख्य मार्ग, मुख्य बाजार एवं तेंदूखेड़ा-गाडरवारा मुख्य मार्ग के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक और एनटीपीसी प्रभावित ग्रामीण क्षेत्र के तहत ग्राम गांगई, डोंगरगांव, चोरबरहेटा, कुड़ारी, रायपुर, कल्याणपुर चीचली एवं सम्पर्क मार्ग के लिए प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक प्रवेश निषेध किया गया है। जारी उक्त आदेश के किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने, अनुपालन में लापरवाही बरतने, मिथ्या अथवा भ्रामक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने या ऐसी स्थिति उत्पन्न करने, जिससे मानव जीवन, स्वास्थ्य, सम्पत्ति, परियोजना प्रमुख, खदान प्रबंधन, ट्रांसपोर्टर एवं अन्य उत्तरदायी व्यक्तियों/ संस्थाओं/ अधिकारियों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986, वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 खान एवं खनिज संबंधी प्रासंगिक विधिक प्रावधानों तथा अन्य लागू विधियों के अंतर्गत दांडिक, सिविल एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ऐसी किसी भी घटना से उत्पन्न भ्रांति, राहत, पुनर्वास, सफाई, बहाली एवं पर्यावरण पुनर्स्थापन पर होने वाला समस्त व्यय संबंधित परियोजना/ प्रतिष्ठान/ ट्रांसपोर्टर से वसूल की जाएगी और आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी। यह भी देखने में आया है कि कई बार भारी वाहनों को सड़क पर लापरवाही पूर्वक खड़े रखने से दुर्घटनाएं होती है। अतः भविष्य में यदि किसी भारी वाहन को अनावश्यक रूप से सड़क पर खड़े रखने के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो संबंधित भारी वाहन की उपयुक्तता तथा वाहन संचालन की अनुमति निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश वर्तमान परिस्थितियों एवं संभावित जोखिमों के दृष्टिगत रखते हुए जन सुरक्षा, जन स्वास्थ्य, लोक शांति एवं लोक हित में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना आवश्यक है और जिन व्यक्तियों/ संस्थाओं को यह निर्दिष्ट है, उन्हें तत्काल व्यक्तिगत रूप से सूचना दी जाना संभव नहीं है। अतः यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सिंह ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर को इस आदेश का प्रचार- प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से तथा संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपने सभी उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में कराना सुनिश्चित करेंगे। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। उल्लेखनीय है कि नरसिंहपुर जिले में विभिन्न पावर परियोजनाओं की स्थापना, उत्खनन गतिविधियों एवं बढ़ते औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप सड़क मार्गों से कोयले, पावर परियोजनाओं से उत्सर्जित फ्लाई ऐश व अन्य खनिजों का व्यापक पैमाने पर परिवहन किया जा रहा है।

इससे एक ओर जहां पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति निर्मित हो रही है। वहीं सड़क मार्गों पर भारी वाहनों के निरंतर आवागमन के कारण सड़क दुर्घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है। कोयला, फ्लाई ऐश एवं अन्य खनिजों का परिवहन करने वाले तथा अन्य भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन के कारण शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामान्य यातायात अवरूद्ध होता है। जिससे आम जनता एवं छात्रों के आवागमन में व्यवधान उत्पन्न होता है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के कारण जान-माल की क्षति होने से कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होती है। कोयला फ्लाई ऐश एवं अन्य खनिजों के परिवहन से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण मानव जीवन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है तथा व्यापक जनजानि, सम्पत्ति हानि एवं पर्यावरणीय क्षति के साथ- साथ लोक उद्रव व अव्यवस्था की संभावना बनी रहती है। मध्यप्रदेश शासन एवं माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा पर्यावरण प्रदूषण के निवरण के संदर्भ में समय-समय पर जारी आदेशों/ निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जाना वांछनीय है। उपलब्ध तथ्यों, पूर्व घटनाओं, वर्तमान परिस्थितियों एवं संभावनाओं जोखिमों पर विचार करते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने जन सुरक्षा, जन स्वास्थ्य, लोक शांति एवं लोकहित में पूर्व में जारी आदेशों को समेकित करते हुए नए सिरे से कायेला, फ्लाई ऐश एवं अन्य खनिजों के भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन को विनियमित किया जाना आवश्यक है, जिस पर उन्होंने यह आदेश जारी किया है।

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

27 ट्रॉली रेत जब्त कई वाहन पुलिस अभिरक्षा में

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन में पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान तहसील नरसिंहपुर के ग्राम बहोरी में दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 27 ट्रॉली (लगभग 81 घनमीटर) अवैध रेत जब्त की गई। जब्त रेत को शासकीय भूमि पर सुरक्षित रखकर ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सौंपा गया।

इसी क्रम में राजमार्ग चौराहा, तहसील करेली में निर्धारित मात्रा से अधिक खनिज गिट्टी का परिवहन करते पाए जाने पर एक हाइड्रा (क्रमांक एम.पी. 15 जेड.ई. 8332) वाहन को पुलिस थाना सुआतला की अभिरक्षा में रखा गया। वहीं तहसील गाडरवारा के ग्राम कौड़िया में अवैध रेत परिवहन करते पाए गए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर पुलिस थाना गाडरवारा की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया।

खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कलेक्टर महोदया के निर्देशन में जिलेभर में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होंगे स्कूलों में आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

लोक शिक्षण संचालनालय मप्र भोपाल के निर्देशानुसार पूर्व वर्षानुसार इस वर्ष भी आज 21 जून दिन रविवार को 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वृहद पैमाने पर आयोजित कर मनाया जायेगा।

इस दिन क्षेत्रीय स्कूलों मे प्रातः 6 बजे से प्रातः 7.45 बजे तक सामूहिक योग प्रदर्शन आयोजित किया जायेगा। स्कूलों मे 6 वी से 12 वी तक के बच्चे स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों के साथ योग प्रदर्शन करेंगे एवं कक्षा 1 से 5 तक के सिर्फ शिक्षक योग प्रदर्शन करेंगे।

एसपी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले में पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा थाना निवास थाना कोतवाली एवं पुलिस चौकी मनेरी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना एवं चौकी के कार्यालयीन अभिलेखों अपराध रजिस्टरों मालखाना हवालात शस्त्रागार सीसीटीएनएस कार्यों तथा अन्य व्यवस्थाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया। उन्होंने लंबित अपराधों, शिकायतों एवं विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही थाना प्रभारियों एवं पुलिस स्टाफ को क्षेत्र में सतत भ्रमण, रात्रि गश्त, वाहन चेकिंग एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही महिला सुरक्षा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फरार एवं वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी तथा जनसुनवाई को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान थाना एवं चौकी परिसरों की साफ-सफाई अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण एवं अनुशासन की सराहना करते हुए पुलिस कर्मियों को जनता के साथ संवेदनशील सौहार्दपूर्ण एवं जिम्मेदार व्यवहार बनाए रखने की सीख दी।

आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को सेवा, सुरक्षा एवं सद्भाव की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

ग्राम पंचायतों को मिली टेस्ट किट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जनपद पंचायत घुघरी में जल गुणवत्ता परीक्षण एवं जल उपचार विषयक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड की 47 ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता जांचने की विधि, जलजनित रोगों की रोकथाम तथा जल उपचार संबंधी तकनीकी जानकारी दी गई। साथ ही जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जल संरचनाओं के निर्माण एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता गतिविधियों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

मोहर्रम पर्व पर शांति बनाये रखने कलेक्टर ने अधिकारियों को दिये निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मोहर्रम पर्व के दौरान जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष तिवारी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित सभी उपखंड दंडाधिकारियों को निर्देशित किया है कि मोहर्रम के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए पर्याप्त पुलिस बल एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम समुदाय का प्रमुख पर्व मोहर्रम शुक्रवार, 26 जून को मनाया जाएगा।

छात्रों को दिया गया योग प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा ब्रह्माकुमारी भवन बस स्टैंड के पीछे में योग एवं राजयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रात: 7:30 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर योग प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्थान की राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन एवं ब्रह्माकुमार भाई-बहनों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ योग प्रशिक्षक सुनील बाली तथा राकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में विनोद पटेल एवं संतोष बरमैया ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन

प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन आत्मविश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नियमित योग करने का संकल्प लिया महाविद्यालय के संचालक डॉ. अभिषेक चौबे ने अपने संदेश में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कनिका खरे ने विद्यार्थियों को योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने प्रेरित किया कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. कविता भावसार ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देती है।

कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने छबिलाल कछवाहा

मण्डला। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले की सहमति से प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह पांधे के द्वारा परिवहन प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। जिसमें मंडला जिले के वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट व्यवसायी छबिलाल कछवाहा को कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वही प्रदेश उपाध्यक्ष के पद में जसवीर सिंह खनुजा सिहोर, विनय पांडे प्रदेश उपाध्यक्ष कटनी, शेखर तिवारी प्रदेश उपाध्यक्ष जबलपुर, सुशील सिंह चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष इंदौर जिला प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं प्रदेश के 65 जिलों में जिला अध्यक्ष की घोषणा हुई है इसी क्रम में जिले के वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट

व्यवसायी छबिलाल कछवाहा को कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है इनकी नियुक्ति से जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं परिवहन क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों में उत्साह का माहौल है प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह पांधे ने बताया कि संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में नियुक्ति की गई है। श्री पांधे ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठनात्मक मजबूती के लिए सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें तथा कांग्रेस को जन-जन से जोड़ने का प्रयास करें मंडला जिले में छबिलाल कछवाहा की नियुक्ति को संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बता दें कि छबिलाल कछवाहा पूर्व में जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष भी रहे हैं लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय छबिलाल कछवाहा कांग्रेस के सभी धरना प्रदर्शन ज्ञापन बैठक आदि में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते आ रहे हैं। नियुक्ति पर छबिलाल कछवाहा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों विचारधारा एवं जनहितकारी कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने के लिए वें लंबे समय से क्षेत्र में काम कर रहे हैं और सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करते आ रहे हैं। इनकी नियुक्ति पर विधायक नारायण सिंह पट्टा, विधायक चैनसिंह वरकड़े, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले, कांग्रेस महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष संकुन जंघेला, नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश तिवारी सहित तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

बचपन मजदूरी के लिए नहीं, शिक्षा और सपनों के लिए है: कलेक्टर

कलेक्टर ने बाल श्रम के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के दिये निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जाय। कलेक्टर आशीष तिवारी ने यह निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला बाल एवं किशोर श्रम टास्क फोर्स की बैठक में अधिकारियों को दिए। उन्होंने बाल श्रमिकों की पहचान, बचाव एवं दोषी नियोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की हिदायत दी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर भी मौजूद रहीं। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी बच्चे का स्थान कारखानों, दुकानों या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में नहीं, बल्कि स्कूल और परिवार के सुरक्षित वातावरण में होना चाहिए। उन्होंने जिले में बाल श्रम के विरुद्ध व्यापक और परिणाममूलक अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि बाल श्रम के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। कलेक्टर ने श्रम विभाग, पुलिस, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और अन्य संबंधित विभागों के संयुक्त दल गठित कर शहर तथा

ग्रामीण क्षेत्रों के होटल, ढाबों, कार्यशालाओं, औद्योगिक इकाइयों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी बाल श्रमिक पाए जाएं, वहां तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाए। इसके लिए विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए लोगों को बाल श्रम कानून और उसके दंडात्मक प्रावधानों की जानकारी दी जाए। ताकि समाज स्वयं इस बुराई के खिलाफ जागरूक होकर सहयोग कर सके। बैठक में बताया गया कि बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रतिबंधित कार्यों में नियोजित करना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में दोषी नियोजक पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना, 6 माह से 2 वर्ष तक का कारावास अथवा दोनों प्रकार के दंड का प्रावधान है। समिति के सचिव एवं श्रम पदाधिकारी के.बी. मिश्रा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बाल श्रम कानून के विभिन्न प्रावधानों, टास्क फोर्स की भूमिका तथा बचाव एवं पुनर्वास की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई की रणनीति पर भी चर्चा हुई। बैठक के में कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का अधिकार है। प्रशासन का लक्ष्य केवल बाल श्रमिकों को मुक्त कराना नहीं, बल्कि उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा और बेहतर भविष्य से जोड़ना है। उन्होंने सभी विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से बाल श्रम मुक्त कटनी के लक्ष्य को साकार करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी वनश्री कुर्वेती, जिला शिक्षा अधिकारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष योगेश बघेल, लीड बैंक मैनेजर, श्रम निरीक्षक रमाकांत लोधी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेक्टर की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

बागेश्वर धाम से लौटते वक्त आरटीओ दफ्तर के पास हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी-रीठी सडक़ मार्ग पर आरटीओ दफ्तर के पास बीती रात किसी अज्ञात वाहन ने एक दुपहिया वाहन में सीधी ठोकर मार दी। जिसमे एक युवक की मौके पर मौत हो गई और दूसरा युवक घायल हो गया। घायल युवक को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस मर्ग दर्ज कर जांच कर रही है। कुठला थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया ने बताया कि शहडोल जिले के अमलाई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खमरोध निवासी 36 वर्षीय बबलू कुमार नट पिता रामसिंह नट अपने एक अन्य दोस्त के साथ अमलाई से दुपहिया वाहन में सवार होकर बागेश्वर धाम में दर्शन के लिए गए थे। बताया जाता है कि बाला जी महाराज के दर्शन के उपरांत वे मोटर साइकिल में सवार होकर वापस अमलाई जा रहे थे। इसी दौरान कटनी-दमोह सडक़ मार्ग पर कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आरटीओ दफ्तर के पास बीती रात किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में ठोकर मार दी। जिससे एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कुठला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मर्ग दर्ज करते हुए अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। कुठला थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया ने बताया कि आसपास के

लोगों से पूछताछ के बाद ट्रेक्टर द्वारा दुर्घटना को अंजाम दिए जाने की जानकारी मिली है।

बहोरीबंद में पलटा ई-रिक्शा, दो घायल

बहोरीबंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत उदयपुरा मोड़ बुधनवारा के पास एक तेज रफ्तार ई रिक्शा के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया। इस हादसे में मक्सूद खान और फरदीन खान को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी तरह ढीमरखेड़ा में सडक़ हादसे में घायल की मौत हो गई। ग्राम सिमरिया में बीते 31 मई को हुए एक सडक़ हादसे में घायल राजू कोल 50 वर्ष निवासी ढीमरखेड़ा की इलाज के दौरान मौत हो गई। ढीमरखेड़ा पुलिस के उप निरीक्षक सुरेश चौधरी की ओर से इस मामले में मर्ग कायम कर जांच के बाद केस दर्ज किया गया है।

ग्रेस मिशन स्कूल में फादर्स डे उत्साहपूर्वक मनाया गया

कटनी (स्वतंत्रमत)। ग्रेस मिशन इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, स्लीमनाबाद में फादर्स डे बड़े उत्साह एवं भावनात्मक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पिता के महत्व से अवगत कराना तथा उनके प्रति सम्मान और प्रेम की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसकी थीम फादर्स डे पर आधारित थी। विद्यार्थियों ने पिता के प्रेम, त्याग और मार्गदर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए तथा उनके जीवन में पिता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य जी.आर. भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पिता के महत्व पर प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि पिता परिवार की मजबूत नींव होते हैं और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर परिश्रम करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता का सम्मान करने तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश दिया। इसके पश्चात शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा पिता और बच्चों के संबंधों से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंग साझा किए। कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए विद्यार्थियों को फादर्स डे से संबंधित प्रेरक वीडियो क्लिप्स भी दिखाई गईं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने पिताजी के लिए सुंदर एवं आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। बच्चों ने अपनी भावनाओं को रचनात्मक ढंग से व्यक्त करते हुए अपने पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार प्रकट किया।

28 जून को जिले में चलेगा विशेष पल्स पोलियो अभियान

कलेक्टर ने किया पोलियो अभियान की व्यवस्थाओं की समीक्षा

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने के संकल्प के साथ 28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का व्यापक आयोजन किया जाए। अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी 1 लाख 73 हजार 737 बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाई जाये। यह निर्देश कलेक्टर आशीष तिवारी ने पोलियो अभियान के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं और इसके लिए तैयार कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे रविवार 28 जून को अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य पिलवाएं। पोलियो उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में जनसहभागिता ही इसकी सबसे

बड़ी सफलता है। कलेक्टर ने जिले की करीब 16 लाख की आबादी के 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को दवा पिलाने के कार्य की शत-प्रतिशत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देश के बाद अभियान के सफल संचालन के लिए जिले के 6 विकासखंडों, 1 जिला चिकित्सालय, 1 सिविल अस्पताल, 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 80 सेक्टर एवं 187 उप स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से स्वास्थ्य अमला सक्रिय रहेगा। पल्स पोलियो अभियान के दौरान जिले में कुल 1670 स्थायी बूथ स्थापित किए जाएंगे, जिनमें 288 शहरी और 1382 ग्रामीण क्षेत्र के बूथ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दूरस्थ क्षेत्रों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और आवागमन वाले प्रमुख स्थानों पर 75 ट्रांजिट बूथ तथा विशेष पहुंच वाले क्षेत्रों के लिए 27 मोबाइल टीमें तैनात रहेंगी। कलेक्टर के निर्देश पर अभियान को सफल बनाने के लिए 3 हजार 354 टीकाकरण कर्मियों एवं 162 सुपरवाइजरों की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए चिकित्सा अधिकारियों की विशेष जिम्मेदारी तय की गई है। अभियान के लिए 11 हजार वायल (2 लाख 20 हजार डोज) पोलियो वैक्सीन की जरूरत है। जो उपलब्ध हो गई है। वैक्सीन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिले में 36 आईएलआर, 35 डीप फ्रीजर, 79 कोल्ड बॉक्स और 1700 वैक्सीन कैरियर उपलब्ध कराए गए हैं। अभियान के संचालन एवं निगरानी के लिए 43 चार पहिया और 242 दो पहिया वाहन लगाए जाएंगे, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

आहना की समाज सेविकाओं ने वितरित किये 51 छाते

कटनी (स्वतंत्रमत)

निस्वार्थ मन से की गई सेवा उत्तम होती है और सेवा ही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। इसी भावना से जॉयंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने स्टेशन रोड पर जरूरत मंद लोगों को 51 छातों का वितरण किया। बो जरूरत मंद लोग जो सड़क किनारे सब्जी, फल, ओर मोची आदि के ठेले लगाते है जिसका उद्देश्य बदलते मौसम जैसे तेज धूप और अचानाक हुई बारीश से जरूरतमंद लोगों को छाया और सुरक्षा प्रदान करना है। आहना की समाजसेविकाओं ने यह पुनीत कार्य जायंट्स अंतरराष्ट्रीय के प्रथम अध्यक्ष पदम नाना चुडासमा के जन्मदिन के अवसर पर किया। इस दौरान आहना ग्रुप की अध्यक्ष वाणी गट्टानी, निशा गुप्ता, कविता लालवानी, शालिनी बजाज, रेनुका गोयनका, शिल्पी माहेश्वरी, स्वाति नायक, रश्मि राय, स्वाति जैन, सोनाली जैन, साक्षी जैन शामिल रही।

नशा मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कटनी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज चड्ढा ऑटोनॉमस कॉलेज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जय चड्ढा की अध्यक्षता में हस्ताक्षर अभियान का सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु सामूहिक रूप से संकल्प

लिया तथा हस्ताक्षर कर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में जागरूकता फैलाना, समाज को नशे जैसी बुराई से मुक्त करना तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। हस्ताक्षर अभियान में चड्ढा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के डॉयरेक्टर देवाशीष चड्ढा, महाविद्यालय उप-प्राचार्य डॉ. राजीव खत्री, परीक्षा केन्द्राध्यक्ष डॉ. स्वाति छिरौल्या, वाणिज्य विभाग विभागाध्यक्ष अतुल जैन, विज्ञान/कम्प्यूटर विभाग विभागाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, विधि विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतिका साहनी आहूजा, रीतेश निगम, लाइब्रेरियन नीलम राजवानी, सहायक प्राध्यापिका ऋचा डेंगरे, सहायक प्राध्यापक रवि यादव, गगन गुप्ता, समीप श्रीवास्तव, विधि सहायक प्राध्यापिका माला उपाध्याय, अन्य समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।

एयरटेल के प्रस्तावित मोबाइल टावर का विरोध, रहवासियों में आक्रोश

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के राजीव गांधी वार्ड स्थित गौतम बंधवा क्षेत्र में एयरटेल मोबाइल टावर लगाए जाने को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। क्षेत्रवासियों ने टावर स्थापना का विरोध करते हुए इसे आवासीय क्षेत्र और बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर मोबाइल टावर लगाए जाने की तैयारी की जा रही है, उसके आसपास घनी आबादी है। इसी क्षेत्र में छोटे-छोटे

बच्चे प्रतिदिन खेलते हैं तथा आसपास के लोग सुबह-शाम टहलने और अन्य गतिविधियों के लिए भी यहां पहुंचते हैं। ऐसे में रहवासियों ने टावर लगाने के निर्णय पर आपत्ति जताई है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि टावर स्थापना से पहले स्थानीय नागरिकों की सहमति नहीं ली गई। लोगों का कहना है कि यदि आबादी वाले क्षेत्र में टावर लगाया जाता है तो इससे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर उनकी चिंताएं बढ़ जाएंगी। इसी कारण बड़ी संख्या में लोगों ने इसका विरोध दर्ज कराया है। रहवासियों ने प्रशासन एवं संबंधित कंपनी से मांग की है कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित स्थान पर टावर लगाने की अनुमति न दी जाए और यदि आवश्यक हो तो इसके लिए किसी वैकल्पिक स्थान का चयन किया जाए। वहीं, इस संबंध में संबंधित कंपनी एवं प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

360 लीटर अवैध शराब एवं बलेनो कार जब्त

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा समाज को नशामुक्त बनाने व अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाहियां किए जाने निर्देशित किया गया है। जिनके निर्देश पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में कुठला पुलिस ने बोलेरो वाहन में 360 लीटर अवैध शराब तस्करी की बड़ी खेप पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है। 19 जून को थाना कुठला पुलिस द्वारा क्षेत्र में चेकिंग एवं गश्त की जा रही थी। गश्त के दौरान सूचना मिली कि एक ग्रे कलर की कार क्रमांक एमपी20जेडके0581 में भारी मात्रा में शराब भरकर शाहनगर तरफसे आ रही है जिसकी सूचना पर हमराह स्टाफ के रेड कार्यवाही की गई जो इन्द्रानगर पुल के पास नाकाबंदी की गई जो पुलिस को देकर कार का चालक वापस शाहनगर तरफ भागने का प्रयास करने लगा जिसका पीछा कर कार को अनी नदी पुल के पास घेराबंदी कर पकड़ा गया पुलिस द्वारा स्वतंत्र साक्षियों की उपस्थिति में बलेनो कार में बैठे व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछने पर अपना नाम सौरभ सोमकुवर पिता ओमप्रकाश सोमकुवर उम्र 32 साल निवासी आजाद नगर गोकलपुर जबलपुर, शिवबहादुर सोनी पिता

धनबहादुर सोनी उम्र 28 साल निवासी रामनगर दुर्गा मंदिर के पास थाना रांझी जबलपुर का रहने वाला बताया कार की तलाशी लेने पर वाहन के अन्दर रखे 40 कार्टून देशी सफेद शराब पाई गई। प्रत्येक कार्टून में 50-50 पाव शराब भरी हुई थी। विधि अनुसार कार्यवाही की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 360 लीटर तथा अनुमानित कीमत लगभग 01 लाख रुपये पाई गई। साथ ही प्रयुक्त बलेनो कार की कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई। इस प्रकार कुल 06 लाख रुपये मूल्य का मशरूका जप्त किया गया। मामले में आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 518/26 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है तथा गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है जहाँ से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

कांग्रेस कार्यालय में लगा विशेष हृदय स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर

नागरिकों ने कांग्रेस के इस प्रयास की सराहना की, कहा- ऐसे सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य शिविरों की है आवश्यकता

कटनी (स्वतंत्रमत)

जननायक राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर आस्था प्लाजा स्थित जिला कांग्रेस शहर कमेटी कार्यालय, बरगवां में जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला के प्रयासों से विशेष हृदय स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों, कांग्रेसजनों, पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर एवं लिपिड प्रोफाइल जैसी महत्वपूर्ण जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। नागपुर से आए वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. निकुंज पवार ने उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें

आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। आयोजकों के अनुसार शिविर का उद्देश्य हृदय रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को समय पर जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। शिविर में त्वरित रिपोर्टिंग की व्यवस्था भी की गई, जिससे लोगों को जांच परिणाम शीघ्र प्राप्त हुए। जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने बताया कि आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाजहित और जनसेवा के कार्यों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रही है। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने कांग्रेस के इस जनहितैषी प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ऐसे सर्वसुविधायुक्त स्वास्थ्य शिविरों की अत्यंत आवश्यकता है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाए। नागरिकों ने इस प्रकार के आयोजनों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की अपेक्षा भी व्यक्त की। इस अवसर पर ग्रामीण जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सौरभ सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनरेश त्रिपाठी, बी.एम. तिवारी, प्रशांत जायसवाल, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, मंगल सिंह, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, श्याम यादव, रमेश अहिरवार, अजय कोल, विनोद अहिरवार, फरीद खान, इमरान खान, हर्षित मिश्रा सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया। आयोजन के दौरान व्यवस्थाओं की भी लोगों ने सराहना की।

ब्राजील ने हैती को 3-0 से हराकर किया बाहर

फिलाडेल्फिया (वार्ता)।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्टार स्ट्राइकर मैथियस कुन्हा के दो गोलों की बदौलत ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में हैती को शुक्रवार को 3-0 से हराकर फीफा विश्वकप से बाहर कर दिया ।राफिन्हा, मैथियस कुन्हा और विनीसियस जूनियर के अटैक को लीड करते हुए, ब्राज़ील ने अटैकिंग 4-3-3 फॉर्मेशन अपनाया, जिससे दुनिया की नंबर 6 टीम ने हाफटाइम से पहले 3-0 की बड़ी बढ़त बना ली। ब्राज़ील ने शुरुआती स्टेज में दबदबा बनाया और राफिन्हा के गोल को ऑफसाइड मानकर दो बार गोल रद्द कर दिया गया, इससे पहले कुन्हा ने 23वें मिनट में गोल किया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के फॉरवर्ड ने जूनियर के सेट अप के बाद 36वें मिनट में फिर से गोल करके ब्राज़ील को मज़बूती से कंट्रोल में ला दिया। ब्राज़ील ने पहले हाफ़ के स्टॉपेज टाइम में तीसरा गोल किया जब लुकास पैक्वेटा ने जूनियर को पास दिया, जिसने दाएं पैर से गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। वर्ल्ड नंबर 82 हैती ने हाफ़टाइम के बाद सुधार किया और ब्राज़ील के गोलकीपर एलिसन को दो गोल बचाने पर मजबूर किया, जिससे ब्राज़ील ने अपने पहले हाफ़ में दबदबे के बाद रफ़्तार धीमी कर दी। इस हार के बाद, दिन में पहले मोरक्को ने स्कॉटलैंड पर 1-0 से जीत हासिल की, जिससे हैती के पास

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने का कोई मैथमेटिकल चांस नहीं बचा, जिससे वह टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। ब्राज़ील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद अपनी टीम की प्रोग्रेस की तारीफ़ की।

इटैलियन ने कहा, मुझे लगता है कि हमने पहले गेम से बेहतर खेला। हमारे फ़ुटबॉल की क्वालिटी बेहतर हुई, हमने ज़्यादा मौके बनाए और हमारा डिफेंसिव कंट्रोल बेहतर था। बाहर होने के बावजूद, हैती के कोच सेबेस्टियन मिग्ने को अपनी टीम की कोशिशों पर गर्व है और उन्होंने 52 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी की अहमियत पर ज़ोर दिया। मिग्ने ने कहा, खिलाड़ियों ने दिखाया कि वे इस वर्ल्ड कप में अपनी जगह के हकदार हैं।हमें यह कम नहीं आंकना चाहिए कि हैती के लिए वर्ल्ड फुटबॉल के सबसे बड़े स्टेज पर वापसी का क्या मतलब है। इस जीत से ब्राज़ील ग्रुप सी में गोल डिफ़रेंस के हिसाब से मोरक्को से आगे टॉप पर पहुँच गया है, दोनों टीमों के चार-चार पॉइंट हैं। स्कॉटलैंड तीन पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर है, जबकि हैती बिना किसी पॉइंट के सबसे नीचे है। 24 जून को ग्रुप सी के मैचों के फ़ाइनल राउंड में ब्राज़ील का सामना स्कॉटलैंड से होगा, जबकि मोरक्को का सामना हैती से होगा। बाहर होने के बावजूद, हैती वर्ल्ड कप फ़ाइनल टूर्नामेंट में अपना पहला पॉइंट हासिल करने की कोशिश करेगा।

मोरक्को ने स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया

फॉक्सबोरो, (अमेरिका) (वार्ता) ।अफ्रीकी देश मोरक्को की फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप सी मुकाबले में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। बोस्टन स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए इस मुकाबले का इकलौता और निर्णायक गोल मोरक्को के स्ट्राइकर इस्माइल साइबारी ने किया। इस मैच में जीत के साथ मोरक्को के अंक तालिका में चार हो गये हो गये है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है। 70वें सेकेंड में किया गया यह गोल विश्व कप 2026 का अब तक का सबसे तेज गोल और विश्व कप इतिहास में मोरक्को का सबसे तेज गोल है। दूसरे हॉफ में स्कॉटलैंड ने वापसी का प्रयास किया लेकिन मोरक्को के दृढ़ निश्चय को तोड़ नहीं पाई। इस हार के साथ ही विश्व कप के नॉकआउट राउंड में पहली बार जगह बनाने की स्कॉटलैंड की उम्मीदें अभी भी खतरे में हैं। अब उन्हें 24 जून को ब्राजील के खिलाफ एक अंक हासिल करना होगा ताकि उनकी क्वालीफाई करने की गारंटी लगभग पक्की हो जाए।

ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर अमेरिका नॉकआउट में

सिएटल (वार्ता) अमेरिका की फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 में शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया और ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। सिएटल स्टेडियम में ग्रुप-डी के खेले गये मुकाबले में स्टार फॉरवर्ड क्रिश्चियन पुलिसिक के बिना मैदान में उतरी अमेरिकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरून बर्गेस ने फोलारिन बालोगुन के क्रॉस को रोकने के प्रयास में आत्मघाती गोल कर दिया और अमेरिका ने 11वें मिनट में बढ़त बना ली। इसके बाद एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में एक डिफ्लेक्टेड शॉट पर सबसे पहले पहुंचकर गेंद को हेडर से गोल में डालकर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तुर्की को 1-0 से हराकर पैराग्वे ने विश्वकप से किया बाहर

सैन फ्रांसिस्को (वार्ता)। पैराग्वे की फुटबॉल टीम शनिवार को फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तुर्की को 1-0 से पराजित कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। आज यहां 10 खिलाड़ियों वाली पैराग्वे टीम ने शानदार जज्बा दिखाते हुए मौके गंवाने वाली तुर्की टीम को 1-0 से हरा दिया। इस नतीजे के साथ ही, सबको चौंकाने वाली तुर्की टीम एक मैच बाकी रहते ही वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है, जबकि पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में पहुंचने का शानदार मौका बना लिया है।

पैराग्वे ने मैच की बेहतरीन शुरुआत की; मैच शुरू होने के 65 सेकंड बाद ही एनसिसो के फ्लिक-ऑन की मदद से गैलार्ज़ा ने बाएं पैर से शॉट मारकर गेंद को गोल के निचले दाएं कोने में पहुंचा दिया। तुर्की बराबरी करने के करीब थी, लेकिन मुल्डुर का ज़बरदस्त हेडर गोलपोस्ट के ऊपरी हिस्से (वुडवर्क) से टकराकर सीधे अपराइट (खंभे) से जा लगा। इसके बाद, पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में वीएआर की दखल के बाद पैराग्वे के खिलाड़ी अल्मिरॉन को रेड कार्ड मिला, क्योंकि

उन्होंने मुल्डुर से कुछ कहते समय अपना मुंह ढका हुआ था।

ब्रेक के तीन मिनट बाद यिल्डिज गोल करने के करीब थे, लेकिन जुवेंटस के इस अटैकर का शॉट मुश्किल एंगल से साइड नेटिंग में चला गया। एनसिसो ने पैराग्वे की बढ़त को दोगुना करने का मौका लगभग बना ही लिया था; वे दाईं ओर से आगे बढ़े और बाएं पोस्ट के बाहर शॉट मारा, जिसके ठीक बाद बिना किसी रुकावट के गुल ने हेडर किया, लेकिन गेंद सीधे गोलकीपर के हाथों में चली गई।

चिली को 6-0 से हराकर भारत फाइनल में

मुकाबला न्यूजीलैंड से

ऑकलैंड (वार्ता)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफ़ाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। भारत का फाइनल में मुक़ाबला मेजबान न्यूजीलैंड से होगा जिसने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका को शूट आउट में 4-1 से हराया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। खेल की अच्छी शुरुआत के बाद, जिसमें भारत ने शुरुआती दौर में गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा, उन्हें छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और उनके शॉट ने गोल के कोने में जाकर भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने 13वें मिनट में अपनी बढ़त और मजबूत की। सलीमा ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और क्रॉस दिया, जिससे नवनीत को चिली के गोल पोस्ट के सामने बिना किसी रुकावट के गेंद को डिफ़्लेक्ट करके अपना दूसरा गोल करने का मौका मिला। ड्रैगफ़्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए भारत की बढ़त को और बढ़ाया और 18वें मिनट में सेट-पीस से एक और गोल करके स्कोर तेजी से 4-0 कर दिया। दीपिका के इन दो गोलों के साथ, वह टूर्नामेंट में छह गोल करके सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं।

ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को 98 रन से रौंदा

साउथम्पटन (वार्ता)।

बेथ मूनी (74 रिटायर्ड हर्ट) और एश्ले गार्डनर (58) के शानदार अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड्स को महिला टी 20 विश्व कप के मुकाबले में शनिवार को 98 रन से रौंद दिया। ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट पर 219 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद नीदरलैंड्स को तीन विकेट पर 121 रन पर रोक कर जीत की हैट्रिक पूरी की। बेथ मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेथ मूनी और एश्ले गार्डनर ने तीसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 101 रन की शतकीय साझेदारी की। मूनी और जार्जिया वोल (17) ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को तेजी से आगे बढ़ाया, इससे पहले कि वे वोल और एलिस पेरी

(1) को जल्दी-जल्दी गंवा दिया। चौथे नंबर पर गार्डनर आईं और उन्होंने अपने व्यापक शॉट्स के साथ गेंदबाजी आक्रमण पर दबदबा हासिल किया। उन्होंने अपना आठवां टी-20 अर्धशतक जमाया, जबकि मूनी ने अपना 29वां अर्धशतक जमाया। दोनों ने शतकीय साझेदारी की, इससे पहले कि मूनी मैदान से बाहर चली गईं, संभवत: दूसरा रन पूरा करने के बाद उन्हें चोट लग गई, इससे पहले कि वह रिटायर हर्ट हो गईं। गार्डनर भी तुरंत आउट हो गयीं लेकिन जॉर्जिया वेयरहम (41) ने सुनिश्चित किया कि रेट कम न हो। नीदरलैंड्स अपनी ग्राउंड फील्डिंग और कैचिंग में खराब थे।

ज्योति, मीनाक्षी, प्राची और दीपक फाइनल में

गुइयांग (चीन) (वार्ता)। भारत ने चीन में चल रहे वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2 में शानदार प्रदर्शन किया, आज सेमीफाइनल राउंड के बाद चार फाइनलिस्ट और दो ब्रॉन्ज़ मेडल सहित छह मेडल पक्के किए। इसमें ज्योति (48किग्रा) सबसे आगे रहीं, जिन्होंने मेक्सिको की फातिमा हरेरा को 3-2 से कड़ी टक्कर में हराकर फाइनल में जगह बनाई। हरेरा, जो एक मज़बूत विरोधी हैं, ने इससे पहले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप ब्राज़ील 2026 में 48किग्रा कैटेगरी में आने के बाद ऐतिहासिक सिल्वर मेडल जीता था, जिससे ज्योति की जीत खास तौर पर अहम हो गई। भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, 48किग्रा में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी मीनाक्षी (51किग्रा) ने, जो एक वेट डिवीज़न में ऊपर आ गई हैं।

भारत के साथ पहली बार दफ्रीका महिला टी 20 वर्ल्ड कप मैच में खेलेगी

मैनचेस्टर (वार्ता)।

दक्षिण अफ्रीका महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने तीसरे ग्रुप एक मैच में रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में भारत से भिड़ेगी, जो प्रोटियाज के लिए एक अहम मैच साबित हो सकता है। रविवार का मैच पहली बार होगा जब दक्षिण अफ्रीका और भारत महिला टी20 वर्ल्ड कप स्टेज में आमने-सामने होंगे, जो हैरानी की बात है क्योंकि दोनों टीमें टूर्नामेंट के पिछले सभी नौ एडिशन में खेल चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया से अपना पहला गेम हारने के बाद, दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने एक मुश्किल मैच में पाकिस्तान को

हराकर बोर्ड पर अपने पहले पॉइंट्स हासिल किए। हालांकि, छह टीमों के ग्रुप ए से सिर्फ़ दो टीमें ही सेमीफ़ाइनल में पहुँचेंगी, ऐसे में प्रोटियाज़ इंडिया पर एक जीत हासिल करने के लिए बेताब होंगे - जो उनके टॉप चार के सपनों के लिए एक संभावित खतरा है - ताकि वे इस कड़ी टक्कर में खुद को बढ़त दिला सकें। कप्तान हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारी है, उसने पाकिस्तान और डेब्यू कर रही नीदरलैंड्स दोनों पर शानदार जीत दर्ज की है। दुनिया की नंबर 1 और छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को अभी भी ग्रुप में खेलना है, इसलिए इंडियन टीम प्रोटियाज़ के खिलाफ़ कोई भी पॉइंट गंवाने का रिस्क नहीं उठा सकती।

मज़ेदार बात यह है कि पिछले साल के आखिर में वनडे वर्ल्ड कप के फ़ाइनल में दक्षिण अफ्रीका और भारत का मैच हुआ था, जिसमें प्रोटियाज़ विमेंस कैप्टन लॉरा वोल्वार्ट की सेंचुरी के बावजूद इंडिया जीत गई थी। रविवार के मैच में वोल्वार्ट का सामना इंडिया की स्मृति मंधाना से होगा, जिससे फ़ैन्स को विमेंस क्रिकेट की आज की दो सबसे अच्छी बैटर्स को सबसे बड़े स्टेज में से एक पर आमने-सामने देखने का मौका मिलेगा।

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी

नयी दिल्ली।

भारतीय बाजार में आज सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर से भारी गिरावट देखने को मिली है। वैश्विक स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह कमजोरी बनी हुई है। मजबूत अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व के कड़े रुख ने इस गिरावट को बहुत तेजी से बढ़ाया है। अंतरराष्ट्रीय कारणों से घरेलू बाजार में भी निवेशकों ने भारी मुनाफावसूली और बिकवाली की है। बड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं ने सोने और चांदी दोनों कीमती धातुओं की चमक को बिल्कुल फीका कर दिया है। अखिल

भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 24 कैरेट सोने की कीमत 2,840 रुपये टूटकर 1,50,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के वायदा भाव भी 3,392 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,917 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर सोने की कीमत 60.70 डॉलर टूटकर 4148.45 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है।

बंधन बैंक ने प्रवासी भारतीयों के लिए जमा योजनाओं पर ब्याज दर बढ़ायी

मुंबई (वार्ता)। बंधन बैंक ने अपने एनआरआई ग्राहकों के लिए आकर्षक एफसीएनआर (बी) जमा योजना की घोषणा की जिसके तहत तीन से पांच साल के लिए 10 लाख डॉलर या उससे अधिक की जमा पर 7.1 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। बैंक ने आज बताया कि यह जमा योजना प्रवासी भारतीय ग्राहकों को मध्यम से दीर्घकालिक अवधि के लिए अमेरिकी डॉलर से जुड़ी जमा योजनाओं में निवेश का बेहतर अवसर प्रदान करेगी। वे 10 लाख डॉलर तक सात प्रतिशत और इससे अधिक की राशि पर 7.1 प्रतिशत

ब्याज का लाभ उठा सकेंगे। बैंक की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इससे रुपये के अवमूल्यन की स्थिति में संभावित विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में भी मदद मिलेगी। बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी राजिंदर कुमार बब्बर ने कहा, हमें अपने एनआरआई ग्राहकों के लिए यह आकर्षक एफसीएनआर (बी) जमा योजना पेश करते हुए खुशी हो रही है, वह भी ऐसे समय में जब वे अपने विदेशी निवेशों में स्थिरता और बेहतर मूल्य की तलाश कर रहे हैं। यह योजना उन्हें लंबी अवधि के लिए प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित करने के साथ-साथ मुद्रा संबंधी जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम करने का अवसर देती है। बंधन बैंक में हम अपने वैश्विक ग्राहक आधार की बदलती वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से तैयार समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पेशकश रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों के लिए नयी एफसीएनआर (बी) जमाओं पर अमेरिकी डॉलर-रुपये फॉरेक्स स्वैप सुविधा शुरू किये जाने के बाद लायी गयी है।

सरकार ने चीन से आयातित पीईटी रेजिन,सल्फेनामाइड्स एक्सेलरेटर्स पर लगाया डंपिंग रोधी शुल्क

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने चीन से आयातित या वहां बने पीईटी रेजिन और सल्फेनामाइड्स एक्सेलरेटर्स पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात इस संबंध में दो अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कीं। पॉलीइथाईलीन टेरेफ्थालेट (पीईटी) रेजिन का उपयोग प्लास्टिक उद्योग में किया जाता है। सरकार ने पाया कि इसे अनुचित तरीके से भारतीय बाजार में बेहद कम कीमत पर बेचा जा रहा है, जिससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। इसे देखते हुए मूलतः चीन में उत्पादित या चीन से आयातित पीईटी रेजिन पर 200.66 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा चीन समेत कई देशों से आयातित और रबड़ उद्योग में इस्तेमाल होने वाले सल्फेनामाइड्स एक्सेलरेटर्स पर भी डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है।

मूलतः चीन में उत्पादित या चीन से आयातित सल्फेनामाइड्स एक्सेलरेटर्स पर 974 डॉलर प्रति टन डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। इसके साथ ही यूरोपीय संघ और अमेरिका में उत्पादित या वहां से आयातित होने वाले सल्फेनामाइड्स एक्सेलरेटर्स पर भी 1,748 डॉलर प्रति टन तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाये गये हैं।

चावल, गेहूं नरम, चीनी मजबूत

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव घट गया। चावल के साथ गेहूं में भी गिरावट रही। वहीं, चीनी में तेजी का रुख रहा जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का देख गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 45 रुपये गिरकर 3,868 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 12 रुपये सस्ता हुआ और 2,788 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 15 रुपये चढ़ गयी। दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 11 रुपये बढ़ गयी। मसूर दाल 43 रुपये और तुअर दाल 25 रुपये सस्ती हुई। चना दाल की कीमत छह रुपये कम हुई। मूंग दाल पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़ी रही। स्थानीय बाजार

में सोया तेल औसतन 107 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति की कीमत 34 रुपये और सरसों तेल की आठ रुपये बढ़ गयी। वहीं, मूंगफली तेल 131 रुपये सस्ता हुआ। पाम ऑयल 37 रुपये और सूरजमुखी तेल 14 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 13 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। वहीं, चीनी छह रुपये महंगी हुई। दाल चना 7733.85 रुपये, मसूर काली 8117.74 रुपये, मूंग दाल 10163.12 रुपये, उड़द दाल 10912.24 रुपये, तुअर दाल 11247.06 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2787.82 रुपये और चावल 3867.83 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3263.95 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4363.36 रुपये और गुड़ 5103.82 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

मुकेश अंबानी ने अगली पीढ़ी के नेतृत्व में दिखाया विश्वास

रिलायंस के दैनिक प्रबंधन का हस्तांतरण लगभग पूरा

मुंबई (वार्ता)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मुकेश अंबानी ने अगली पीढ़ी के नेतृत्व में विश्वास दिखाते हुए उन्हें कंपनी के रोजमर्रा के काम की जिम्मेदारी सौंपने का काम लगभग पूरा कर लिया है। श्री अंबानी ने कंपनी की 49वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्षीय भाषण का काफी कम हिस्सा खुद प्रस्तुत किया और ज्यादातर हिस्सा अपने तीनों बच्चों अनंत, आकाश और ईशा अंबानी से प्रस्तुत कराया। यह साफ तौर पर नेतृत्व हस्तांतरण की ओर इशारा कर रहा है। बाद में उन्होंने कहा भी कि कि कंपनी में दैनिक प्रबंधन का पीढ़ीगत हस्तांतरण लगभग पूरा हो चुका है।

आकाश और ईशा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मुकेश अंबानी ने स्पष्ट किया कि उनके बड़े बेटे आकाश अंबानी अब पूरी तरह से दूरसंचार और प्रौद्योगिकी से जुड़े विशाल कारोबार का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं उनकी बेटी ईशा अंबानी को उपभोक्ता और रिटेल व्यवसायों को आगे बढ़ाने की बहुत ही अहम और बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। आकाश ने अपनी भविष्य की योजनाओं में डिजिटल सेवाओं के भारी विस्तार पर सबसे अधिक जोर दिया है जो बहुत ही जरूरी है। ईशा भी रिटेल क्षेत्र में अपनी शानदार व्यापारिक रणनीति के साथ रिलायंस को एक

नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए काम कर रही हैं।

अनंत अंबानी संभालेंगे ऊर्जा कारोबार

रिलायंस के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी को भी कंपनी में बहुत ही बड़ी और अहम जिम्मेदारी दी गई है जो ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी है। अनंत को पिछले वर्ष कार्यकारी निदेशक बनाया गया था और वह पारंपरिक ऊर्जा के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर फोकस कर रहे हैं। मुकेश अंबानी ने कहा कि अनंत ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी की भावी योजनाओं को बहुत ही शानदार तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। इस नए नेतृत्व से कंपनी आने वाले समय में रिलायंस को ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भी बहुत बड़ा मुकाम हासिल करवाएगी।

रिलायंस का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित

चेयरमैन मुकेश अंबानी ने शेयरधारकों को पक्का विश्वास दिलाया है कि रिलायंस का शानदार भविष्य अब पूरी तरह से सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने अपने तीनों बच्चों की खूब तारीफ करते हुए कहा कि वे सभी मौजूदा व्यवसायों को बहुत अच्छे से संभाल और बढ़ा रहे हैं। कंपनी का पूरा संचालन अब एक नई और बेहद ऊर्जावान पीढ़ी के मजबूत नेतृत्व में बहुत ही तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। इससे रिलायंस इंडस्ट्रीज के अगले बड़े विकास चरण की एक बहुत ही मजबूत और शानदार नींव पूरी तरह से तैयार हो रही है।

प्रकृति हमारी मां है, इसे रासायनिक उर्वरकों से बचाएं, प्राकृतिक खेती अपनाएं : मोदी

मध्यप्रदेश प्राकृतिक खेती अपनाने वाले राज्यों में है सबसे अव्वल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि प्रकृति हमारी माता है और हम सब इसकी संतान। अपनी धरती माता को हमें रासायनिक उर्वरकों और हानिकारक कीटनाशकों से बचाना है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती का पहला लक्ष्य मिट्टी में जैविक गतिविधियों को बढ़ाना है। यह खेती मिट्टी में केंचुए और सूक्ष्म जीव पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाती है। इससे भूमि की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहती है। स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध कृषि की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि किसान भाई अधिक से अधिक प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाएं। इससे हमारी धरती माता की सेहत भी बनी रहेगी और इससे उपजे अनाज के पोषण से हम सब भी स्वस्थ रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल से पीएम किसान सम्मान निधि के अंतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के हुगली स्थित तारकेश्वर से देश के 9.40 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किश्त के रूप में कुल 18 हज़ार 880 करोड़ रुपए पात्र किसानों के खातों में अंतरित किए। कार्यक्रम से प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में 1640 करोड़ रूपए प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों से अपील करते हुए कहा कि हमें धरती माता को बचाना है। हमें अपने बच्चों को बंजर जमीन नहीं देनी है। भारत सरकार खेत बचाओ अभियान चला रही है। हमें प्राकृतिक खेती अपनाकर रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग कम से कम करना है। देशभर के किसान खेत बचाओ अभियान से जुड़ें, दूसरों को भी प्रेरित करें और खेतों की मिट्टी की जांच करवाएं। हम सभी मिलकर धरती मां की रक्षा करें। हम केमिकल से धरती मां को नहीं मार सकते हैं। हमें उसे बचाना ही होगा। केंद्र सरकार ने विकसित भारत 2047 का संकल्प लिया है, इसमें देशवासियों का सहयोग बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के किसानों से कहा कि जिस तरह प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, उसी तरह योग करने से हमारा तन-मन स्वस्थ रहता है। प्रधानमंत्री ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि सभी देशवासी योग करें, क्योंकि योग ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।

साकार होते देख रहे है रामराज्य की संकल्पना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बरखेड़ीकला स्थित राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान (सिपेट) में प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह कृषक संगोष्ठी में पहुंचकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के संपूर्ण संबोधन का श्रवण किया। मुख्यमंत्री ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम रामराज्य की संकल्पना को साकार होते देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गांव, गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों के कल्याण से विश्व में भारत की अलग ही पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को दो-दो नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। इससे प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा और उनके सूखे खेतों में फसलें लहलहाएंगी। आज देश के हर गांव-कस्बे तक बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का जाल बिछ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ही देश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देने की योजना प्रारंभ की है। यह हमारे अन्नदाता के अथक परिश्रम का सम्मान है। मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। हम किसानों के कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठा रहे हैं।

कीटनाशक और रासायनिक खाद का उपयोग नुकसानदेह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसलों में कीटनाशक और रासायनिक खाद का उपयोग नुकसानदेह है। इससे कैंसर जैसी कई घातक बीमारियां जन्म लेती हैं। सरकार ने किसानों को पुनः प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए पहल की है, इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सर्वाधिक प्राकृतिक खेती करने वाला राज्यों में अव्वल स्थान पर है। प्राकृतिक खेती की उपज को उचित दाम दिलवाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। हमारी प्राकृतिक खेती से दुनिया लाभान्वित हों, इसी भाव से कार्य करते हुए प्रदेश में तेजी से गोशालाओं का विस्तार किया जा रहा है।

किसानों को उपज का सही दाम मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उपज का सही दाम मिले, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। पहले सोयाबीन पर भावांतर योजना के माध्यम लाभ दिया, उसके बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देकर किसानों से गेहूं उपार्जित किया। राज्य सरकार ने किसानों से गेहूं का एक-एक दाना खरीदकर उन्हें प्रति क्विंटल 2625 रुपए भुगतान किया है। हमारी सरकार प्राकृतिक खेती के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है।

प्रदेश में प्राकृतिक खेती

मध्यप्रदेश देश का अग्रणी कृषि राज्य है। गेहूं, सोयाबीन और दलहन उत्पादन में प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश प्राकृतिक खेती में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 3 लाख एकड़ में जैविक/प्राकृतिक खेती की जा रही है। प्रदेश के 56 कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि महाविद्यालयों द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए तकनीकी मदद और प्रशिक्षण किसानों को दिए जा रहे हैं। सरकार प्रदेश में एक हजार से अधिक बॉयो रिसर्च सेंटर बना रही है। ये सेंटर प्राकृतिक खेती में किसानों की मदद करेंगे। प्राकृतिक खेती के उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। देश और विदेश में इनके लिए विशेष बाजार विकसित हो रहे हैं। ब्रांडिंग और प्रमाणन से किसानों को अधिक मूल्य मिलता है। यह आय वृद्धि का बड़ा अवसर है।

उज्जैन-सांवेर-इंदौर क्षेत्र के विकास का नया पर्याय बनेगा फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरीडोर : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दी 5,657 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर, उज्जैन और सांवेर सहित अन्य शहरों को 5 हजार 657 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली है। यह प्रदेश की जनता के लिए ऐतिहासिक क्षण है। इंदौर के पितृेश्वर महादेव से बाबा महाकल तक आने के लिए सीधी सड़क का भूमि-पूजन हुआ है। यह परियोजना पीथमपुर को निमाड़ क्षेत्र में आगे दिल्ली-मुंबई इकोनॉमिक कॉरिडोर से जोड़ेगा और क्षेत्र के लिए आर्थिक समृद्धि का अहम मार्ग बनेगा। राज्य सरकार ने किसानों की मांग पर इसकी ऊंचाई कम की है, जिससे किसानों को भी आवागमन में लाभ मिलेगा। प्राचीन काल में इस मार्ग से वर्षभर साधु-संत और श्रद्धालु पैदल यात्रा करते थे। ग्रीन फील्ड कॉरीडोर उज्जैन-सांवेर-इंदौर क्षेत्र के विकास का नया पर्याय बनेगा। यह परियोजना सिंहस्थ के दृष्टिगत प्रदेश को बड़ी सौगात है। करीब 48 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर का निर्माण लगभग 2 हजार 935 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री श्री खट्टर के साथ सांवेर विधानसभा क्षेत्र के चंद्रावतीगंज में शनिवार को इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरीडोर का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विभिन्न योजना के हितग्राहियों को हितलाभ और सड़क सुरक्षा के मद्देनजर हेलमेट वितरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह कॉरिडोर इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से शुरू होकर उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर के समीप सिंहस्थ बायपास तक पहुंचेगा। इस मार्ग के बन जाने से इंदौर और उज्जैन के बीच आवागमन अधिक सुगम और तेज होगा, साथ ही सिंहस्थ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी। फतेहाबाद और चंद्रावतीगंज इंदौर-उज्जैन के बीच व्यापार-व्यवसाय का प्रमुख केंद्र रहा है, ग्रीनफील्ड कॉरीडोर विकास का नया पर्याय बनेगा। यह रोड उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन सिटी के लिए नए सूर्योदय के समान है।

सुभाष कॉलोनी में नहीं होगी जलभराव की समस्या, नाले के निर्माण के लिए शासन को भेजा गया प्रस्ताव : मलैया

दमोह (स्वतंत्र मत)। विधायक जयंत मलैया ने शनिवार सुबह सुभाष कॉलोनी नाले का निरीक्षण कर क्षेत्र में चल रहे जल निकासी कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा प्रशासन द्वारा लगातार नाले की सफाई एवं सुधार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की जलभराव समस्या के स्थायी समाधान के लिए विधायक निधि से पुनः 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। विधायक मलैया ने कहा नाले के पक्के निर्माण के लिए विस्तृत एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेज दिया गया है, उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि यदि इस वर्ष तेज बारिश भी होती है,

तब भी सुभाष कॉलोनी में जलभराव की स्थिति नहीं बनेगी और नागरिकों को राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होने नवजागृति स्कूल के समीप निर्माणाधीन नाले का भी अवलोकन किया तथा अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

उन्होने कहा नागरिकों की सुविधा और शहर के समुचित विकास के लिए आवश्यक कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।

योग दिवस सब मिलकर योग करें, निरोग रहें

हटा (स्वतंत्र मत)। 21 जून को पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जाता है। यह भारतीय दर्शन का पूरे विश्व में सम्मान है। भारत देश को विश्व गुरु बनाने की दिशा में योग दिवस महत्वपूर्ण कदम है। योग देश की प्राचीन महत्वपूर्ण उपयोगी विधा है एजिससे व्यक्ति अपनी चेतना को परमात्म चेतना से जोड़कर लघु से महान बनता है। योग दर्शन का यही लक्ष्य है। हाथ पर शरीर को तरह-तरह से मोड़ना व्यायाम है। विभिन्न ढंग से हाथ पैर शरीर को मोड़ कर विविध आसन योग का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। संपूर्ण योग यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार धारणा, ध्यान और समाधि में समाहित है जिसे जनजन तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

राज्यमंत्री लोधी का नया प्रशासनिक प्रयोग अब हर शनिवार होगी विशेष जनसुनवाई

नोहटा कार्यालय में शुरू हुई नियमित जनसुनवाई व्यवस्था

दमोह (स्वतंत्र मत)।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से एक नई प्रशासनिक पहल की शुरुआत की है। राज्यमंत्री ने अपने निज कार्यालय नोहटा में विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जिसे अब प्रत्येक शनिवार नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। राज्यमंत्री लोधी ने कहा कि वे पूर्व से ही प्रतिदिन क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनते रहे हैं लेकिन अब शनिवार को विशेष जनसुनवाई दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है। यह जनसुनवाई प्रत्येक शनिवार प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगी। पहली विशेष जनसुनवाई में क्षेत्रवासियों द्वारा 20 से अधिक आवेदन प्रस्तुत किए गए, जबकि कई लोगों ने मौखिक रूप से भी अपनी समस्याएं रखीं।

मौके पर उपस्थित प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान हेतु यथासंभव त्वरित कार्रवाई की। राज्यमंत्री लोधी ने कहा सरकार का उद्देश्य है कि क्षेत्रवासियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या परेशानी का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

नीट यूजी 2026 परीक्षा आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी एनटीए द्वारा नीट यूजी आयोजित परीक्षा का आयोजन आज 21 जून को दमोह के तीन परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा के सुचारु एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं जिले में निर्धारित तीन परीक्षा केंद्रो में उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव पीजी कॉलेज दमोह शामिल है। परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र में प्रवेश का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से सायं 5:15 बजे तक आयोजित होगी। दिव्यांग परीक्षार्थियों को एनटीए के नियमानुसार अतिरिक्त समय की सुविधा प्रदान की जाएगी। सभी परीक्षार्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने साथ प्रवेश पत्र में संलग्न पोस्टकार्ड साइज फोटो तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से लेकर आएं। परीक्षा केंद्र पर पेन उपलब्ध कराए जाएंगे। परीक्षार्थी पारदर्शी पानी की बोतल साथ ला सकते हैं। प्रशासन एवं एनटीए द्वारा परीक्षार्थियों से अपील की गई है कि परीक्षा केंद्र पर आने से पूर्व प्रवेश पत्र में दिए गए सभी दिशा निर्देशों को ध्यानपूर्वक अवश्य पढ़ लें तथा समय का विशेष ध्यान रखें।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने लिया नीट परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा

तीन परीक्षा केंद्रों पर 1147 परीक्षार्थी होंगे शामिल

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जिले में आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा जिले में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 1147 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। सभी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया है। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों के बैठने हेतु अलग से टेंट लगाए जा रहे हैं। वहां चाय-पानी की ऑन पेमेंट व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। वहीं बच्चों के लिए लगातार पेयजल उपलब्ध कराया जाएगाए क्योंकि परीक्षार्थियों का केंद्रों पर पहुंचना सुबह 11:30 बजे से प्रारंभ हो जाएगा तथा दोपहर 1:30 बजे तक अंतिम प्रवेश दिया जाएगा।

उन्होने कहा इस वर्ष परीक्षा के समय में 15 मिनट की बढ़ोतरी की गई है ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशासन ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और

व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।

उन्होने कहा जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं तथा बिजली बाधित होने की स्थिति से निपटने के लिए जनरेटर की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा प्रत्येक कक्ष की नंबरिंग कर कंट्रोल रूम व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित किया गया है। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने कहा दमोह शहर में बनाए गए तीनों नीट परीक्षा केंद्रों का कलेक्टर यादव के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस दौरान सिटी सुपरिटेंडेंटए सेंटर सुपरिटेंडेंट और सिटी कोऑर्डिनेटर्स भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई हैं तथा परीक्षा के दिन पुलिस बल समय पर तैनात रहेगा। जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Hanoo Tiles is registered partnership firm having Registration No. 04/14/01/0273/22 dated 28/12/2022.
With effect from 24/03/2026, Satyendra Yadav and Pushpa Yadav has retired from the partnership and Amit Kumar Sahu and Snehlata Sahu joined the partnership.
Now the partners of the firm are Amit Kumar Sahu and Snehlata Sahu.
This public notice is being published for the purpose of registration of change in composition of the firm with the office of Registrar of Firms and Society.

For, Hanoo Tiles
partner

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें ध्यान : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत नवीन घाट निर्माण कार्य का किया अवलोकन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शनि मंदिर त्रिवेणी क्षेत्र में 778 करोड़ रुपए राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाट निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ 2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव के अनुरूप हो।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने नवीन घाट निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी। एसीएस डॉ. राजौरा ने बताया कि 29.15 किमी नवीन घाट का निर्माण 778 करोड़ रुपए राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है। लगभग 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य तेजी से प्रगतिरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, नगरीय आवास एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने शनि मंदिर त्रिवेणी क्षेत्र में नीम, रुद्राक्ष, पीपल के पौधे रोप कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हे कि प्रदेश वनों से आच्छादित रहे।

टनल मे उतर कर देखी गुणवत्ता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया। परियोजना के टनल भाग में उतरकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने चिंतामन जवासिया गांव के समीप स्थित शाफ्ट नंबर-2 पर फेज नंबर-3 के कार्य की विस्तृत जानकारी ली। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा द्वारा योजना की जानकारी दी गई। टनल पहुंच एवं रखरखाव संबंधी तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी दी गई। परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को शहर में शिप्रा नदी के प्रमुख घाटों एवं तीर्थ स्थलों में मिलने से रोकना है, जिससे शिप्रा नदी का जल स्वच्छ बना रहे। परियोजना के अंतर्गत ग्राम जमालपुरा, तहसील उज्जैन में कान्ह नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जा रहा है, जिससे दूषित जल को क्लोज डक्ट के माध्यम से 30.15 किमी दूर गम्भीर बांध के डाउन स्ट्रीम में छोड़ा जाएगा।

परियोजना की लागत 919.94 करोड़ रुपए है। इसकी कुल लंबाई 30.15 किमी (कट एंड कवर डक्ट- 18.15 किमी + टनल- 12.00 किमी) है। टनल भाग में 4 शाफ्टों का निर्माण पहुंच एवं सफाई तथा रखरखाव के लिए किया गया है। डक्ट का डी-आकार का क्रॉस सेक्शन, अधिकतम 40 क्यूसेक दूषित जल की निकासी क्षमता रखता है। परियोजना को आगामी 25 वर्ष तक की जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। निर्माण पूर्ण होने के बाद आगामी 15 वर्ष तक संचालन एवं संधारण का प्रावधान है।

वर्तमान में बैराज का निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा हेड रेगुलेटर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। कट एंड कवर भाग की कुल 18.15 किमी लंबाई में से 4.50 किमी में प्री-कास्ट सेगमेंट्स का लेइंग कार्य पूर्ण हो चुका है।

आम सूचना का खंडन

यह कि मैं अपने पक्षकार किसान श्रीमति चंदरानी पटेल पति स्व. श्री रामलाल पटेल निवासी 526, स्टेट बैंक कालोनी, उखरी रोड, जबलपुर (म.प्र.) के निर्देशानुसार समाचार पत्र दैनिक भास्कर में दिनांक 07/06/2026 पंडित सुनील कुमार गौतम के माध्यम से प्रकाशित आम सूचना की सम्पत्ति मौजा लक्ष्मीपुर 223/1ग, 225/1, 306/1 व अन्य और इनके बटांक का मेरा पक्षकार खंडन करता है। चूंकि उपरोक्त दर्शाये गये खसरे एवं रकवा में मेरे पक्षकार का नाम बतौर मालिक काबिज चला आ रहा है। इस खसरे में जमीन सोसायटी को नहीं बेची गई है। जिसपर आपत्ती दर्ज कराई जा चुकी है। उपरोक्त वादग्रस्त सम्पत्ति का कोई भी व्यक्ति बैंक या वित्तीय संस्था शासकीय एवं अर्धशासकीय संस्था विक्रयनामा/ इकरारनामा निष्पादित न कराये। यदि विक्रयनामा/इकरारनामा करता है तो उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाई की जायेगी तथा समस्त व्यवहार शून्य माने जायेंगे।
जबलपुर दिनांक: 20/06/2026

वास्ते अभिषेक पटैल
(अधिवक्ता)
मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय,जबलपुर
मो. 9424958789, 7987778512

कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट बना मिसाल

कचरे से रोजाना हो रहा कई मेगा वॉट बिजली का उत्पादन

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया किकठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट एक बड़ा वरदान साबित हो रहा है। यह प्लांट न केवल शहर को कचरे के ढेर से मुक्ति दिला रहा है, बल्कि कचरे से कंचन बिजली बनाने के मंत्र को भी साकार कर रहा है। वर्तमान में इस प्लांट के माध्यम से प्रतिदिन 500 से 800 टन कचरे का सुरक्षित निष्पादन किया जा रहा है, जिससे 11.5 मेगावाट ग्रीन एनर्जी बिजली का उत्पादन हो रहा है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने प्लांट की संचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संबंधित अमले और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महिला का मंगलसूत्र व मोबाइल छीनकर भागे लुटेरे

केंट थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपी की तलाश में पुलिस

जबलपुर। केंट थाने में 30 वर्षीय अनुज कोरी निवासी तुलसी मोहल्ला वार्ड बाई का बगीचा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह ई रिक्शा चलाता है बीती रात वह अपनी पत्नी पूजा कोरी, साली मन्नू बेन एवं बच्ची को बैठाकर बहिन गुड़िया साहू के घर एपीएन स्कूल के पास मोदीवाड़ा सदर जा रहा था। रात लगभग 10 बजे अब्दुल हमीद चौक सदर में पीछे से बाइक में एक व्यक्ति आया और उसकी पत्नी पूजा कोरी के गले से सोने का मंगलसूत्र एवं रियलमी कम्पनी का मोबाइल झपट्टा मारकर लोहार मोहल्ला तरफ भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

यादों का समागम: हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रथम बैच ने मनाया सिल्वर जुबली रियूनियन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में उस समय एक बेहद भावुक और यादगार माहौल देखने को मिला, जब कॉलेज के सबसे पहले पास-आउट बैच (वर्ष 2001) के पूर्व छात्रों ने अपनी पढ़ाई पूरी होने के 25 वर्ष पूरे होने पर सिल्वर जुबली रियूनियन (समागम 2026) का आयोजन किया। हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन (हेका) के सहयोग से आयोजित इस समारोह में देश-विदेश से इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग शाखाओं के लगभग 85 पूर्व छात्र हितकारिणी हिल्स कैंपस में पहुंचे।

स्मृति चिह्न भेंट कर किया सम्मानित

कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व छात्र प्रतिनिधि डॉ राज तिवारी, डॉ. तपन जैन, इंजी. निखिल अग्रवाल, इंजी. सौरभ मक्कड़, इंजी. सचिन गुप्ता और कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रिंकू कथूरिया द्वारा मां सरस्वती के पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने करियर की नींव रखने वाले डॉ. सुधीर भट्ट, डॉ. राजीव खत्री, डॉ. वाई. एम. दुबे, डॉ. अविनाश गौर, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता सेलोट, प्रो. देबाशीष मुखर्जी, प्रो. मीनाक्षी श्योरे, प्रो. मिताली मित्रा, डॉ. सपना रिछारिया, डॉ. नितेश दुबे, डॉ. रिंकू कथूरिया, प्रो. राजा नामदेव, प्रो. वंदना अरोड़ा, प्रो. भावना जैन और इंजी. दिनेश मिश्रा का शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया।

क्लास रूम्स का किया दौरा

कॉलेज के चेयरमैन इंजी. नितिन अग्रवाल ने पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए उन्हें कॉलेज का सच्चा एंबेसडर बताया और कहा कि पूर्व छात्रों का वापिस कैंपस में एकत्र होना संस्थान के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने एलुमनाई नेटवर्क को मजबूत करने और वर्तमान छात्रों का मार्गदर्शन करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष बाबू चंद्रमोहन का आशीर्वाद संदेश भी पढ़ा गया। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित विशिष्ट पूर्व छात्र डॉ. तपन जैन (प्रोफेसर, ट्रिपल आई टी नागपुर) और इंजी. प्रदीप नामदेव (सीईओ, प्रखर सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस, नोएडा) ने अपने पुराने दिनों की यादें साझा कीं। समारोह में उन सहपाठियों और शिक्षकों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। अंत में सभी पूर्व छात्रों ने पुरानी यादों को समेटे हुए अपने-अपने विभागों, प्रयोगशालाओं और क्लासरूम्स का दौरा किया और संस्थान की प्रगति की सराहना की।

प्रशासन के इंतजाम, फिर भी नीट परीक्षार्थियों को सता रहा केंद्र तक पहुंचने का डर

विविध आयोजनों में आज हिस्सा लेंगी राष्ट्रपति

प्रशासन के लिए दोहरी चुनौती

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आज रविवार का दिन जिला प्रशासन के लिए भारी चुनौतियों भरा रहने वाला है। दरअसल आज 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम एवं रादुविवि के दिक्षांत समारोह में हिस्सा लेने देश की राष्ट्रपति शहर में मौजूद हैं। वहीं दूसरी ओर 23 परीक्षा केंद्रों में री-नीट परीक्षा का आयोजन भी आज रविवार को किया जाना है। जिसमें कई शहरों से परीक्षार्थी हिस्सा लेने शहर पहुंच रहे हैं। ऐसे में पुलिस की चाक-चौंबद व्यवस्था के बीच नीट परीक्षार्थियों को अपने-अपने परीक्षा केंद्रों तक समय से पहले पहुंचने का डर सता रहा है।

वीआईपी मूवमेंट पर भी नहीं होगी दिक्कत

जिला प्रशासन के मुताबिक नीट परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कोई परेशानी ना हो इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में यातायात

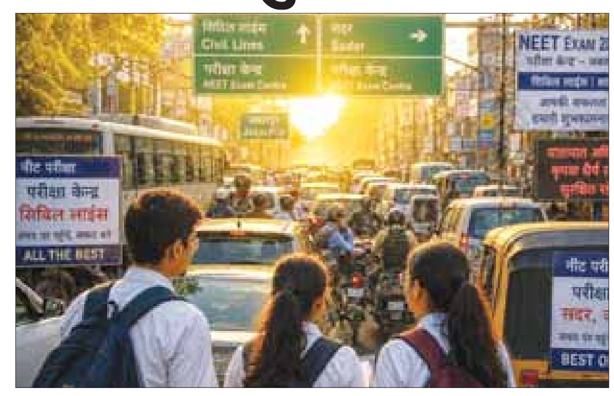

पुलिस एवं जिले के समस्त थाना पुलिस बल को परीक्षा के दौरान प्रमुख मार्गों, परीक्षा केंद्रों एवं संवेदनशील चौराहों पर विशेष रूप से तैनात किया गया है, ताकि परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जबलपुर पुलिस द्वारा परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सहायता के लिए विशेष यातायात हेल्पलाइन नंबर 7049158826 जारी किया गया है। यदि किसी परीक्षार्थी अथवा उनके अभिभावकों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में यातायात जाम, मार्ग अवरोध, वाहन संबंधी समस्या अथवा अन्य किसी प्रकार की यातायात संबंधी कठिनाई का सामना करना पड़े तो वे उक्त मोबाइल नंबर पर तत्काल संपर्क कर अपनी समस्या की जानकारी दे सकते हैं। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस द्वारा त्वरित सहायता एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

ग्रामीण इलाकों के परीक्षार्थियों के लिए बसों की व्यवस्थाएं

इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों की सुविधा के लिये ऐसे परीक्षा केंद्रों तक पेमेंट बेसिस पर दो-दो बसों के संचालन की व्यवस्था की है। जिनमें समाधि रोड बरबटी स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के लिये रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-एक से एक बस सुबह 10.30 बजे और दूसरी सुबह 11.30 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर के पास ग्राम मंगेली स्थित परीक्षा केंद्र शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय के लिये मेडिकल कॉलेज तिराहा जबलपुर से एक बस सुबह 10.30 बजे एवं दूसरी सुबह 11.30 बजे रवाना होगी।

सोन ब्रिज निर्माण कार्य का पमरे जीएम ने किया निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत इंफ्रास्ट्रक्चर और रेल लाइनों के कार्यों का पमरे जीएम दिलीप कुमार सिंह ने जायजा लिया। उन्होंने सतना-रीवा रेलखंड का रियर विंडो निरीक्षण करते हुए रेल ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, पुलों और ओएचई लाइनों की सुरक्षा को बारीकी से परखा। इसके बाद रीवा स्टेशन पहुंचे जीएम ने फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म, माल गोदाम और एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल का अवलोकन किया।

पुराने विवाद के चलते युवक के साथ हुई मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोरखपुर थाने में 18 वर्षीय आदित्य स्वामी निवासी बगीचा नम्बर 55 पासी मोहल्ला केंट ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कपड़े की दुकान तैयब अली पेट्रोल पम्प के पास काम करता है बीतीरात वह गोरखपुर गुरूद्वारा के सामने कपड़े डाई कराने गया था।

जहां साहिल ठाकुर मिला जो पुराने विवाद को लेकर झगड़ा करते हुये गाली गलौज करने लगा तभी साहिल ठाकुर का साथी प्रतीक भी आ गया और दोनों उसके साथ मारपीट करने लगे, साहिल ने नुकीली चीज से हमलाकर उसे चोट पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी की डिक्की में थी पिस्टल, उठाते ही दब गया ट्रिगर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक को स्कूटी की डिक्की में रखी पिस्टल उठाना भारी पड़ गया। पिस्टल हाथ में लेते ही अचानक ट्रिगर दब गया और गोली युवक के हाथ में जा लगी। गंभीर रूप से घायल युवक को परिजन तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक

कृपाल चौक निवासी 20 वर्षीय शुभम ठाकुर के घर शनिवार दोपहर गैस सिलेंडर खत्म हो गया था। सिलेंडर भरवाने के लिए उसने पड़ोस में रहने वाले अपने दोस्त की एक्सिस स्कूटी ली और घर आ गया। गैस एजेंसी की पासबुक रखने के लिए जैसे ही उसने स्कूटी की डिक्की खोली, उसमें एक पिस्टल रखी दिखाई दी। बताया जा रहा है कि पिस्टल देखकर शुभम घबरा गया। वह परिवार के अन्य सदस्यों और आसपास मौजूद लोगों से बचते हुए पिस्टल को घर के अंदर रखने के लिए उठा रहा था। इसी दौरान उससे अनजाने में ट्रिगर दब गया। तेज धमाके के साथ चली गोली सीधे उसके हाथ में जा लगी और वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़ा। परिजन और स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची। जिन्होंने पिस्टल को जब्त कर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

बीच बचाव करने आये वृद्ध से मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरखपुर थाने में 79 वर्षीय जान डेविड निवासी एमजीएम स्कूल के पास सेठीनगर गोरखपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि व्हीकल फैक्ट्री से रिटायर्ड पेंशनर है बीती रात अपनी बहन उमा सिंह के घर गया था उसकी बहन उमा सिंह का बेटा सुप्रिय सिंह उससे विवाद कर झगड़ा कर रहा था वह सुप्रिय सिंह को समझा रहा था। इसी बात पर सुप्रिय सिंह की पत्नी नेहा सिंह एवं नेहा सिंह की बड़ी बहन निकिता सिंह, नेहा सिंह के भाई अभिषेक थामस तीनों उसे गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर नेहा सिंह ने अपने मोबाइल से उसके आंख के ऊपर मारकर चोट पहुँचा दी उसका बेटा जय डेविड बीच बचाव करने लगा तो निकिता सिंह, अभिषेक थामस दोनों ने पत्थर से मारपीट कर जय डेविड को चोट पहुंचा दी तथा तीनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस हुई सक्रिय

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में आगामी पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम में सेवादल जिला ग्रामीण अध्यक्ष शिव नामदेव, परमलाल अहिरवार, राजेश चौबे, दिलीप सिंह राजपूत, फिरोज खान तथा अनुसूचित जनजाति कांग्रेस जिला ग्रामीण अध्यक्ष नीलेश सिंह बरकड़े का पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

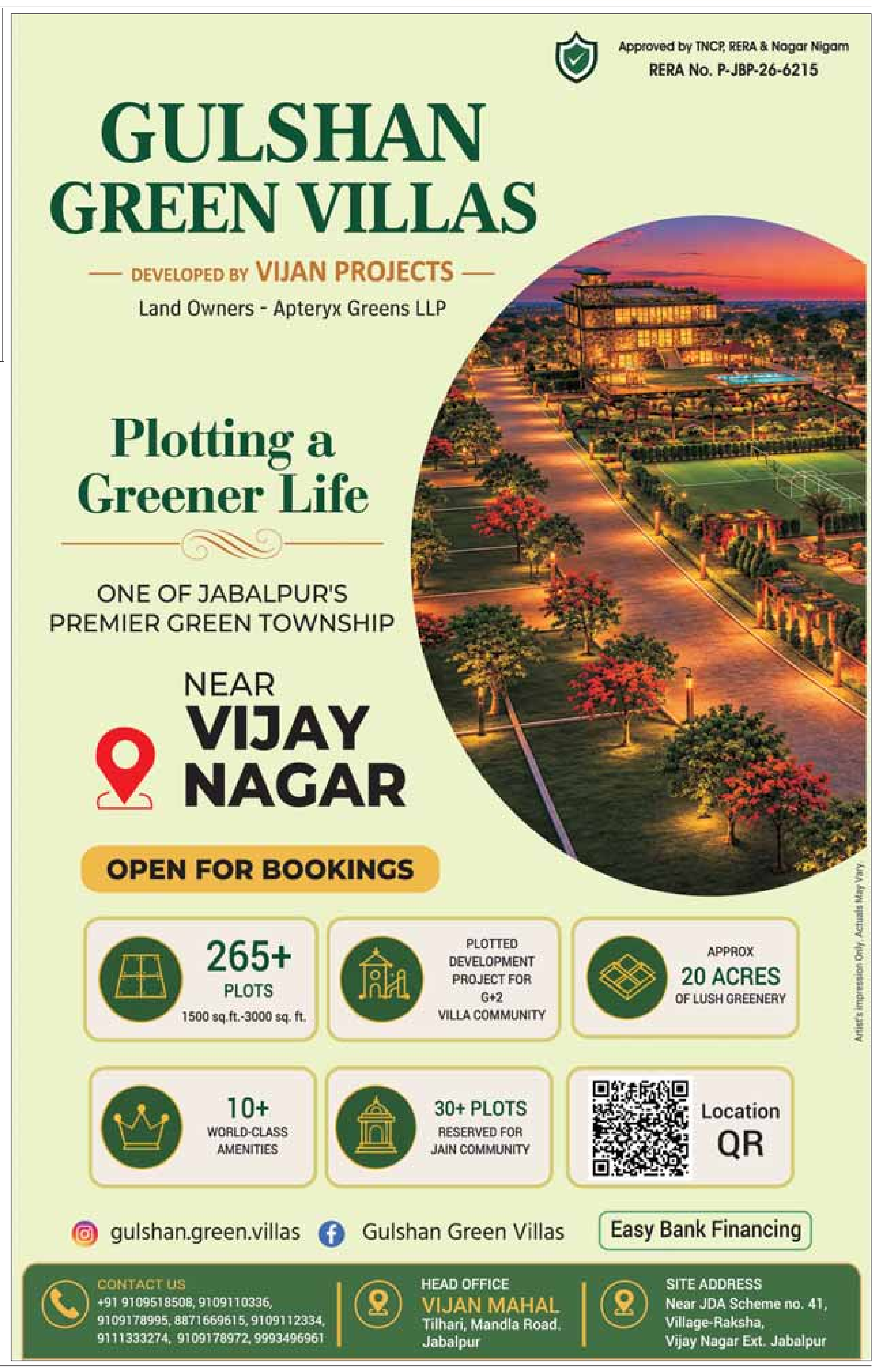

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**